@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 25 सितंबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 322 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

यमुना एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा

स्लीपर बस में आग लगने से 9 यात्रियों की मौत

● पटाखों जैसी आवाजों से मची अफरातफरी ● फायर टेंडरों ने आधे घंटे में पाया काबू

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात एक स्लीपर बस में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। बिहार नंबर की यह बस दिल्ली से महोबा जा रही थी। दयानतपुर गांव के पास अचानक आग लगने पर चालक ने बस को किनारे रोक दिया। उस समय बस में करीब 35 यात्री सवार थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। आग लगते ही यात्रियों में भगदड़ मच गई। कई लोग खिड़की से कूदकर बाहर निकले, लेकिन कुछ यात्री अंदर ही फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग के दौरान बस से पटाखे फूटने जैसी आवाजें आ रही थीं।

पुलिस और राहत कार्य

सूचना मिलते ही पुलिस और यमुना एक्सप्रेसवे की सुरक्षा टीम मौके पर पहुंची। चार से पांच फायर टेंडर और पानी के टैंकरों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घायलों को नजदीकी कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि बस राज कल्पना ट्रैवल्स की थी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

'मृतकों के परिजनों दो लाख, घायलों को 50 हजार', राष्ट्रपति और पीएम मोदी ने जताया दुख

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक बस में आग लगने से लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में बस त्रासदी से हुई जनहानि से व्यथित हूं। उन्होंने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मृतकों के परिवारों के लिए दो लाख रुपये के मुआवजे का एलान किया है। वहीं घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। यह राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दी जाएगी।

आशंका जताई जा रही है कि बस में सामान के साथ अवैध पटाखे भी ले जाए जा रहे थे, जिससे आग तेजी से फैल गई।

बस पर थे 1.75 लाख के 19 चालान

हादसे के बाद बस की फिटनेस और पूर्व में हुई यातायात कार्रवाई भी जांच के दायरे में आ गई है। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश की राज कल्पना ट्रैवल्स की इस बस के खिलाफ अब तक 19 चालान हो चुके हैं। इन पर करीब 1.75 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जा चुका है। पुलिस ने चालक पवन और परिचालक योगेश को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में बस की ऊंचाई निर्धारित मानक से अधिक पाई गई। बस की ऊंचाई 4.1 मीटर मिली, जबकि मानक के अनुसार बस की अधिकतम ऊंचाई 3.8 मीटर होनी

चक्रवात अर्नब से ओडिशा-आंध्र प्रदेश में भारी बारिश, पुल डूबे

● बंगाल, एमपी और छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

एजेंसी

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों में भारी बारिश हो रही है। दक्षिण ओडिशा के 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मलकानगिरी में चार पुल डूब जाने से ट्रैफिक बंद हो गया है। सुरक्षा कारणों से नेशनल हाईवे भी बंद कर दिया गया है। वहीं, राउरकेला में तूफान से सिविल टाउनशिप में बना 150 फुट ऊंचा गणेश पंडाल ढह गया।

आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कलिंगपट्टनम के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ

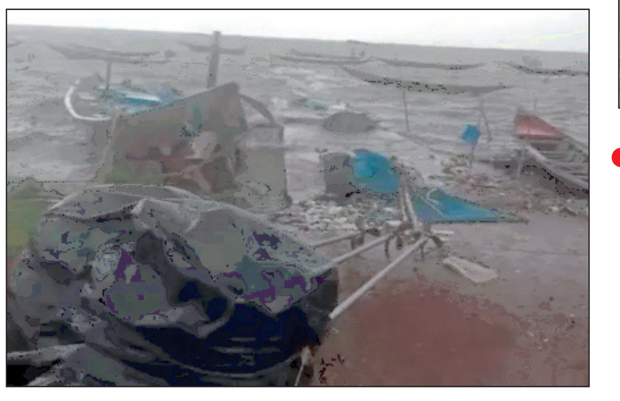

75 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलीं। विजयवाड़ा में निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई स्कूलों में लगातार दूसरे दिन छुट्टी कर दी गई है। मछुआरों से शुक्रवार सुबह तक समुद्र में न जाने की अपील की। पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश का हो रही है। दार्जिलिंग और कलिम्पोंग में भी आंधी और भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान का असर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी दिखाई देगा। एमपी के 10 जिलों भारी बारिश और छत्तीसगढ़ के 15 जिलों में बारिश और आंधी का अलर्ट है।

● ओडिशा में दो दिनों तक तूफानी मौसम का अलर्ट

मौसम विभाग ने बताया कि ओडिशा में पिछले 24 घंटों में औसतन 70 मिमी बारिश हुई है, जिसमें कोरापुट जिले के सिमिलिगुडा में सबसे अधिक 193.9 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, तटीय इलाकों में दो दिनों तक तेज हवाओं के साथ तूफानी मौसम रहेगा और मछुआरों से शुक्रवार सुबह तक समुद्र में न जाने की अपील की।

'अगर ज्ञानेश कुमार ने 48 घंटे में इस्तीफा नहीं दिया तो जंतर मतंर 2.0 शुरू होगा'

● अभिजीत दीपके ने दिया 48 घंटे का टाइम

एजेंसी

नई दिल्ली । द इंडियन एक्सप्रेस की चुनाव आयोग और एसआईबार पर रिपोर्ट के बाद कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर 48 घंटे में ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो जंतर मंतर 2.0 शुरू होगा। '

द इंडियन एक्सप्रेस' की पड़ताल में एसआईआर प्रक्रिया और इसे लेकर निर्वाचन आयोग के अन्दर उठी असहमतियों के बारे में अहम जानकारियां सामने आई हैं। कॉकरोच जनता पार्टी के सह संयोजक सौरव दास ने कहा, 'देखिए यह देश के युवाओं के खिलाफ़ एक बहुत बड़ी साज़िश है और हम देश के लोग इसे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। जैसा कि अभिजीत ने कहा, हमें विपक्ष या किसी खास राजनीति पार्टी से कोई मतलब नहीं है–चाहे वह बीजेपी हो, कांग्रेस हो, आम आदमी पार्टी हो, या टीएमसी हो। ये इन पार्टियों के मुद्दे नहीं हैं। ये देश के युवाओं से जुड़े मुद्दे हैं। हम तीन मांगें रख रहे हैं। '

ज्ञानेश कुमार देश के सबसे बड़े गद्दार हैं- अभिजीत दीपके

दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिजीत दीपके ने कहा, 'चुनाव आयोग से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है, जिससे साबित होता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार देश के सबसे बड़े गद्दार हैं। वह इस देश के सबसे बड़े राष्ट्रद्रोही हैं और उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। ज्ञानेश कुमार भारत की लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, सरकार तय कर रही है कि किसे वोट देना है और किसे नहीं। क्या यही लोकतंत्र है? कुल मिलाकर, 13 करोड़ से ज़्यादा वोट काटे गए हैं। यह कोई छोटी संख्या नहीं है।

अजीत भारती को दिल्ली हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

● एस-एसटी एक्ट के मामले में अग्रिम जमानत याचिका खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली हाई कोर्ट ने बृहस्पतिवार को यूट्यूबर अजीत भारती को उनके खिलाफ स्ष्ट-स्ज्ञ एक्ट के तहत दर्ज किए गए मामले में जमानत देने से

इनकार कर दिया है। जस्टिस सौरभ बनर्जी ने यह फैसला सुनाया और उनकी जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। जस्टिस सौरभ बनर्जी ने कहा कि पहली नजर में अजीत भारती के खिलाफ SC-ST एक्ट के तहत अपराध सिद्ध होता है। अदालत ने यह भी कहा कि भारती की जमानत अर्जी सुनने लायक नहीं है। इससे पहले भी जस्टिस सौरभ बनर्जी ने कहा था कि अजीत भारती को टिप्पणियां करते वक्त अधिक सावधानी बरतनी चाहिए थी।

• निचली अदालत के फैसले को दी थी चुनौती

भारती ने इस मामले में निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। भारती को निचली अदालत ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। निचली अदालत में सुनवाई के दौरान भारती के वकील ने दलील दी थी कि उन्होंने किसी भी तरह की जातिसूचक गाली का इस्तेमाल नहीं किया और अपने परिवार के एक सदस्य के खिलाफ की गई गंभीर उकसावे वाली टिप्पणी का जवाब दिया था।

अदालत का अग्रिम जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को यूट्यूबर अजीत भारती को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 (एससी/एसटी एक्ट) के एक मामले में अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। मामला सांसद चंद्रशेखर आजाद के बारे में उनकी टिप्पणियों से जुड़ा है। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(र) और 3(1)(स) के तहत अपराध प्रथम दृष्टया बनता है। अदालत ने यह भी कहा कि अग्रिम जमानत पर वैधानिक रोक है और याचिका पोषणीय नहीं है, इसलिए इसे खारिज किया जाता है। अजीत भारती ने निचली अदालत के 7 सितंबर के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें अग्रिम जमानत देने से इनकार किया गया था। उनके खिलाफ 23 अगस्त को दिल्ली के नॉर्थ एवेन्यू पुलिस स्टेशन में एससी/एसटी एक्ट के साथ आईटी एक्ट की धारा 67 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायत आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के दिल्ली राज्य अध्यक्ष बालकराम बौद्ध ने दायर की थी।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा- फ्री एलपीजी पर घमासान, 12 की जगह 6 सिलेंडर का ऐलान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को फ्री एलपीजी सिलेंडर को लेकर ज़ोरदार हंगामा हुआ। फूड, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मंत्री सतीश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने योग्य परिवारों को 6 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने की नीति को मंजूरी दे दी है। इस घोषणा पर विपक्ष ने तुरंत कड़ी आपत्ति जताकर आरोप लगाया कि उमर सरकार अपने वादे से मुकर गई है। नेता शर्मा ने याद दिलाया कि लगभग दो साल पहले सरकार ने हर घर के लिए 12 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि वादे की संख्या को घटाकर 6 करना लोगों के साथ मज़ाक और बड़ा धोखा है। सदन में विपक्ष ने झूठी सरकार और यह धोखा है जैसे नारे लगाए। शर्मा ने सरकार पर लोगों के सामने बेनकाब होने और अपने वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा कि उमर सरकार के एक लाख नौकरियों के पहले के वादे का क्या हुआ। तीखी बहस के बाद भी, विपक्ष ने कार्यवाही के दौरान लगातार नारेबाजी जारी रखी, जिससे सदन में गहमागहमी बनी रही।

गाड़ी टकराने पर अभिषेक बनर्जी ने पुलिसकर्मी को कराया सस्पेंड, कोर्ट ने किया बहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने निलंबित चल रहे एक पुलिसकर्मी को करीब 6 साल सस्पेंड होने के बाद बहाल कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी की नाराजगी के चलते उन्हें हटाया गया था। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। अभिषेक बनर्जी विदेश में आंख का इलाज कराने गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मामला 2023 का है। तब पुलिस ड्राइवर अपनी कार निकाल रहे थे। उस दौरान गाड़ी अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास के गेट से टकरा गई थी। इसके बाद उन्हें काम से हटा दिया गया था। खबर है कि राज्य सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने पलट दिया। रिपोर्ट के मुताबिक हाई कोर्ट में जस्टिस तपोब्रता चक्रवर्ती और जस्टिस पार्थ प्रतिम रॉय की डिवीजन बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। बेंच ने पुलिस विभाग को चार सप्ताह के अंदर नए आदेश जारी करने को कहा है। कोर्ट ने कहा कि पुलिसकर्मी ने गलती की थी, लेकिन गलती इतनी गंभीर नहीं थी कि उसे काम से ही हटा दिया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे भी कोई आरोप नहीं हैं कि हादसे में कोई घायल हो गया था। बेंच ने कहा कि इस मामले में कम सजा देने की भी गुंजाइश थी। रिपोर्ट के मुताबिक ड्राइवर का नाम धीरेंद्रनाथ महतो है और उन्होंने साल 2000 में एक ड्राइवर के तौर पर कोलकाता पुलिस में शुरुआत की थी। बाद में 2005 में उन्हें हार्ट अटैक आया और उन्हें हल्की और मध्यम स्तर की जिम्मेदारियां दी जाने लगी थीं।

प्रियंका गांधी तीखा वार : लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ देश के साथ गद्दारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जारी विवाद के बीच आयोग पर हमलावर है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ छेड़छाड़ करना देश के साथ गद्दारी के समान है। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि मतदाता सूची में कथित हेरफेर और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाया जाना, जो रिपोर्ट के अनुसार 13 करोड़ से अधिक हो सकता है, लोकतंत्र, संविधान और देश के खिलाफ एक आपराधिक कृत्य है। प्रियंका गांधी का यह बयान एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया है कि दो चुनाव आयुक्तों, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने बीते दस महीनों में आयोग के कुछ फैसलों पर करीब 14 बार आपत्तियां दर्ज कराई थीं, जिसमें एसआईआर से संबंधित फैसले भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि जो कोई भी चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ करता है, वह देश के साथ गद्दारी कर रहा है। प्रियंका ने सवाल उठाया कि अगर किसी चुनाव आयुक्त की जानकारी में कोई गैरकानूनी काम हुआ है, तब उस कानूनी सुरक्षा क्यों मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त को इन कथित अनियमितताओं की जानकारी थी और उनके सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने भी इस ओर ध्यान दिलाया था, लेकिन इसके बावजूद इन आपत्तियों को नजरअंदाज किया गया। प्रियंका गांधी ने मांग की कि यदि किसी चुनाव आयुक्त ने गैरकानूनी काम किया है, तब उसके खिलाफ भी अन्य मामलों की तरह आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाकर कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पहले जो बातें कही थीं, वे अब सही साबित हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की पूरी प्रक्रिया को दूषित किया गया है और दो चुनाव आयुक्तों ने असहमति व्यक्त की थी, जबकि आयोग असहमति न होने की बात कह रहा है। कांग्रेस सांसद मसूद ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के कारण चुनाव प्रभावित होने का भी आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि बहु–सदस्यीय आयोग में लिखित टिप्पणियां, सुझाव और आपत्तियां आंतरिक विचार–विमर्श का सामान्य हिस्सा हैं। आयोग का कहना है कि एसआईआर समेत सभी प्रमुख फैसले पूर्ण आयोग की सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

दीपके का अल्टीमेटम: मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा दें या राष्ट्रव्यापी आंदोलन होगा

ज्ञानेश कुमार को बीजेपी में शामिल हो जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अभिजीत दीपके ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दे दिया है। उन्होंने गुरुवार (24 सितंबर) को दिल्ली में एक प्रेसवार्ता में कहा कि ज्ञानेश कुमार तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें, अन्यथा देशव्यापी आंदोलन शुरू होगा, इस आंदोलन को जंतर मंतर पार्ट 2 कहा गया है। दीपके ने चुनाव आयोग और एसआईआर (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद के बीच ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाकर उन्हें देश का सबसे बड़ा गद्दार और भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरा बताया।

दीपके ने सवाल उठाया कि जब से ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त बने हैं, केंद्र सरकार यह तय कर रही है कि कौन मतदान करेगा और कौन नहीं, जो लोकतंत्र के मूल सिद्धांत के पूरी तरह से खिलाफ है। प्रेसवार्ता में मौजूद सीजेपी के अन्य नेताओं, सौरव दास और आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने, उनके पीछे के आदेश देने वालों की पहचान उजागर करने, एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत रोकने और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मौजूदा कानून को बदलने की मांग की।

दीपके ने अपने आरोपों के समर्थन में आंकड़े पेश किए। उन्होंने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में महाराष्ट्र में 2 करोड़ से अधिक, उत्तर प्रदेश में भी 2 करोड़ से अधिक, पश्चिम बंगाल में 90 लाख, दिल्ली में 47 लाख, केरल में 24 लाख, तमिलनाडु में 97 लाख, कर्नाटक में 1 करोड़ और तेलंगाना में 73 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए हैं। दीपके के अनुसार, देश भर में कुल 13 करोड़ से अधिक वोट हटाए गए हैं, जो कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पक्ष और विपक्ष के बीच 2 प्रतिशत के वोट अंतर को देखकर करीब 13 से 14 प्रतिशत वोटों का विलोपन है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन वोटों को जानबूझकर हटाया गया ताकि सत्तारूढ़ दल की जीत सुनिश्चित हो सके और वे सत्ता से बाहर न हो पाए, खासकर 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के बहुमत हासिल न कर पाने (240 सीटें) के बाद किया गया।

दीपके ने आरोप लगाया कि 2024 के चुनाव में एक साथ आए क्षेत्रीय नेताओं को निशाना बनाया गया। उन्होंने ममता बनर्जी, एम.के.स्टालिन और अरविंद केजरीवाल जैसे विपक्षी नेताओं का उल्लेख कर दावा किया कि उनकी सीटों पर बड़ी संख्या में वोटों को हटाया गया, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। दीपके ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि ज्ञानेश कुमार की असाधारण परफॉरमेंस को देखकर उन्हें अब आधिकारिक तौर पर बीजेपी में शामिल हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज बीजेपी ऐसी सीटें जीत रही है और ऐसा वोट प्रतिशत हासिल कर रही है, जो पीक मोदी लहर के दौरान भी नहीं मिला था, जबकि देश में सरकार के प्रति लोगों में भारी नाराजगी है। उन्होंने ज्ञानेश कुमार को तुरंत इस्तीफा देने की अपनी मांग दोहर दी।

मुस्लिमों के मुद्दे अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाएंगे : जमीयत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने भारतीय मुसलमानों को कथित तौर पर निशाना बनने पर गहरी चिंता जताकर घोषणा की है कि संगठन इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार पर सीधा हमला कर कहा कि भारत में एक खास तबके को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और अब वक्त आ गया है कि इन मामलों को वैश्विक मंच पर उठाया जाएं।

मौलाना मदनी ने अपने में जोर दिया कि आज की तारीख में दुनिया एक वैश्विक गांव बन चुकी है और भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई महत्वपूर्ण दोस्त बनाए हैं। उन्होंने कहा, हम उन दोस्तों को साथ लेने वाले हैं, ताकि भारत अपने रास्ते से भटके नहीं। मदनी के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इन दोस्तों को शामिल करने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश सही दिशा में बना रहे और पटरी से न उतरे, जिस जगह पर भारत को रहना चाहिए।

जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मदनी ने मुल्क में लगातार खास तबके को निशाना बनाने का आरोप लगाकर पिछली घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले मॉब लिंचिंग की घटनाएं हुईं, फिर घरों पर बुलडोजर चलाए और अब मस्जिदों तथा दरगाहों को टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने संवैधानिक राहत के अवसरों को भी छीने जाने को अराजकता की ओर ले जाने वाला बताया, जिससे देश में बेचैनी और गुस्सा बढ़ रहा है।

इस गंभीर स्थिति पर विचार करने के लिए जमीयत उलेमा–ए–हिंद की आपात बैठक बुलाई गई, जहां विस्तृत चर्चा हुई। मौलाना मदनी ने कहा कि केंद्र सरकार, प्रशासन की कथित मिलीभगत और देश की न्यायिक प्रणाली की विफलता ने इस हालात को जन्म दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सबसे बड़ी अल्पसंख्यक आबादी खुद को असहाय महसूस करती है, तब यह देश के लिए ठीक नहीं होगा। जमीयत ने संवैधानिक तरीकों से इस स्थिति से लड़ने का संकल्प लिया है।

यह महत्वपूर्ण बैठ नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय की महमूदिया लाइब्रेरी में हुई। जमीयत उलेमा–ए–हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने इसकी अध्यक्षता की, जिसमें दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी सहित देश के विभिन्न हिस्सों से कार्यसमिति के सदस्यों ने भाग लिया।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल के परिजनों से राहुल गांधी ने की फोन पर बात

-परिवार का किया समर्थन और न्याय दिलाने हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

नई दिल्ली , एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के परिजनों से बातचीत की। छात्र साहिल ने पिछले हफ्ते आईआईटी पवई परिसर में आत्महत्या कर ली थी। महाराष्ट्र कांग्रेस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के परिजनों से फोन पर बातचीत की है। राहुल ने पीड़ित परिवार को अपना समर्थन दिया और न्याय दिलाने में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। इस मामले को लेकर गुरुवार दोपहर में यूथ कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगी। इसमें साहिल वाकोडे मामले को लेकर आगे की रणनीति और आंदोलन की दिशा की घोषणा किए जाने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साहिल की मौत के बाद उनके परिवार ने आईआईटी बॉम्बे प्रशासन और कुछ अधिकारियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की जांच फिलहाल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है। बता दें छात्र साहिल ने परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने के बाद आत्महत्या कर ली थी। वह ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग में द्वितीय वर्ष का छात्र था। संस्थान का कहना है कि वाकोडे ने परीक्षा के दौरान चैटजीपीटी से सवालों का जवाब पाने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक परीक्षा प्रशिक्षक और विभाग के प्रमुख ने छात्र से इस मामले पर बातचीत की।

अखिलेश भी मान रहे हैं भगवा ही जीतेगा, इसलिए पीडीए रथ भी भगवा रंग में है

बीजेपी नेता दयाशंकर ने रायबरेली से पीडीए रथ यात्रा को लेकर साधा निशाना

लखनऊ, एजेंसी। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री और बीजेपी नेता दयाशंकर सिंह ने रायबरेली से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के पीडीए के नारे पर सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश खुद पीडीए की परिभाषा को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। समय-समय पर वह पीडीए की अलग-अलग व्याख्या करते हैं। दयाशंकर ने कहा कि कभी पीडीए को पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक बताया जाता है, तो कभी इसमें पंडित और आधी आबादी को शामिल किया जाता है। उन्होंने इसे अखिलेश यादव का जुमला बताया और कहा कि समाजवादी पार्टी की सोच पीडीए की नहीं, बल्कि परिवारवादी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दयाशंकर ने अखिलेश की रथयात्रा के भगवा रंग में होने पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भगवा रंग को लेकर प्रदेश की जनता में बढ़ते रुझान को देखते हुए अखिलेश ने अपने पीडीए रथ को भी भगवा रंग में बना दिया है। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश की सत्ता में तीसरी बार योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी की वापसी होगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश भी मानकर चल रहे हैं कि भगवा ही जीतेगा, इसलिए उनका रथ भी भगवा रंग में है।

बता दें अखिलेश यादव आज रायबरेली में पहली बार पीडीए रथ चलाकर विधानसभा चुनाव की तैयारी को गति देंगे। अपने सहयोगी दल कांग्रेस के गढ़ रायबरेली से इसकी शुरुआत कर सपा अलग संदेश देने का प्रयास भी करेगी। रायबरेली में 17 सितंबर को फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज में समाजवादी छात्र सभा और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच विवाद के बाद जिले में युवा राजनीति गरमाई है। ऐसे समय में सपा रथयात्रा कर अपना अलग संदेश देने का प्रयास करेगी। अखिलेश की इस यात्रा को रायबरेली में संगठन को सक्रिय करने की दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है।

सपा प्रमुख व अन्य नेता रथ से रायबरेली में सपा विधायक राहुल लोधी के आवास पहुंचेंगे। यहां वह करीब साढ़े तीन घंटे तक रहेंगे और कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात करेंगे। अखिलेश पहली बार रथ की झलक दिखाने के साथ ही राजनीतिक संदेश भी देंगे। रथयात्रा की शुरुआत के लिए रायबरेली को चुनने के पीछे एक वजह इस जिले की तीन सीटों पर सपा विधायकों का जातीय समीकरण भी माना जा रहा है।

लद्दाख के लिए वांगचुक की पदयात्रा, सीजेपी के बड़े नेता नदारद

उपराज्यपाल ने वापस लिए 20 केस

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन में 26 दिनों तक अनशन करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को बदले में वह व्यापक साथ नहीं मिला, जिसके लिए उन्होंने आवाज लगाई थी। सोनम वांगचुक की लद्दाख पदयात्रा में हिस्सा लेने के लिए सीजेपी का एक भी बड़ा नेता लद्दाख नहीं गया। अभिजीत दीपके, सौरभ दास या आशुतोष रांका जैसे नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर समर्थन की बात तो कही थी, लेकिन खुद वहां जाने से परहेज कर गए।

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर विरोध-प्रदर्शन के दौरान 24 सितंबर 2025 को केंद्र शासित प्रदेश में हिंसा हुई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इसकी पहली बरसी के उपलक्ष्य में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने बुधवार को लेह में एक प्रतीकात्मक पदयात्रा का नेतृत्व किया। 24 सितंबर को शहीद दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया गया है। इससे पहले सोनम वांगचुक ने 19 से 24 सितंबर तक पदयात्रा की घोषणा करते हुए कॉकरोचों (सीजेपी सदस्यों) से भी इसमें शामिल होने की अपील की थी। दिल्ली से बनाए एक वीडियो में वांगचुक ने जंतर-मंतर पर अपने अनशन की याद दिलाते हुए कहा था कि वह अब कॉकरोचों से मदद चाहते हैं।

वांगचुक की अपील पर अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका ने लद्दाख के समर्थन की बात सोशल मीडिया पर लिखी थी। हालांकि, इनमें से किसी नेता ने ना तो लद्दाख जाने की घोषणा की थी और ना ही इनकार किया था। बाद में वांगचुक ने खराब मौसम को देखते हुए चार दिन की यात्रा स्थगित कर दी और सिर्फ 23 सितंबर को एक दिन की पदयात्रा की घोषणा की। बुधवार को जब कुछ दर्जन यात्रियों के साथ वांगचुक लेह की ओर रवाना हुए तो उनके साथ लद्दाख के अलावा कुछ दूसरे प्रदेशों से आए लोग भी थे। हालांकि, सीजेपी नेता अभिजीत दीपके, सौरभ दास या आशुतोष रांका वहां नजर नहीं आए। पदयात्रा के दौरान एक न्यूज एजेंसी से बात करते हुए वांगचुक ने कहा कि उन्होंने एक बार अधिक से अधिक लोगों के आने की अपील की थी, लेकिन बाद में इस पर अधिक जोर नहीं दिया, जो आए उनका स्वागत किया गया है।

महुआ बोलीं- आयुक्तों को डरने की जरुरत नहीं है हम हैं न...

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग में कथित मतभेद को लेकर विपक्ष की ओर से सवाल उठाए जाने का सिलसिला जारी है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से किसी भी तरह के दबाव के आगे नहीं झुकने की अपील की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी वीडियो संदेश में कहा कि दोनों आयुक्तों को अपने निर्णयों में स्वतंत्रता बनाए रखनी चाहिए। महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि सरकार दोनों चुनाव आयुक्तों, उनके परिवार और सहयोगियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी अपील किसी राजनीतिक पद पर रहते हुए नहीं, बल्कि एक नागरिक के तौर पर है। महुआ ने अपने राजनीतिक जीवन में सदस्यता समाप्त होने और जांच एजेंसियों की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि वह दबाव के आगे नहीं झुकी थीं। उन्होंने चुनाव आयुक्तों से भी इसी तरह अपने फैसलों पर कायम रहने की अपील की।

महुआ ने कहा कि मौजूदा समय में चुनाव आयोग से जुड़े फैसलों को इतिहास के संदर्भ में भी देखा जाएगा। उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए आयुक्तों से पीछे नहीं हटने का आग्रह किया। इस बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी चुनाव आयोग की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को लेकर कई सवाल उठाए हैं। आयोग ने आंतरिक टिप्पणियों को निर्णय प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा बताते हुए कहा है कि पिछले एक साल में लिए गए सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए हैं। थरूर का कहना है कि सर्वसम्मति से अंतिम निर्णय होने की जानकारी से प्रक्रिया के दौरान उठाई गई आपत्तियों से जुड़े सवालों का पूरी तरह जवाब नहीं मिलता। उन्होंने पूछा कि क्या कथित 14 आपत्तियां वास्तव में दर्ज की गई थीं और यदि दर्ज हुई थीं तो प्रत्येक पर क्या निर्णय लिया गया। थरूर ने फॉर्म-6 में बदलाव के कानूनी आधार तथा मतदाता सूची से जुड़े आंकड़ों तक पहुंच को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने गोवा में कथित 97 मतदाताओं से जुड़े मामले और बहाल किए गए मतदाताओं के खिलाफ दायर अपीलों को लेकर भी सवाल उठाए। थरूर ने चुनाव आयोग से इन सभी मुद्दों पर बिंदुवार और दस्तावेजी जवाब देने की मांग की है।

करीब पांच करोड़ लोग आ सकते हैं भुखमरी के संकट की चपेट में

नई दिल्ली,, एजेंसी। एशिया महाद्विप में करीब पांच करोड़ लोग भुखमरी के संकट की चपेट में आ सकते हैं। यह चेतावनी दी है विश्व खाद्य कार्यक्रम ने। अल नीनो के मजबूत होने की चेतावनियों के बीच खाद्य सुरक्षा, पानी की उपलब्धता और कृषि उत्पादन पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। वहीं संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी अल नीनो के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्रशांत महासागर के असामान्य रूप से गर्म होते पानी और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मिलकर स्थिति को और गंभीर बना सकता है। भारत में भी मानसून के दौरान इसके संकेत दिखाई देने की बात कही जा रही है। जून से सितंबर के बीच कई क्षेत्रों में बारिश सामान्य से कम रही है। महाराष्ट्र के कुछ जिलों में सूखे जैसे हालात बनने की आशंका जताई गई है। इसका असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है। चावल, दाल, कपास और मक्का जैसी फसलों का उत्पादन प्रभावित होने पर आने वाले महीनों में खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।

इसका सबसे अधिक असर कम आय वाले परिवारों पर पड़ने की आशंका है। भारत सरकार ने संभावित स्थिति से निपटने के लिए संवेदनशील जिलों में जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन पर जोर दिया है। किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली और कम अवधि की फसलों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। दालों और बाजरे जैसी फसलों को भी विकल्प के तौर पर बढ़ावा देने की बात कही गई है। श्रीलंका में भी सूखे का असर गंभीर बताया जा रहा है। एक लाख साठ हजार से अधिक लोगों के पेयजल संकट से प्रभावित होने की बात सामने आई है। कई जलाशयों में पानी का स्तर घट गया है। कुछ क्षेत्रों में पशुओं और वन्यजीवों के लिए टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है।

देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने की योजना पर भी काम कर रही है, हालांकि उसकी मौजूदा क्षमता सीमित है। दक्षिण-पूर्व एशिया में चावल उत्पादन को लेकर भी चिंता है। क्षेत्रीय उत्पादन में आठ से दस प्रतिशत तक गिरावट का अनुमान बताया गया है। इंडोनेशिया और फिलीपींस जैसे देशों में परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन पर खर्च होता है। ऐसे में उत्पादन घटने से कीमतों में वृद्धि का असर सीधे घरेलू बजट पर पड़ सकता है। पूर्वी एशिया में भी गर्मी, भारी बारिश और तूफानों का खतरा बना हुआ है। दक्षिण कोरिया में सूखे के बाद अचानक भारी बारिश देखने को मिली। जापान में कई स्थानों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंचने की घटनाएं सामने आई हैं। चीन, हांगकांग और ताइवान में भी अत्यधिक गर्मी और जलवायु जोखिम से निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला स्कूल चेयरमैन गिरफ्तार

गुरुग्राम। छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने के मामले में पुलिस ने सेक्टर-9बी स्थित एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सेक्टर-9 निवासी विनय कटारिया (38) के रूप में हुई है। आरोपी चेयरमैन द्वारा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की फर्जी मान्यता दिखाकर स्कूल संचालित किया जा रहा था। मामले में अन्य आरोपी फरार हैं। न्यू कॉलोनी निवासी राजेंद्र सिंह ने सेक्टर-9 थाने में दी शिकायत में बताया कि बेटी सेक्टर-9बी स्थित एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ती है। स्कूल प्रबंधन ने दाखिले के दौरान दावा किया था कि उनका स्कूल सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है। उनकी बेटी की पढ़ाई के लिए स्कूल प्रबंधन ने ट्यूशन फीस, इमारत फंड, परीक्षा शुल्क, कंप्यूटर शुल्क विभिन्न मदों में नियमित रूप से लिया। 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा के समय बेटी को प्रवेश पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया। ऐसे में उनकी बेटी के साथ ही स्कूल में पढ़ने वाले अन्य बच्चे भी 10वीं कक्षा की पहली परीक्षा नहीं दे सके। जांच करने पर शिकायतकर्ता को पता चला कि स्कूल सीबीएसई से संबद्ध नहीं है और न ही मान्यता प्राप्त है। जो पंजीकरण नंबर बताया गया वह भी गलत है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने स्कूल के चेयरमैन विनय कटारिया, प्रधानाचार्य रिद्धिमा कटारिया, उप प्रधानाचार्य सिमर बत्रा, कोऑर्डिनेटर सोनिया सहित अन्य संबंधित स्टाफ सदस्यों के खिलाफ धारा 318(4), 316(2), 3(5) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। गिरफ्तार आरोपी व स्कूल चेयरमैन विनय कटारिया ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ साल से सेक्टर-9बी में एजुक्रस्ट इंटरनेशनल स्कूल चला रहा है। उक्त स्कूल को सीबीएसई से आठवीं कक्षा तक की मान्यता है। उसने रुपये कमाने के लालच में 10वीं कक्षा की फर्जी मान्यता दिखाकर 25 बच्चों को नौवीं कक्षा व 10वीं कक्षा में दाखिला दिया था। जांच अधिकारी एएसआई हरीश ने बताया कि मामले में जांच व कार्रवाई अपराध शाखा मानेसर की पुलिस द्वारा जा रही है। स्कूल चेयरमैन विनय कटारिया को शनिवार को अदालत में पेश करके पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपी से स्कूल की फर्जी मान्यता सहित मामले से जुड़ी अन्य जानकारी हासिल की जाएगी।

मामले में नामजद अन्य आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा, दस मीटर तक घिसटता रहा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ति को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3:30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीडित ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया।

जिम की फीस चुकाने के लिए कारोबारी को लूटा

गाजियाबाद। जिम की फीस चुकाने और सप्लीमेंट खरीदने में हुए कर्ज को चुकाने के लिए लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में मार्बल्स व्यापारी से लूटपाट की गई। मामले में खुलासा करते हुए पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दो आरोपियों ने बताया कि उन्होंने कई महीने से जिम की फीस नहीं दी थी। उसके लिए वह इस वारदात में शामिल हुए थे। उनके पास से 67500 रुपये, दो डंडे और दो बाइक बरामद की गई हैं। इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी फरार हैं। डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 की शाम आठ बजे इस गिरोह ने दयालपुर दिल्ली निवासी केसरी सिंह से लूटपाट की थी। इसमें कार्रवाई करते हुए बुधवार को लोनी से अमन गुर्जर निवासी लोनी, मोनू गुप्ता निवासी न्यू विकास नगर लोनी, वसीम निवासी ग्राम फकरपुर थाना खेकड़ा जनपद बागपत हाल पता न्यू विकास नगर लोनी, हर्ष निवासी लोनी, फैसल निवासी लोनी और मयंक निवासी न्यू विकास नगर लोनी गिरफ्तार किया गया है। इनके तीन साथी निखिल, अनमोल व एक अन्य फरार हैं। पुलिस के अनुसार हर्ष और उसके पिता कारोबारी के शोरूम के पास ही सैलून चलाते हैं। हर्ष ने कारोबारी पर नजर रखी। इसमें सामने आया है कि वह नकदी को लेकर दिल्ली जाता है। 16 जनवरी को बदमाशों ने लालबाग सब्जी मंडी में मार्बल्स कारोबारी केसरी सिंह की रेकी की और नौकर रवि के साथ स्कूटी पर घर जाते समय रोक लिया। डंडों से रवि के सिर पर प्रहार किया और ढाई लाख रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए।

दवा बैंक बना रहा निरोग, स्वास्थ्य दूत बने सहायक

नोएडा। लोगों के लिए, लोगों के द्वारा और लोगों के सहयोग से थीम के तहत काम कर रहा नोएडा लोकमंच चार वर्षों से सेक्टर-12 में निशुल्क दवा बैंक चला रहा है। यह दवा बैंक अबतक करीब 40 हजारों मरीजों को निशुल्क दवा दे चुका है। रोजाना करीब 80-85 मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं। लोकमंच के महासचिव महेश सक्सेना ने बताया कि शहर के करीब 30-35 सेक्टरों में 52 स्थानों पर दवा के बॉक्स रखे हैं। सेक्टर के एक निवासी इसकी देखरेख करते हैं। किसी के घर में अतिरिक्त दवाएं होती हैं तो उन्हें इन बॉक्स में डाल दिया जाता है। बॉक्स भर जाने पर इन्हें दवा बैंक में लाया जाता है। इसके बाद फार्मासिस्ट रवि शंकर दवाएं छांटते हैं। एक्सपायर दवाओं को हटा दिया जाता है। अन्य दवाओं की एंट्री सॉफ्टवेयर पर की जाती है। दवा बैंक में मौजूद डॉक्टर मरीजों को देखने के बाद जो दवाएं देते हैं, उनकी एंट्री भी यहां की जाती है। यदि कोई बाहर का मरीज आता है और दवा मांगता है तो पर्चा देखने के बाद डॉक्टर की सलाह पर ही दवा दी जाती है। महेश सक्सेना ने बताया कि चार साल पहले तत्कालीन नोएडा प्राधिकरण सीईओ ऋतु माहेश्वरी और सांसद डॉ. महेश शर्मा ने दवा बैंक का शुभारंभ किया था। उस समय यहां पर डॉक्टर की सुविधा नहीं थी, लेकिन अब यहां जनरल फिजिशियन, फिजियोथेरेपिस्ट, हार्ट स्पेशलिस्ट, गायनोकोलॉजिस्ट आदि मरीजों का इलाज करते हैं। बहुत जल्द आंखों और दातों का इलाज भी शुरू होने वाला है। जांच की सुविधा सीजीएचएस रेट पर उपलब्ध है। महेश सक्सेना ने बताया कि नोएडा लोकमंच से करीब 120 लोग स्वास्थ्य दूत के रूप में जुड़े हैं। ये लोग प्रतिवर्ष करीब 6000 रुपये देते हैं। इनके आर्थिक सहयोग से यहां का खर्च चलता है। सेवाएं देने वाले कुछ डॉक्टर पूर्णतया निशुल्क और कुछ नाममात्र मानदेय पर सेवा देते हैं।

NAME CHANGE
I, SONWANE BALAJI father of No 2813527F, Rank-SEP, Name- SONWANE DNYANESHWAR BALAJI residing at VPO-SHIVANI LAKH, TEHSIL-AUSA, DIST-LATUR, MAHARASHTRA-413521, have changed my name SONWANE BALAJI to SONWANE BALAJI VASANT for all future purposes vide Affidavit Dated 24/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHAHID S/O MOHD ARIF R/O 8-B/10 GANDHI PARK HAUZ RANI MALVIYA NAGAR DELHI-110017 have changed my name to MOHD SHAHID for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SURESH KUMAR VOHRA S/O BALDEV RAJ R/o PLOT NO- B-153, FLATNO - FF/3 HAYAT ENCLAVE, NEAR DLF/SLF VED VIHAR, M/MART SUPER BAZAR, LONI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102. have changed my name and shall hereafter be known as AJAY KUMAR. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ARIF S/O ABDUL AZIZ ANSARI R/O 8-B/10 GANDHI PARK HAUZ RANI MALVIYA NAGAR DELHI-110017 have changed my name to MOHD ARIF for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAFAT NAIYAR W/O REHAN AZIM residing at 274/204-B, Aslam Manzil, Okhla Village, Jamia Nagar, Okhla, South Delhi, Delhi-110025, have changed my name from RAFAT to RAFAT NAIYAR for all purpose in future.

NAME CHANGE
I MUDIT KUMAR S/O VINOD BAID R/O 52, RAM VIHAR, ANAND VIHAR, DELHI-110092. have changed my name to MUDIT BAID for all purposes.

NAME CHANGE
I VINOD KUMAR BAID S/O UMED MAL BAID R/O 52, RAM VIHAR, ANAND VIHAR, DELHI-110092. have changed my name to VINOD BAID for all purposes.

NAME CHANGE
I, Kiron Jha W/o Nabin Kumar Jha R/o Plot No.49 B, KH.No. 24/4/2, First Floor, Ishwar Colony, Arjun Park, Holy Word School, Nangli, Sakrawati, Najafgarh, Delhi-110043, have Changed my name to Kiran Devi Jha for all future purposes.

NAME CHANGE
I, VISHAL S/o Rajender Kumar R/o 1/35, Lalita Park, Gurudwara, Laxmi Nagar, Delhi-110092, have Changed my name to VISHAL KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHOEB NOOR S/O HABIB NORR R/O 33/1 3RD FLOOR VILLAGE OKHLA JAMIA NAGAR DELHI-110025 have changed my name to SHOEB NOOR KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PARSURAM CHOUDHARY S/O RAGHUNATH CHOUDHARY R/o – H NO- 7565-A, GALI NO 11, AMAR MOHALLA, OLD SEELAMPUR, GANDH NAGAR, EAST DELHI-110031 have changed the name of Parsuram Choudhary, aged 47 years and hereafter be known as PARSHURAM CHAUDHRY.

NAME CHANGE
I, JAYASHREE wife of No.- 14831450W, Rank- HAV/DVR SPL VEH, Name-CHAVAN ANIL BHAIRU, residing at VPO-MURGID, TEHSIL-KAGAL, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416219, have changed my name from JAYASHREE to CHAVAN JAYASHREE ANIL for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.- 14831450W, Rank- HAV/DVR SPL VEH, Name-CHAVAN ANIL BHAIRU, residing at VPO-MURGID, TEHSIL-KAGAL, DIST-KOLHAPUR, MAHARASHTRA-416219, have changed my minor daughter's name from AMRITA to AMRITA ANIL CHAVAN for all future purposes vide affidavit dated 24/09/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.- 14854612H, Rank- NK/MT, Name-ZALA ARVINDSINH RANUSINH, residing at VPO-KHARI AMRAPUR, TEHSIL-PRANTIJ, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383215, have changed my minor daughter's name from ZALA AADITIBA to ZALA AADITIBA ARVINDSINH for all future purposes vide affidavit dated 24/09/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ZALA GULABA RANU SINH mother of No.- 14854612H, Rank- NK/MT, Name-ZALA ARVINDSINH RANUSINH, residing at VPO-KHARI AMRAPUR, TEHSIL-PRANTIJ, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383215, have changed my name from ZALA GULABA RANU SINH to GULABBA RANUSINH ZALA for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RUKMIN mother of No 2813527F, Rank-SEP, Name- SONWANE DNYANESHWAR BALAJI residing at VPO-SHIVANI LAKH, TEHSIL-AUSA, DIST-LATUR, MAHARASHTRA-413521, have changed my name from RUKMIN to SONWANE RUKMIN BALAJI for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Dinesh Kumar Sharma S/O Babu Lal Sharma, house no.1605 Kh.No.13/13 Nathu Colony ,Street no.17, Near Dispensary, Burari North Delhi -110084 Have Changed My Name To Dinesh Sharma For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Opinder Preet Singh Sekhon, S/O Ajit Singh Sekhon, R/O Flat no- B-502, Microtek Greenburg, Sector 86, Gurgaon, Haryana have changed my name to Opinder Preet Singh for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Ankit Kumar Cansal S/o Mr. Murari Cansal is the owner of Freehold Residential Property No. WZ-343, with all its roof rights, area measuring 32 Sq. Yds., out of Khasra No. 54/1, Situated in the area of Village Palam Delhi State Delhi, Colony Known as Raj Nagar-II, Palam Colony New Delhi. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 30.05.2026., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Raj Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Senaj W/o Mr. Salim is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-up House of Land area measuring 50 Sq. Yds., i.e., 41.80 Sq. Mtrs., Built on Part of Plot No. 43, out of Khasra No. 1661/7, situated at Kanchan Park, in the area of Village Loni (Chakbandi Bahar), Tehsil Loni, District Ghaziabad, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed Dated 24.08.2026 duly regd. in the office of SR- Loni, Ghaziabad, Vide Doc. No. 15969, in Book No. 01, Vol. No. 8737, on Pages 349-368, on Dated 24.08.2026., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of late Mrs. Hashiya W/o Mr. Akbar Ali, died on 20.07.2012., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd.., Branch: Loni Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Mahak Gulati W/O Ankit Naval R/O House No-42 Second Floor, Block B-3, Paschim Vihar, VTC: Paschim Vihar, PO: Paschim Vihar, Sub District: Punjabi Bagh, District: West Delhi, State: Delhi - 110063 I Have Changed My Name To ?ehak Gulati

NAME CHANGE
I Mehak Gulati Naval W/O Ankit Naval R/O House No-42 Second Floor, Block B-3, Paschim Vihar, VTC: Paschim Vihar, PO: Paschim Vihar, Sub District: Punjabi Bagh, District: West Delhi, State: Delhi - 110063 I Have Changed My Name To ?ehak Gulati

NAME CHANGE
I Menka Yadav W/O Vinay kumar R/O H NO. 49/3, Near High School , Teekri, Gurgaon, Haryana 122101, I Have Chaged my Name to Manka yadav

NAME CHANGE
I Tarun Dangi S/o Raj Singh Dangi R/o Flat no D-103, Sispal Vihar, Sector 49, Gurugram- 122018 have changed my minor daughter's name from Akshada to Akshada Dangi for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sunil Kumar S/o Shyam sundar chopra C-85 3rd floor West, Hari Nagar Dadb Block, Dist : West Delhi Pin: 110064 Have Changed My Name To Sunil Chopra For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, ARYADEEP ROYCHOUDHURY, S/o KALYAN KUMAR ROYCHOUDHURY, R/o Upper Ground Floor, Flat No. A-2, Mahavir Apartment, Property number – 518/1, Khasra number – 322, NEB SARAI, NEW DELHI – 110068, declare that my name is incorrectly mentioned as ARYADIP ROYCHOUDHURY in my expired passport. My correct name is ARYADEEP ROYCHOUDHURY. Both the names refer to the same person. Henceforth, I should be known as ARYADEEP ROYCHOUDHURY for all purposes.

NAME CHANGE
I, Harish Kumar Paul S/O P C Paul, Simran Avenue, Ichhe Wala Road, Ferozepur City Panjabi -152002 Have Changed My Name To Harish Kumar For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Balwinder Paul W/O Harish Kumar,D-7/85, Sector-6, Rohini, North West Delhi, Delhi-110085, Have Changed My Name To Balwinder kaur For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, ANIL KUMAR S/O OM PARKASH R/O TDI KINGSBURY BLOCK Z FLAT NO Z2-401 TDI CITY RODEO DRIVE MALL SEC-61 KUNDLI SONIPAT HARYANA 131028, CHANGED MY NAME TO ANIL SHARMA.

NAME CHANGE
I, Chandra Bhushan Kumar S/O Gauri Shankar Prashad R/O Vill Arwa, Nagar Saran Bihar -841442 Have Changed My Name to Chandra Bhushan for All Future Purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mohd. Shahid S/o Mr. Nanne Ahmed is the owner and in possession of a Freehold Commercial Northern Side Shop on Ground Floor without roof/terrace rights land area measuring 15.12 Sq. Mtrs. Out of 18.81 Sq. Mtrs. Built on Property bearing No.1069-1070 situated at Bartan Market, Sadar Bazar, Delhi-110006. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 29.07.2025, Vide doc No. 2025/19/I/9758, Book no. I, Vol no. 12559 Page no. 1 to 28 SR-I (Kashmere Gate) In the chain of documents, the (1) Partition Deed & (2) Additional Partition Deed Executed between 1) Sh. Rajesh Jain S/o Sh. Om Prakash Jain & 2) Sh. Anil Kumar Vashistha S/o Sh. Om Parkash Vashishta & (3) Sale Deed dated 14.01.2013 Executed by Sh. Anil Kumar Vashistha S/o Sh. Om Parkash Vashishta in favour of Sh. Rajesh Jain S/o Sh. Om Prakash Jain in respect of the Said Portion. (Plot No.1070, area 1.90 Sq. Mtrs) are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. the said property to be financed/mortgaged with DCB Bank Limited Branch: Karol Bagh New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 15 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I AMAN S/O YASH PAL R/O A-81 GALI NO-19 BHARAT VIHAR RAJA PURI UTTAM NAGAR DELHI-110059 I HAVE CHANGED MY NAME TO AMAN KASHYAP

NAME CHANGE
I RAJEEV KUMAR S/O RAMPAL SINGH R/O 5850/2 GALI NO-3 EAST ROHTASH NAGAR SHAHDRA DELHI-110032 I HAVE CHANGED MY NAME TO RAJEEV

NAME CHANGE
I hitherto known as Radhe Lal S/o Mathura R/o 121, Sarai Nazar Ali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 have changed my name and shall he shall hereafter be known as Raj Lal.

NAME CHANGE
I, MOH ABDUL SALAAM alias ABDUL SALAM S/O MOHAMMAD QASIM residing at HOUSE NO-260 BLOCK-J3 JJ COLONY WAZIRPUR ASHOK VIHAR DELHI -110052 have changed my name to NOOR SALAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SAFIQ S/O SHER ALI residing at B7/54 BLOCK-B DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to MOHAMMAD SHAFI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SHAGUFTA MUKHTAR W/O MAZHAR HUSSAIN residing at B-6/46-B DDA FLATS INDER LOK DELHI - 110035 have changed my name to SHAGUFTA MAZHAR for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DEEPAK KUMAR alias DEEPAK KUMAR TAAK S/O Rajender R/O FLAT NO. 3110, PRAGYA KUNI, MEWAR COLLEGE, SECTOR 4C, VASUNDHARA GHAZIABAD, PO: Vasundhra, Ghaziabad, Pradesh,201012, have changed my name and shall hereafter be known as DEEPAK KUMAR.

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my clients Smt. Uma Rani and Sh. Satish Chand Aggarwal s/o Late Harsaran Dass R/o EXB-7 Gali no.2,Ground floor, Hari nagar New Delhi have severed their relations and debarred their son Sh. Brijesh Aggarwal and his wife Tania from all their movable/immovable property because they are not under control of my clients. My clients' other family members and relatives also severed their relations with them. If anybody deals with them which is at his/her own risk & responsibility.
(SUMIT GABA)
ADVOCATE
Ch. No.T-7
Tis Hazari Court, Delhi

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री शिव कांति एवं श्री प्रमोद कुमार ग्राम/क्षेत्र हलिया भारत कॉलोनी, तहसील एवं जिला फरीदाबाद-121002 में स्थित खसरा नंबर 20/20/1 मिन में से प्लॉट नंबर 81 के दक्षिणी भाग, क्षेत्रफल 51 वर्ग गज, को खरीदने का आशय रखते हैं, उक्त संपत्ति को सर्वप्रथम श्रीमती पालती देवी ने दिनांक 01.05.1996 की पंजीकृत विक्रय विलेख (Sale Deed), दस्तावेज संख्या 1304, के माध्यम से अर्जित किया था। तत्पश्चात, श्रीमती पालती देवी द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय श्री प्रदीप कुमार के पक्ष में दिनांक 21.11.2005 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से किया गया, जो दस्तावेज संख्या 12646, बुक संख्या 1, दिनांक 21.11.2005, उप-पंजीयक कार्यालय, फरीदाबाद में पंजीकृत है, इसके पश्चात, श्री प्रदीप कुमार द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय श्रीमती रिंकी झा के पक्ष में दिनांक 28.02.2006 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से किया गया, जो दस्तावेज संख्या 19225, बुक संख्या 1, दिनांक 28.02.2006, उप-पंजीयक कार्यालय, फरीदाबाद में पंजीकृत है, तत्पश्चात, श्रीमती सरोज खट्टर द्वारा उक्त संपत्ति का विक्रय श्रीमती सुमिता तनेजा के पक्ष में दिनांक 13.05.2021 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से किया गया, जो दस्तावेज संख्या 761, बुक संख्या 1, दिनांक 13.05.2021, उप-पंजीयक कार्यालय, फरीदाबाद में पंजीकृत है, तथा वर्तमान में उक्त संपत्ति का शांतिपूर्ण एवं वास्तविक भौतिक कब्जा उनके पास है, मेरे समक्ष जांच/परीक्षण हेतु प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों तथा मुझे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उपर्युक्त संपत्ति प्रथम दृष्टया सभी प्रकार के भारों (Encumbrances), ग्रहणाधिकारों (Liens), प्रभारों (Charges), बंधकों (Mortgages), कुर्कियों (Attachments), अधिग्रहण, वाद-विवाद/मुकदमेबाजी (Litigation) तथा तृतीय पक्ष के दावों (Third-Party Claims) से मुक्त प्रतीत होती है, उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता RBL Bank Limited, Building No. 1, First Floor, Modi Mill Compound, Okhla Industrial Estate, New Delhi द्वारा प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, sds निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I CHANCHAL D/0 MAHENDER SINGH R/0 H.NO 964 NEAR HIRA MANDIR BHOOR COLONY OLD FARIDABAD HARYANA CHANGED MY NAME TO CHANCHAL NAGAR

NAME CHANGE
I, SUKANYA wife of JC-441263F, Rank-SUB MAJ, Name-RAJARAO MANDALA residing at HOME-70957 42954, VILL-KOMARLTHADA, PO-KOMARLTHADA, TEHSIL-VAIRAPUKOTTURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532218, have changed my name from SUKANYA to MANDALA SUKANYA for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ASIF KHAN S/O MOHD IDA KHAN resident of H NO-328, KOHAT ENCLAVE, PITAM PURA, DELHI-110034 have changed my name to ASIF KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SK AKBAR ALI S/o SOAB ALI residing at WZ-1638-B, NANGAL RAYA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110046, declare that in my minor daughter's school records my name is wrongly mentioned as AKBAR ALI. That my actual and correct name is SK AKBAR ALI, Kindly consider my correct name as SK AKBAR ALI for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MAHIMA MANRAL D/o Basudevendra Dev Manral, R/o Plot No. 432, SF-2, Niti Khand-2, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, declare that name of my father has been wrongly written as B D MANRAL in my 10th Class Educational Documents, and wrongly written as BASU DEVENDRA DEV MANRAL in my 12th class, Graduation & Post-Graduation Educational Documents. The actual name of my father is BASUDEVENDRA DEV MANRAL, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Ms. Rama Sundari Akondy Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. 301, on 3rd floor, Block -E , in the "Arihant Arden" Plot bearing no-GH-07A, Sec-01, Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. Ms. Rama Sundari Akondy have lost Original GPA dated 06.10.2016 executed by Ms. Rama Sundari Akondy in favour of Ms. Vasanta Lakshmi Akondy in USA and duly stamping AIG dated 25.10.2016 of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री गौरव कुमार पुत्र श्री राजेंद्र कुमार, आवासीय भूखंड, भूमि क्षेत्रफल 84 वर्ग मीटर अर्थात 100 वर्ग गज, खसरा संख्या 1986 में से, जो ग्राम जेवर (बाहरी नगर पंचायत क्षेत्र), परगना एवं तहसील जेवर, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, के स्वामी हैं। श्री गौरव कुमार ने उक्त संपत्ति श्री यासीन से दिनांक 29.03.2023 की विक्रय विलेख (Sale Deed), दस्तावेज संख्या 2714 के माध्यम से क्रय की थी। उक्त संपत्ति की टाइटल चेन में मूल दस्तावेज पंजीकरण संख्या 2746, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 5799, पृष्ठ संख्या 249-262, दिनांक 21.02.2022, उप-पंजीयक कार्यालय, जेवर में पंजीकृत है। उक्त दस्तावेज का पृष्ठ संख्या 3, जो उक्त संपत्ति से संबंधित है, गुम/खो गया है। काफी प्रयास करने के बावजूद उक्त दस्तावेज/पृष्ठ का पता नहीं लगाया जा सका। उक्त दस्तावेज/पृष्ठ के गुम होने के संबंध में ऑनलाइन FIR, LR संख्या 658158/2026, दिनांक 24.09.2026 दर्ज कराई गई है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता nity Finance Small Bank, Branch Office, Ansal Bhawan, vwth Floor, K.G. Marg, New Delhi–110001 द्वारा प्रदान की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

PUBLIC NOTICE
Be it known to all concerned that my client **UPDESH DEVI, W/O MAHINDER SINGH, R/o H. N. Q-133, GALI NO. 07 MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR DIST: WEST DELHI-110059,** has debarred and disowned his real son, namely **SH. VIKAS RAGHAV,** and his wife **SMT. NIDHI,** from all his movable and self-acquired immovable properties, due to their ill-behaviour and disobedience towards my client. My client has no connection or concern whatsoever, in any manner, with his real son, namely **SH. VIKAS RAGHAV,** and his wife **SMT. NIDHI,** After the demise of my client, all legal heirs except **(SH. VIKAS RAGHAV,** and his wife **SMT. NIDHI)** shall be the sole and lawful beneficiary of all movable and immovable property of my client. If any person, authority, bank, or institution deals with the disowned legal heirs, he/she shall do so at his/her own risk, cost, and responsibility. My client shall not be responsible or liable in any manner for any acts, deeds, transactions, or liabilities of **SH. VIKAS RAGHAV,** and his wife **SMT. NIDHI.**
GULAM ALI (ADVOCATE)
D/4798/2024

समन
वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायम 1 व 5)
न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट संख्या 05, इटावा
वाद संख्या 296 सन् 2022
अनिल कुमार पोरवाल बनाम विपिन कुमार गुप्ता आदि
अनिल कुमार पोरवाल उम्र लगभग 50 साल पुत्र स्व. ओमप्रकाश पोरवाल निवासी-मोहल्ला मन्दिर दान सहाय कस्बा व परगना भरथना जिला इटावा
-वादी
बनाम
प्रेम प्रसाद सी. शास्त्री उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र स्व. छक्कनलाल शास्त्री निवासी-04 ऑलिव ग्रीन अपार्टमेंट प्लाट ब्लाक नम्बर 260ए खसरा नम्बर 189 नियर शिवमंदिर द्वारिका सैक्टर 16 बी. ककरौला दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली 110078
-प्रतिवादी
हरगाह ने आपके नाम एक नालिश दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप व तारीख 07 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालन या मार्फत के जो मुकद्दमा के हालात करार माफिक किया गया और कुन उपराव या अहम मुताबिक मुकद्दमा का जवाब दे सके या जिसके जवाबदेही दावा करे आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज पेश करें। जिन पर बताईद अपनी जवाबदेही दस्लतदान करना चाहते हैं। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर अजकूर आप हाजिर न होंगे, मुकद्दमा वगैरह हाजिरी मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत का आज दिन 14 माह 09 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
आज्ञा से
मुंसरिम/रीडर
न्यायालय सिविल जज
सी0डि0 कोर्ट संख्या 5, इटावा

समन
वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायम 1 व 5)
न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट संख्या 05, इटावा
वाद संख्या 297 सन् 2022
अनिल कुमार पोरवाल बनाम विपिन कुमार गुप्ता आदि
अनिल कुमार पोरवाल उम्र लगभग 50 साल पुत्र स्व. ओमप्रकाश पोरवाल निवासी-मोहल्ला मन्दिर दान सहाय कस्बा व परगना भरथना जिला इटावा
-वादी
बनाम
प्रेम प्रसाद सी. शास्त्री उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र स्व. छक्कनलाल शास्त्री निवासी-04 ऑलिव ग्रीन अपार्टमेंट प्लाट ब्लाक नम्बर 260ए खसरा नम्बर 189 नियर शिवमंदिर द्वारिका सैक्टर 16 बी. ककरौला दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली 110078
-प्रतिवादी
हरगाह ने आपके नाम एक नालिश दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप व तारीख 07 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालन या मार्फत के जो मुकद्दमा के हालात करार माफिक किया गया और कुन उपराव या अहम मुताबिक मुकद्दमा का जवाब दे सके या जिसके जवाबदेही दावा करे आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज पेश करें। जिन पर बताईद अपनी जवाबदेही दस्लतदान करना चाहते हैं। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर अजकूर आप हाजिर न होंगे, मुकद्दमा वगैरह हाजिरी मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत का आज दिन 14 माह 09 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
आज्ञा से
मुंसरिम/रीडर
न्यायालय सिविल जज
सी0डि0 कोर्ट संख्या 5, इटावा

समन
वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायम 1 व 5)
न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट संख्या 05, इटावा
वाद संख्या 298 सन् 2022
अनिल कुमार पोरवाल बनाम विपिन कुमार गुप्ता आदि
अनिल कुमार पोरवाल उम्र लगभग 50 साल पुत्र स्व. ओमप्रकाश पोरवाल निवासी-मोहल्ला मन्दिर दान सहाय कस्बा व परगना भरथना जिला इटावा
-वादी
बनाम
प्रेम प्रसाद सी. शास्त्री उम्र लगभग 65 वर्ष पुत्र स्व. छक्कनलाल शास्त्री निवासी-04 ऑलिव ग्रीन अपार्टमेंट प्लाट ब्लाक नम्बर 260ए खसरा नम्बर 189 नियर शिवमंदिर द्वारिका सैक्टर 16 बी. ककरौला दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली 110078
-प्रतिवादी
हरगाह ने आपके नाम एक नालिश दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप व तारीख 07 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालन या मार्फत के जो मुकद्दमा के हालात करार माफिक किया गया और कुन उपराव या अहम मुताबिक मुकद्दमा का जवाब दे सके या जिसके जवाबदेही दावा करे आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज पेश करें। जिन पर बताईद अपनी जवाबदेही दस्लतदान करना चाहते हैं। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर अजकूर आप हाजिर न होंगे, मुकद्दमा वगैरह हाजिरी मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत का आज दिन 14 माह 09 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।
आज्ञा से
मुंसरिम/रीडर
न्यायालय सिविल जज
सी0डि0 कोर्ट संख्या 5, इटावा

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 CrPC / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नईम पुत्र** रशीद, **निवासी:** गुलज़ार मस्जिद के पास, अमन कॉलोनी, हिना पब्लिक स्कूल, नया बस स्टैंड, गाज़ियाबाद (उ0प्र0), ने **Ex. Crl. No. 75/2024, U/S 12 D.V. Act, पुलिस स्टेशन गोकलपुरी, उत्तर–पूर्व जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नईम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नईम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **Ex. Crl. No. 75/2024, U/S 12 D.V. Act, पुलिस स्टेशन गोकलपुरी, उत्तर–पूर्व जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **नईम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.11.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।
आदेशानुसार
सुश्री नेहा गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (महिला कोर्ट)–02,
उत्तर–पूर्व ज़िला, कोर्ट नं0–09, द्वितीय तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/13365/NE/2026
(Court Matter)

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सौरव शर्मा, प्लॉट नंबर 41 (क्षेत्रफल 50 वर्ग गज) यह प्लॉट खसरा नंबर 499 का हिस्सा है और गाँव धारोती खुर्द कॉलोनी (जिसे जवाहर नगर एक्सटेंशन के नाम से जाना जाता है), परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है को श्रीमती सरिता (पत्नी श्री ओम प्रकाश और पुत्री श्री रघुवीर) से खरीदने का इरादा रखते हैं। श्रीमती सरिता इस संपत्ति की मालिक श्री रघुवीर सिंह राणा (पुत्र श्री अभय राम राणा) द्वारा 21.06.2006 को बनाई गई वसीयत के आधार पर बनी थीं। यह वसीयत SR-IV, गाजियाबाद में डॉक्यूमेंट नंबर 266, बुक नंबर 3, वॉल्यूम नंबर 140, पेज नंबर 385-390 पर 21.06.2006 को दर्ज की गई थी। श्री रघुवीर सिंह राणा (पुत्र श्री अभय राम राणा) का निधन 29.01.2009 को हुआ था और उनकी पत्नी श्रीमती बलबीरी देवी (पत्नी श्री रघुवीर सिंह राणा) का निधन 30.09.1992 को हुआ था। बताया गया है कि यह संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार (liens), शुल्क, बंधक, दावों और किसी तीसरे पक्ष के हितों से मुक्त है। कृपया यह भी ध्यान दें कि इस संपत्ति के लिए बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गुड़गांव से फाइनेंस (ऋण) लेने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I,SARAMMA W/O KISHAN R/O 18/97, E, EAST MOTI BAGH SARAI ROHILLA MALKA GANJ DELHI 110007, CHANGED MY NAME TO SARAMMA VARGIS.

NAME CHANGE
I, RATHOD KAILASBA mother of No.- 14874756M, Rank- NK/MT, Name-RATHOD RAVINDRA SINH PRATAP SINH, residing at VILL-SAMLAPUR, PO-LEI, TEHSIL-IDAR, DIST-SABARKANTHA, GUJARAT-383430 have changed my name from RATHOD KAILASBA to KAILASBA PRATAP SINH RATHOD for all future purposes vide Affidavit dated 24/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SAMEERUDDIN son of MOHD SHAUKAT ALI residing at Flat No-207 2nd Floor Plot No-H-1, Block-B Girdhar Plaza, Shalimar Garden Extension-2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201005 have changed my name and shall hereafter be known as SAMEER MALIK

NAME CHANGE
I, MANISH KUMAR SOLANKI S/O DHARAM PAL SOLANKI R/O H NO 21B/1, KHASRA NO 126/2, NEAR RAM CHANDER MARKET, RAJ PUR KHURD EXTENSION, RAJ PUR KHURD, IGNOU, DELHI 110068, I have changed my name from MANISH KUMAR TO MANISH KUMAR SOLANKI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, DHARAM PAL SOLANKI S/O BHOLA RAM R/O H NO 21B/1, KHASRA NO 126/2, NEAR RAM CHANDER MARKET, RAJ PUR KHURD EXTENSION, RAJ PUR KHURD, IGNOU, DELHI 110068, I have changed my name from DHARAM PAL TO DHARAM PAL SOLANKI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, BABU S/O Islam R/O Sanjay Colony, Arthala, Mohan Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201007, have change my name and shall hereafter be known as BABUDDIN ALWI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as MOHD AAMIR KHAN S/O MOHD LADDAN KHAN R/o B-245, BLOCK-B, JHUGGI JAWAHAR MOHALLA, PATPARGANJ, DELHI-110091 have changed my name and shall hereafter be known as MOHAMMAD AAMIR KHAN. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, Rajni W/O Sewa Singh, B-30, Sham Nagar, PO: Tilak Nagar, Dist West Delhi Pin:- 110018, Have Changed My Name To Rajni Kaur For All The Future Purposes....

NAME CHANGE
I, Seva Singh, S/O Anoop Singh, B-30, Sham Nagar, PO: Tilak Nagar, Dist West Delhi Pin:- 110018, Have Changed My Name To Sewa Singh For All The Future Purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना ही प्रशासन की प्राथमिकता : डीसी

एजेंसी

झज्जर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला झज्जर के सभी चारों विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य जारी है। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र नामों को हटाकर सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाना है। उन्होंने पात्र नागरिकों से अपील की कि वे अपनी और परिवार के पात्र सदस्यों की जानकारी मतदाता सूची में अवश्य जांचें। जिन पात्र नागरिकों का नाम सूची में नहीं है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म-6 भरकर नाम दर्ज करवाएं। पात्र युवाओं से उन्होंने विशेष रूप से कहा कि वे मतदाता बनने के लिए तुरंत आवेदन करें और अंतिम तिथि का इंतजार न करें। डीसी ने बताया कि एसआईआर-2026 के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर तक दर्ज कराई जा सकती हैं। इनका निपटारा 28 अक्टूबर तक होगा तथा अंतिम मतदाता सूची 6 नवंबर को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता नाम, पता, आयु, फोटो सहित अन्य विवरणों की जांच कर त्रुटि मिलने पर समय रहते सुधार के लिए आवेदन करें।

सेवा संकल्प अभियान के तहत भिवानी जिले में पौधारोपण, लगाए 10 हजार पौधे

भिवानी। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेभर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए। डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में गांव गुजरानी में वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, ग्राम पंचायत तथा ग्रामीणों की भागीदारी से पौधारोपण किया गया और एक पेड़ मां के नाम का संदेश देते हुए करीब 10 हजार पौधे लगाए गए। डीसी साहिल गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए पौधारोपण का उद्देश्य हरियाली को बढ़ावा देना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। डीसी ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए पौधों को संरक्षित करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने लोगों से भावी पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वच्छ भविष्य के लिए पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की।

आयुष्मान योजना के तहत जिला से एक लाख 62 हजार 652 लोगों ने लिया निःशुल्क उपचार

भिवानी। आयुष्मान योजना ने अंत्योदय परिवारों को ईलाज पर होने वाले खर्च से चिंता मुक्त किया है। जिला भिवानी से अब तक एक लाख 62 हजार 652 लोग निःशुल्क उपचार ले चुके हैं। सरकार ने इन अंत्योदय परिवारों के उपचार पर 173 करोड़ 73 लाख 61 हजार रुपए वहन किए हैं। निःशुल्क उपचार पाने जरूरतमंद एवं बेसहारा परिवारों ने राहत महसूस कर रहे हैं। अंत्योदय परिवारों के लिए सरकार ने वर्ष 2018 में आयुष्मान योजना शुरु की थी, जिसके लिए एक लाख 80 हजार रुपए से कम वार्षिक आय वाले परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाते हैं। यदि किसी परिवार की आय तीन लाख रुपए के बीच है तो वे 1500 रुपए शुल्क के साथ कार्ड बनवा सकते हैं। आयुष्मान योजना के तहत साल में पांच लाख रुपए तक का उपचार निःशुल्क ले सकते हैं। जिला भिवानी की बात की जाए तो यहां अब तक एक लाख 62 हजार 652 लोग निःशुल्क उपचार ले चुके हैं। सरकार ने इन अंत्योदय परिवारों के उपचार पर 173 करोड़ 73 लाख 61 हजार रुपए वहन किए हैं। गांव रतेरा निवासी बबीता ने बताया कि उनके पति राजकुमार को हार्ट की बीमारी थी।

पात्र लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सेवा संकल्प अभियान का मुख्य उद्देश्य : उपायुक्त सतबीर सिंह

रोहतक। जिला में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत आज गांव समर गोपालपुर कलां स्थित राजपूत धर्मशाला में सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल स्थापित कर नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी दी गई। उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे सेवा सेतु शिविरों का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना है। इन शिविरों में पहुंचने वाले नागरिकों को संबंधित योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा आवश्यक दस्तावेजों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है।

बच्चों की कल्पना में दिखता है विकसित भारत का भविष्य : मुख्यमंत्री

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से बच्चों को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बच्चों की कल्पना में जो विकसित भारत आकार लेता है, वही आने वाले समय में वास्तविक भारत के रूप में हमारे सामने आएगा। बच्चों की प्रतिभा को उचित मंच और प्रोत्साहन देकर उनमें रचनात्मकता, संस्कार, सेवा भावना तथा राष्ट्र निर्माण का भाव विकसित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री वीरवार को कुरुक्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कनीपला में आयोजित सेवा संकल्प अभियान एवं निपुण चित्रकला प्रदर्शनी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 'माधव सभागार' एवं परम गुरु जी के भित्ति चित्र का अनावरण किया तथा चित्रकला प्रदर्शनी का

अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम मीणा, डॉ. ओम प्रकाश अरोड़ा, रत्न चंद सरदाना, डॉ. प्रीतम सिंह सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कनीपला में सोलर पैनल लगाने के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। साथ ही, कनीपला गांव के विकास कार्यों के लिए 21 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित किया गया है। अभियान के अंतर्गत 17 से 21 सितंबर तक कक्षा तीसरी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में चयनित कृतियां जिला स्तरीय प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई हैं। उन्होंने प्रदर्शनी में शामिल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि बच्चों के हाथों में रंग होते हैं, लेकिन उन रंगों को सपनों में बदलने का विश्वास परिवार और शिक्षक देते हैं। प्रदर्शनी में स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण, सेवा भावना और वर्ष 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना जैसे विषयों को बच्चों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से प्रस्तुत किया है।नायब सिंह सैनी ने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' केवल उपलब्धियों को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों से प्रेरणा लेते हुए हमें विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत आज विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। देश ने अंतरिक्ष विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में अपनी क्षमता का परिचय दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने सपनों को लक्ष्य में बदलें और देश के विकास में योगदान देने के लिए निरंतर प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कनीपला के इस विद्यालय में एक ओर बच्चों द्वारा बनाए गए चित्र भविष्य के भारत की कल्पना को सामने रखते हैं, वहीं दूसरी ओर माधव सभागार में परम पूजनीय माधव सदाशिवराव गोलवलकर 'श्री गुरु जी' का भित्ति चित्र इतिहास, संस्कार और कर्तव्य की याद दिलाता है।

किसान की लागत घटे और आय बढ़े, वही तकनीक असली इनोवेशन : मुख्यमंत्री नायब सिंह

जल और मिट्टी की सेहत के लिए तकनीक जरूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसान की लागत घटे, मेहनत कम हो और फसल का लाभ बढ़े, वही तकनीक उसके लिए वास्तविक इनोवेशन है। किसी भी तकनीक की असली सफलता किसान के हिसाब-किताब की कॉपी में दिखाई देनी चाहिए। किसान के लिए वही तकनीक उपयोगी है, जो उसकी पहुंच में हो, आसानी से इस्तेमाल हो सके और जिसकी मरम्मत भी गांव के आसपास हो सके। मुख्यमंत्री कुरुक्षेत्र के लाडवा में सी.आई.आई. के पांचवें 'इनोवेटिव फार्मर्स मीट' के समापन अवसर पर बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लगाई कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया। इसके साथ ही प्रगतिशील किसानों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इनोवेटिव फार्मर्स मीट की विशेषता यह है कि चर्चा बड़े

शहरों या सभागारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे सीधे किसानों के बीच ले जाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज खेती के सामने मौसम की अनिश्चितता, पानी की बढ़ती कमी और मिट्टी की बिगड़ती सेहत जैसी गंभीर समस्याएं हैं। इसलिए ऐसी खेती की ओर बढ़ना होगा, जो बदलती परिस्थितियों का सामना कर सके और किसान की आय को बढ़ाए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में धान और गेहूं की खेती का विशेष महत्व है। खेतों में धान की सीधी बिजाई, फसल के अनुसार सूक्ष्म सिंचाई और खेत को समतल करने जैसे उपाय उपयोगी हो सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपनी भूमि की जांच करवाने और उसकी जरूरत के अनुसार खाद का उपयोग करने का आग्रह किया। फसल चक्र, जैविक पदार्थ और वैज्ञानिक सलाह से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को संभालने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटा किसान हर महंगी मशीन अकेले नहीं खरीद सकता। इसलिए किसान समूहों, सहकारी समितियों और किराये पर मशीन उपलब्ध कराने वाले केंद्रों की भूमिका महत्वपूर्ण है। एक मशीन का लाभ अनेक खेतों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव के युवा मशीन चलाने, उसकी मरम्मत करने और खेती संबंधी सेवाएं देने का काम सीखें।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मेरा सपनों का भारत विषय पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित

एजेंसी

चरखी दादरी। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्थानीय पीएम श्री स्कूल में मेरे सपनों का भारत विषय पर जिला स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में देश प्रेम, सामाजिक दायित्व और एक सशक्त, आत्मनिर्भर व भ्रष्टाचार-मुक्त भारत के निर्माण के प्रति जागरूकता पैदा करना था। इस अवसर पर उपायुक्त मनदीप कौर ने बच्चों के बीच पहुंचकर उनका मनोबल बढाया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी कला व ओजस्वी वचनों के माध्यम से अपने सपनों के भारत का सुंदर चित्रण किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण और तकनीकी विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। विद्यार्थी वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि एक सच्चे और सपनों के भारत का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करे और समाज को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे। अभियान के तहत युवाओं को समाज सेवा, आपसी सौहार्द और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आज का युवा ही कल के भारत की तकदीर लिखेगा, और ऐसे आयोजन युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। यह आयोजन सेवा संकल्प अभियान की एक सार्थक पहल साबित हुई, जिसने सभी को एक प्रगतिशील, समृद्ध और एकजुट भारत के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया।

लंबित प्रगति एवं पीएमजी मामलों के समाधान में तेजी लाएं अधिकारी : डीसी

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपरांत डीसी वर्षा खांगवाल ने संबंधित अधिकारियों को दिए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा राज्य से संबंधित लंबित प्रगति एवं पीएमजी मामलों की समीक्षा को लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय के सचिव (समन्वय) की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य से संबंधित लंबित मामलों की वर्तमान स्थिति, अब तक की गई कार्रवाई तथा इनके समाधान की दिशा में हुई प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपरांत डीसी वर्षा खांगवाल ने संबंधित अधिकारियों के साथ मामलों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रगति एवं पीएमजी से संबंधित लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए निर्धारित समय सीमा में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं और जनहित से जुड़े मामलों के समाधान में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।

विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ हो कार्रवाई

डीसी ने कहा कि जिन मामलों के समाधान में एक से अधिक विभागों अथवा एजेंसियों की भूमिका है, उनमें आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाए। संबंधित अधिकारी अपने-अपने विभाग से जुड़े मामलों की नियमित समीक्षा करें और प्रगति की अद्यतन स्थिति से उच्च अधिकारियों को अवगत करवाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक लंबित मामले के समाधान के लिए स्पष्ट कार्ययोजना तैयार करते हुए समयबद्ध तरीके से कार्रवाई की जाए। साथ ही, जिन मामलों में किसी प्रकार की बाधा आ रही है, उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। जिला निर्वाचन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि वे विशेष अभियान की तिथियों का लाभ उठाएं व मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाकर लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

फसल अवशेष जलाने पर हो सकती है सख्त कार्यवाही

एजेंसी

चरखी दादरी। फसलों के अवशेष जलाने वालों को जमीन की उर्वरा शक्ति घटने के साथ साथ सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों को खेती से संबंधित योजनाओं के लाभ के लिए ब्लॉक कर दिया जाएगा। यही नहीं, ऐसे मामलों में दोषी एक साल तक सरकारी खरीद यानी एमएसपी पर फसल भी नहीं बेच पाएगा। फसल अवशेष आगजनी को लेकर प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने जिला उपायुक्तों के साथ वीसी कर स्थिति का जायजा लिया।वीसी के बाद उपायुक्त मनदीप कौर ने संबंधित अधिकारियों की

बैठक ली और कहा कि फसल अवशेष जलाने के नुकसान के बारे में किसानों को जागरूक करें। इस बारे में सरकार द्वारा बनाए गए कानून एवं नियमों से किसानों को अवगत करवाएं। किसानों को बताएं कि फसल अवशेष जलाने पर उनके खेत की जमीन की उत्पादन क्षमता घटती जा रही है। इसका उन्हें व्यक्तिगत नुकसान है। साथ ही सरकार के नियम कानून के अनुसार अगर फसल के अवशेष जलाए जाते हैं तो संबंधित के रिकार्ड में रेड एंट्री होगी और उसके बाद सबंधित किसान एक साल तक सरकारी खरीद के दौरान अपनी फसल नहीं बेच पाएगा। यही नहीं उसे खेती से संबंधित योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभ भी नहीं मिलेंगे।उन्होंने जिला के किसानों का आह्वान किया है कि वे फसल कटाई के उपरांत फसल अवशेषों को आग न लगाए। किसान फसल अवशेषों का बेहतर प्रबंधन करें। फसल अवशेष जलाना वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण के दिशा-निर्देशों के विरुद्ध है। जिला प्रशासन द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत पहले ही प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर किसानों को अवगत एवं सचेत किया जाता रहा है। फसल अवशेष के बेहतर प्रबंधन के लिए वैकल्पिक उपाय अपनाए। इन उपायों में फसल अवशेषों से कम्पोस्ट या जैविक खाद बनाना, पशु चारे के रूप में उपयोग, मल्चिंग के माध्यम से नमी संरक्षण तथा रोटावेटर, हैप्पी सीडर, रिवर्स प्लॉउ एवं मल्चर जैसे कृषि यंत्रों (जो कि कृषि विभाग द्वारा अनुदान पर भी दिए जाते है) से अवशेष को मिट्टी में मिलाना शामिल हैं।

सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में झज्जर प्रशासन एक्टिव : डीसी

● समाधान शिविर, जनसंवाद व सीएम विंडो पोर्टल पर आई शिकायत के त्वरित निपटान के दिए निर्देश

एजेंसी

झज्जर। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के जनसेवा और सुशासन के निर्देशों की अनुपालना में झज्जर जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के क्रियान्वयन में जिला प्रशासन एक्टिव है ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक को योजना का लाभ प्रभावी रूप से मिल सके। यह बात डीसी वर्षा खांगवाल ने कही। डीसी लघु सचिवालय स्थित सभागार में प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थी।

बैठक में समाधान शिविर, जनसंवाद पोर्टल तथा सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति पर अपडेट रिपोर्ट सम्बन्धित अधिकारियों से ली गई। डीसी ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनता की समस्याओं का निवारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर होना चाहिए और इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई न की जाए। डीसी वर्षा खांगवाल ने बैठक में विभागवार लंबित

मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि 'समाधान शिविर' में आने वाले हर नागरिक की शिकायत को गंभीरता से सुना जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की सोच के अनुरूप प्रशासनिक कार्यप्रणाली को इतना सुलभ बनाया गया है कि आम जन को अपनी समस्याओं के लिए बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। समाधान शिविरों में प्राप्त आवेदनों का उसी दिन या तय समयसीमा के भीतर निपटारा सुनिश्चित किया जाए।जनसंवाद पोर्टल और सीएम विंडो से जुड़ी शिकायतों की समीक्षा करते हुए डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों को पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में औपचारिकता न की जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि और समाधान की गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही के कारण शिकायत लंबित पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने आमजन से भी सरकार के इन डिजिटल पोर्टल का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

बिजली विभाग के जेई को कोताही पड़ी भारी

ग्रीवेंस कमेटी में कैबिनेट मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा ने दिए सस्पेंड करने के आदेश

एजेंसी

चरखी दादरी। सहकारिता मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा ने लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक में बिजली विभाग के जेई को काम में लगातार कोताही बरतने पर निलंबित करने ने निर्देश दिए हैं। मामला कुलदीप पार्षद और दीपक नागवान द्वारा रखा गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि घासोला फीडर से चलने वाला क्षेत्र बिजली की समस्या से झुझ रहा है। इसको लेकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस काम में कोताही पर जेई को चार्जशीट किया गया। इसपर कै द्धद्बबिनेट मंत्री ने कहा कि जब जेई को चार्जशीट कर दिया गया है तो स्पष्ट है कि उसके काम में कोताही है। इसलिए उसे तुरंत प्रभाव से निलंबित करें और उसकी कार्यप्रणाली सही नहीं होने तक बहाल ना किया जाए।बैठक में कैबिनेट मंत्री के समक्ष कुल 10 शिकायत रखी गई, जिनमें से 5 पुरानी व 5 नई शिकायतें रही।

मौके पर ही 8 शिकायतों का समाधा कर दिए गया। इस दौरान जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय से संबंधित शिकायत पर उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक जाँच के मामले में हर शिकायतकर्ता को शामिल किया जाए। मिसरी गांव में रोड और पेड़ करने के मामले में उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही करें और रोड का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। साथ ही खाली जमीन पर पेड़ लगवाएं। पेंतावास खुर्द की चकबंदी की शिकायत को लेकर कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिए कि उपायुक्त मनदीप कौर स्वयं मामले की एक सप्ताह में जांच कर फैसला लें। साथ ही डीआरओ को निर्देश दिए कि अगली बैठक से पहले काम को सिरे चढ़ाए। दादरी सीसीई फाटक के अंडरपास की समस्या को लेकर उन्होंने निर्देश दिए कि इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम पूरा करें। बिना डिग्री के कलाली में आँखों की जांच करने को लेकर रखी गई शिकायत पर मंत्री ने कहा कि इस मामले में तुरंत जांच कराएं ओर अगर शिकायत सही मिले तो इस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर करवाकर सख्त कार्यवाही करें। इंतकाल नहीं होने की एक अन्य शिकायत पर उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी लोगों के चक्कर ना कटवाए। सभी अधिकारी व कर्मचारी जनता के प्रति जवाबदेह हैं। कैबिनेट मंत्री ने लोगों की अन्य शिकायतें सुनते हुय गांव के स्कूल को शहीद के नाम से करने के निर्देश भी दिए।

सेवा सेतु कैम्प के माध्यम से लाभ पात्रों ने उठाया सरकारी सेवाओं का लाभ

एजेंसी

बहादुरगढ़। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सरकारी सेवाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत बहादुरगढ़ के राजकीय महिला विद्यालय परिसर में सेवा सेतु कैंप का आयोजन किया गया। सेवा सेतु कैंप में भाजपा नेता दिनेश कौशिक के साथ नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी व रवि बराही सहित एसडीएम अभिनव सिवाच व जिला परिषद सीईओ मनीष फौगाट ने विभागीय स्टॉल का अवलोकन करते हुए पहुंचे लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। सेवा सेतु कैंप में विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल लगाकर आमजन को सरकार की योजनाओं, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। लोगों ने मौके पर पहुंचकर सरकारी योजनाओं की जानकारी ली और संबंधित विभागों से आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किया। सेवा सेतु कैम्प में पहुंचे भाजपा नेता दिनेश कौशिक ने कहा कि सेवा सेतु कैंप का उद्देश्य सरकारी योजनाओं को कागजों से निकालकर सीधे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से नागरिकों को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं और योजनाओं की जानकारी मिल रही है, जिससे उन्हें सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए हर पात्र नागरिक को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि सरकार का संकल्प है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र नागरिक योजना के लाभ से वंचित न रहे।

अदाणी समूह का पश्चिम बंगाल में 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश

कोलकाता ।

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में 2035 तक 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की बड़ी घोषणा की। उन्होंने यह ऐलान न्यू टाउन, कोलकाता में 2,000 बिस्तरों वाले अदाणी आरोग्य मंदिर अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम में किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। अदाणी ने बताया कि इस अस्पताल परियोजना पर 4,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे लगभग 10,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उद्योगपति ने कहा कि समूह का यह विशाल निवेश बंदरगाह, लॉजिस्टिक, बिजली, सड़क और डेटा सेंटर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में केंद्रित होगा, जिससे राज्य के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

क्रूड के 100-115 प्रति बैरल होने के बावजूद सरकार ने की पुष्टि

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज संकट के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100-115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने के बावजूद, भारत में आम लोगों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है कि देश में फिलहाल पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी, जिससे आम जनता पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। हाल दाम स्थिर रहने की उम्मीद~ सरकारी सूत्रों ने बिजनेस टुडे को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के ऊंचे दाम बने रहने के बावजूद, फिलहाल घरेलू ईंधन की कीमतों में वृद्धि की कोई उम्मीद नहीं है। सरकार लगातार वैश्विक तेल बाजार पर पैनी नजर बनाए हुए है। यह खबर उन आम लोगों के लिए राहत लेकर आई है, जो पिछले कई महीनों में लगातार हुई मूल्य वृद्धि से प्रभावित हुए थे। हालांकि, यह समझना गलत होगा कि दाम कभी नहीं बढ़ेंगे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कच्चे तेल की लागत और ईंधन आपूर्ति की स्थिति पर निर्भर करेंगी। सरकार का मुख्य जोर होर्मुज मार्ग से तेल आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने पर है। इसके लिए, जरूरत पड़ने पर तेल कंपनियों को आर्थिक मदद भी दी जा सकती है ताकि कच्चे तेल की लागत बढ़ने का सीधा बोझ ग्राहकों पर न पड़े और ईंधन की सप्लाई लगातार जारी रहे।

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

सोना 1,52,090 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,36,080 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजारों में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 24 कैरेट सोना 1,500 रुपये से अधिक सस्ता होकर 1,52,090 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी में भी 3,800 रुपये से ज्यादा की कमी के साथ 2,36,080 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार हुआ। यह गिरावट घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में देखी गई, जिसका मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक नीति के संकेत हैं। इंडिया एमसीएक्स पर भी सोने का भाव 1,51,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,36,085 रुपये प्रति किलो पर दर्ज किया गया। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी बहुमूल्य धातुओं पर दबाव दिखा, जहां सोना 1.43 फीसदी टूटकर 4,277.29 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.20 फीसदी गिरकर 63.88 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव दिल्ली में 1,51,550 रुपये और मुंबई में 1,51,810 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। वहीं चांदी दिल्ली में 2,35,240 रुपये और मुंबई में 2,35,650 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिकी। इस गिरावट की मुख्य वजह डॉलर की मजबूती है, जो जुलाई के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अधिकारियों के सख्त मौद्रिक नीति संबंधी बयानों ने भी ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदों को मजबूत किया है, जिससे सोने जैसी गैर-लाभकारी संपत्तियों का आकर्षण कम हुआ है।

2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे का ऐलान

कारोबारी 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट के विरोध में

नई दिल्ली ।

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लगने वाले नए शुल्क के खिलाफ देशभर के व्यापारियों ने मोर्चा खोल दिया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल (एफएआईवीएम) और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सहित कई प्रमुख संगठनों ने 2 अक्टूबर को नो यूपीआई डे मनाने की घोषणा की है, जिसके तहत उस दिन यूपीआई से कोई लेनदेन नहीं होगा। आम जनता को कैश या कार्ड से भुगतान करना होगा। कारोबारी 2000 रुपये से अधिक के पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेनदेन पर 15 अक्टूबर से लगने वाले 0.4 फीसदी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क का विरोध कर रहे हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार

सेंसेक्स 1247, निफ्टी 383 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे एक ही दिनों में निवेशकों के करोड़ों रुपये डूब गये। आज जब सभी क्षेत्रों में हुई भारी बिकवाली के चलते इक्विटी इंडेक्स नीचे आया। दिन भर के कारोबरर के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक नीचे आकर 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 383.70 अंक खिसककर 23,063.10 पर बंद हुआ।बाजार की इस चौतरफा गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीएसई पर कुल 4,573 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से केवल 1,476 शेयरों में ही बढ़त दर्ज की गई, जबकि 2,878 शेयरों में गिरावट आई और 219 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। यह आंकड़ा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि बिकवाली का दबाव व्यापक था।

निफ्टी पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख रहे, जिन्होंने सूचकांक को नीचे खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, इस विपरीत माहौल में सिप्ला और एनटीपीसी जैसे कुछ ही शेयरों में मामूली बढ़त देखने को मिली, जो बाजार के निराशाजनक रुख को और पुख्ता करता है।निफ्टी प्राइवेट बैंक इंडेक्स गिरकर सबसे अधिक प्रभावित हुआ, उसके बाद निफ्टी मेटल , निफ्टी बैंक, निफ्टी इंफ्रा, निफ्टी ऑटो निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी पीएयू बैंक , निफ्टी एनर्जी 1.2त्न और निफ्टी एफएमसीजी नीचे आए। व्यापक बाजार की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 2 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.5 फीसदी गिरा, जो बताता है कि छोटे और झोले शेयरों में भी भारी बिकवाली हुई।इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारक जिम्मेदार थे। वैश्विक स्तर पर, अमेरिका में बिजनेस एक्टिविटी का पांच साल से अधिक समय में अपने सबसे मजबूत स्तर पर पहुंचना एक चिंता का कारण बना। नए ऑर्डरों में उछाल के कारण यह डेटा बेंचमार्क 10-साल के अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड को 2007 के बाद के सबसे ऊंचे स्तर पर ले गया, जिससे बाजार में ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की उम्मीदें बढ़ गईं।

इसके अलावा, अमेरिका-ईरान राजनयिक संबंधों को लेकर फिर से बनी अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने भी बाजार के सेंटीमेंट को प्रभावित किया।

भारत की आर्थिक उड़ान, वैश्विक एजेंसियों ने बढ़ाया वृद्धि अनुमान

नई दिल्ली ।

इंट्रो वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने शानदार मजबूती दिखाई है। इसी का परिणाम है कि मूडीज के बाद अब एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स, फिच रेटिंग्स, आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) जैसी वैश्विक एजेंसियों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी तक कर दिया है, जो वैश्विक भरोसे को और पुख्ता करता है। एजेंसियों ने पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में उम्मीद से बेहतर 7.8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि, मजबूत घरेलू मांग, निवेश, विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन को अनुमान बढ़ाने का प्रमुख कारण बताया है।

यह दर्शाता है कि भारत बाहरी झटकों को झेलने में अब अधिक सक्षम है। बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड सरकारी खर्च, मजबूत घरेलू खपत और लचीला निर्यात तंत्र भारत को जी-20 में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनाए रखेगा।

घरेलू खपत पर निर्भरता के चलते मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बरकरार रही है और मांग लगातार बनी हुई है। सरकारी पूंजीगत व्यय के साथ-साथ निजी निवेश में भी तेजी देखने को मिल रही है, जिससे अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिल रही है।

यह वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और स्थिरता का स्पष्ट संकेत है।

एफएसएसएआई का ई-कॉमर्स के दिग्गजों पर शिकंजा

गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावों और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री को लेकर कार्रवाई

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावों और प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों की बिक्री सहित खाद्य सुरक्षा कानूनों के गंभीर उल्लंघन को लेकर कई प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों के खिलाफ दंडात्मक प्रक्रिया शुरू की है। इन मंचों में स्विगी इंस्टामार्ट, बिगबास्केट, जेप्टो, फ्लिपकार्ट इंडिया और अमेजन भी शामिल हैं। एफएसएसएआई ने अपने सोशल मीडिया मंच पर इस 'बड़ी कार्रवाई' की जानकारी देते हुए बताया कि उल्लंघन में गलत ब्रांडिंग, भ्रामक दावे और सेहत को नुकसान पहुंचाने वाले या प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन व बिक्री शामिल है। प्राधिकरण ने हैप्पिलो प्रीमियम डेट बाइट्स - जेस्टी ऑरेंज से जुड़े भ्रामक दावों के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट इंडिया, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और बिगबास्केट के खिलाफ कार्रवाई की है। स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट को मिल्की मिस्ट के कुछ डेयरी उत्पादों, जैसे लो फैट क्रीम और ग्रीक योगर्ट, के भ्रामक दावों और अधूरी उत्पाद जानकारी के लिए निशाना बनाया गया है। इसके अलावा अमेजन सेलर सर्विसेज, स्विगी इंस्टामार्ट और बिगबास्केट पर धतूरा के फल/बीज जैसे प्रतिबंधित खाद्य पदार्थ बेचने के आरोप हैं। एफएसएसएआई पिछले छह महीनों से खाद्य कारोबारियों और ई-कॉमर्स कंपनियों पर अपनी कार्रवाई तेज कर रहा है और सोशल मीडिया के माध्यम से उपभोक्ताओं को भी जागरूक कर रहा है।

बीमा ग्राहकों के लिए खुशखबरी:आईआरडीएआई ला रहा सस्ते और पारदर्शी बीमा का दौर

नई दिल्ली ।

भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा पॉलिसी खरीदने वाले ग्राहकों के लिए नियमों में बदलावों का प्रस्ताव किया है, जो उनके लिए बड़ी खुशखबरी साबित हो सकते हैं। इन नए नियमों का मकसद बीमा की लागत को नियंत्रित करना, बिक्री प्रक्रिया में पारदर्शिता और गलत तरीके से पॉलिसी बेचने की शिकायतों पर लगाम लगाना है। इससे फिजूलखर्ची, मनमानी और एजेंटों के कमीशन पर भी लगाम लगेगी।

आईआरडीएआई ने बीमा कंपनियों के खर्चों को नियंत्रित करने के लिए एक्सपेंस ऑफ मैनेजमेंट (ईओएम) की सीमा कम करने का सुझाव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार, लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों को दो साल में अपना ईओएम ग्रोस डायरेक्ट प्रीमियम इनकम (जीडीपीआई) के 15 प्रतिशत और पांच साल में 12.5 प्रतिशत तक लाना होगा। वहीं, जनरल इंश्योरेंस कंपनियों के लिए इसकी सीमा पांच साल में 30 से घटाकर 20 प्रतिशत करने का प्रस्ताव है। इन कदमों से बीमा कंपनियों की फिजूलखर्ची पर लगाम लगेगी, जिसका सीधा फायदा ग्राहकों को कम प्रीमियम के रूप में मिलेगा।

इतना ही नहीं कमीशन के नियमों में भी बड़ा बदलाव होने वाला है। अब सभी पॉलिसी के लिए एक समान कमीशन के बजाय, उत्पाद की प्रकृति, अवधि और बिक्री में लगने वाली मेहनत के आधार पर कमीशन तय होगा। इस प्रक्रिया में मनमानी कमीशन पर रोक लगेगी और एजेंटों को उत्पाद की जरूरत के हिसाब से प्रोत्साहन मिलेगा। उदाहरण के लिए, इंडिविजुअल नॉन-लिंक्ड

और लिंक्ड पॉलिसी में इंटरमीडियरी का कमीशन 5 से 20 फीसदी, जबकि एजेंटों का 6.25 से 25 फीसदी तक हो सकता है। प्योर टर्म प्लान में पहले साल इंटरमीडियरी को 25 फीसदी और एजेंट को 30 फीसदी तक कमीशन मिल सकता है।हेल्थ और मोटर इंश्योरेंस के लिए भी नए कमीशन दरें प्रस्तावित हैं। इंडिविजुअल हेल्थ इंश्योरेंस की नई बिक्री पर डिस्ट्रीब्यूशन संस्थाओं के लिए करीब 15 फीसदी और एजेंटों के लिए 20 फीसदी कमीशन प्रस्तावित है, जबकि रिन्यूअल पर यह क्रमशः 5 और 10 फीसदी रहेगा। वहीं, मोटर थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस में डिस्ट्रीब्यूटर्स के लिए कमीशन शून्य रखने का प्रस्ताव है, जबकि एजेंटों को 2.5 फीसदी तक मिल सकता है।

कुल मिलाकर, आईआरडीएआई के ये प्रस्ताव बीमा क्षेत्र में ग्राहकों के हित को सर्वोपरि रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे बीमा पॉलिसी खरीदना सस्ता, सरल और अधिक विश्वसनीय हो जाएगा।

आरडीएआई का बड़ा दांव: बीमा बेचना और खरीदना होगा ज़्यादा पारदर्शी और ग्राहक हितैषी

प्रस्तावों का लक्ष्य वितरण प्रक्रिया को सरल बनाना और ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना

नई दिल्ली ।

इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (आईआरडीएआई) ने बीमा वितरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और ग्राहक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से बड़े बदलावों का प्रस्ताव किया है। नियामक ने बुधवार को रीकैलिब्रेटिंग इकोनॉमिक्स ऑफ़ इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन नामक एक पब्लिक कंसल्टेशन पेपर जारी किया, जिसमें बीमा वितरण संरचना, खर्च, कमीशन, बाजार आचरण और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया है। इन प्रस्तावित सुधारों का लक्ष्य एक कुशल और निष्पक्ष वितरण इकोसिस्टम तैयार करना है, जिससे ग्राहकों को बेहतर जानकारी और सुरक्षा मिल सके। आईआरडीएआई के इस प्रस्ताव से ग्राहकों को बीमा पॉलिसी बेचने वाले डिस्ट्रीब्यूटर के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलेगी, उनके भुगतान के तरीके में पारदर्शिता आएगी, अनावश्यक बंडलिंग कम होगी और गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) से बेहतर सुरक्षा मिलेगी। आईआरडीएआई का एक मुख्य प्रस्ताव बीमा वितरण संरचना को सरल बनाना है। इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए यह समझना आसान बनाना है कि उन्हें कौन पॉलिसी बेच रहा है और वितरण श्रृंखला में कौन से बिचौलिये शामिल हैं। इससे नियामक और परिचालन बाधाएं भी कम होंगी, जिससे बीमा वितरण में भागीदारी बढ़ेगी। ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव बीमा डिस्ट्रीब्यूटर्स को दिए जाने वाले कमीशन के खुलासे से संबंधित है। आईआरडीएआई ने प्रस्ताव दिया है कि बीमा कंपनियाँ और बड़ी वितरण कंपनियां अपनी कमीशन नीति और संरचना को सरल और समझने योग्य तरीके से सार्वजनिक करें। कुछ वाणिज्यिक पॉलिसियों में भी कमीशन की जानकारी दी जाएगी, जिससे ग्राहक वितरण लागत को समझकर सूचित निर्णय ले सकें। कमीशन ढांचे को भी उत्पाद की प्रकृति, व्यवसाय के प्रकार और बिक्री व सर्विसिंग में लगने वाले प्रयास के आधार पर पुनर्गठित करने का प्रस्ताव है। गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) पर लगाम लगाने के लिए भी सख्त उपाय सुझाए गए हैं। इनमें ग्राहकों की आवश्यकताओं और उपयुक्तता का रिकॉर्ड रखना, साथ ही कमीशन की परिभाषा में सभी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष भुगतानों को शामिल करना शामिल है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.96 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.84 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल और डॉलर दोनों मजबूत हुए, जिसका असर रुपये पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी का प्रवाह घरेलू मुद्रा को सहारा देने में विफल रहा क्योंकि घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली का दबाव और अमेरिकी मुद्रा में मजबूती बनी हुई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 95.84 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में दबाव में रहा। यह पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे टूटकर 95.73 पर बंद हुआ था। इससे एक दिन पहले इसमें 16 पैसे की मजबूती आई थी। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी बढ़कर 100.87 पर कारोबार कर रहा था।

एफडी में निवेश अब और पारदर्शी, आरबीआई के बदले नियम 1 अक्टूबर से लागू

एक ही बैंक की सभी शाखाओं में समान अवधि के लिए ब्याज दरें होंगी एक समान

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश करने वाले ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण नियमों में संशोधन किया है। 1 अक्टूबर से लागू होने वाले इन नए नियमों का मुख्य उद्देश्य एफडी की ब्याज दरों में पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों तक सही जानकारी की आसान पहुंच सुनिश्चित करना है। नए नियमों के तहत, एक ही बैंक की विभिन्न शाखाओं में समान अवधि वाली एफडी पर ब्याज दरें एक जैसी होंगी, जिससे स्थान-आधारित भिन्नता खत्म होगी। इसके अलावा बैंकों को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सभी एफडी योजनाओं और उनकी ब्याज दरों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। 3 करोड़ रुपए या उससे अधिक की बल्क डिपॉजिट के लिए भी, ब्याज दरों को बैंक की वेबसाइट पर रोजाना सुबह 10~10 बजे तक अपडेट करना

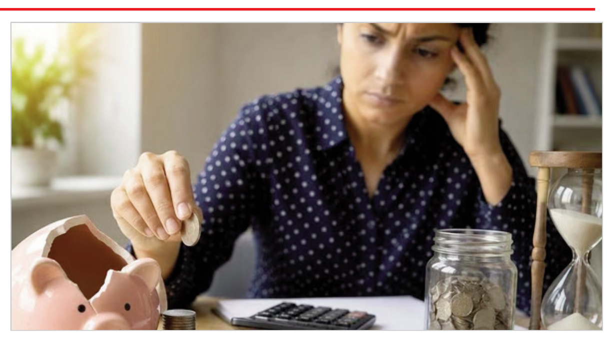

होगा। मौजूदा एफडी पर इन बदलावों का तत्काल कोई असर नहीं होगा; वे अपनी वर्तमान शर्तों पर ही चलती रहेंगी।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्धविराम को दो माह का विस्तार

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अनिश्चितता कम करने की दिशा में कदम

वाशिंगटन ।

अमेरिका और चीन ने वैश्विक व्यापार को प्रभावित करने वाले अपने व्यापार युद्धविराम को दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बड़े आर्थिक समझौते की दिशा में काम करने के लिए इस अवधि को 10 जनवरी तक विस्तारित करने की घोषणा की। यह कदम चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के वाशिंगटन पहुंचने के ठीक बाद उठाया गया है, जिससे वैश्विक बाजारों को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले साल अक्टूबर में हुए बुसान समझौते के तहत एक साल का यह व्यापार युद्धविराम नवंबर में समाप्त होने वाला था। बेसेंट ने स्थानीय न्यूज चैनल को बताया कि अब इसे 10 जनवरी तक बढ़ाया जाएगा, जिससे दोनों देशों को एक संभावित बड़े समझौते पर काम करने का अतिरिक्त समय मिलेगा। हालांकि, चीन के अधिकारियों ने अभी तक इस विस्तार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बेसेंट ने जनवरी तक बड़े आर्थिक पैकेज की संभावना जताई है, लेकिन मौजूदा समझौते की अवधि को आगे बढ़ाने का विकल्प भी खुला है। अमेरिका चाहता है कि चीन अपनी पिछली प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह से लागू करे। राष्ट्रपति ट्रंप और शी चिनफिंग की वाशिंगटन में महत्वपूर्ण बैठकें होनी हैं, जिनमें व्यापार शुल्क, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे प्रमुख आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होगी। इस विस्तार से दोनों देशों को इन जटिल वार्ताओं के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है।

बाजार में एनएसई का दबदबा, शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में बनाई जगह

मामूली बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ एनएसई दिन के कारोबार में 1,878 रुपए तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने गुरुवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत करते हुए बाजार मूल्यांकन के लिहाज से देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में अपनी जगह बना ली। कारोबार के दौरान एनएसई के शेयर पांच प्रतिशत से अधिक उछले, जो इसके मजबूत प्रदर्शन का संकेत है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के शेयरों ने गुरुवार को कारोबार के दौरान पांच प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ, एनएसई बाजार मूल्यांकन के मामले में भारत की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची में शामिल हो गया है। बीएसई पर एनएसई के शेयर 1,800 रुपए पर सूचीबद्ध हुए, जो इसके निर्गम मूल्य 1,785 रुपए से 0.84 प्रतिशत अधिक था। कारोबार के दौरान, शेयरों में 5.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई और यह 1,878 रुपए के स्तर पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। एनएसई ने बाजार मूल्यांकन के इस क्रम में दसवां स्थान हासिल किया है, और उसने 4,54,845.62 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली हिंदुस्तान यूनिलीवर और 4,46,985.57 करोड़ रुपए के बाजार पूंजीकरण वाली सन फार्मा जैसी स्थापित कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। वहीं, इसके प्रतिद्वंद्वी बीएसई का बाजार मूल्यांकन 1,31,946.42 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले, एनएसई का 22,569 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को बोली के अंतिम दिन लगभग छह गुना अभिदान प्राप्त कर चुका था, जिसमें संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त मांग देखी गई। यह आईपीओ 2024 में हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम साबित हुआ है।

इसने 2022 में आए एलआईसी के 21,000 करोड़ रुपएके आईपीओ को भी पीछे छोड़ दिया, जो इसकी बढ़ती बाजार शक्ति और निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

अबेकस म्यूचुअल फंड को मिली सेबी की बड़ी मंजूरी

फोक्कस के साथ एसआईएफ सेगमेंट में करेगा प्रवेश

नई दिल्ली ।

निवेश क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में अबेकस म्यूचुअल फंड को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने बताया कि सेबी ने 28 अगस्त, 2026 को यह मंजूरी दी है। अबेकस अपने एसआईएफ को फोक्कस ब्रांड नाम से बाजार में उतारेगा, जिससे उसे निवेशकों के लिए विविध और अनूठी निवेश रणनीतियाँ पेश करने का नया अवसर मिलेगा। अबेकस ने बताया कि फोक्कस ब्रांड के तहत वह इक्विटी, डेट और हाइब्रिड जैसी विभिन्न श्रेणियों में निवेश रणनीतियां पेश करेगा। ये रणनीतियां लागू नियमों और आवश्यक मंजूरियों को पूरा करने के अधीन होंगी। कंपनी का उद्देश्य इन एसआईएफ के माध्यम से अपनी मौजूदा शोध-आधारित निवेश रणनीति और अनुशासित जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण को एक नए, लचीले ढांचे के साथ एकीकृत करना है। सेबी ने 1 अप्रैल, 2025 से एसआईएफ ढांचे को लागू किया था। यह ढांचा एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को अलग-अलग निवेश रणनीतियां पेश करने की अनुमति देता है, साथ ही म्यूचुअल फंड पर लागू नियामकीय निगरानी और निवेशक सुरक्षा सिद्धांतों को भी बनाए रखता है। अबेकस ने स्पष्ट किया कि इन रणनीतियों के निवेश उद्देश्यों, एसेट एलोकेशन, जोखिम-कारकों और लॉन्च की समयसीमा से जुड़ी विस्तृत जानकारी नियामकीय फाइलिंग पूरी होने के बाद जारी की जाएगी। अबेकस के एक प्रमुख अधिकारी ने इस कदम को कंपनी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा ` कि एआईएफ, पीएमएस, म्युचुअल फंड और अब एसआईएफ - इन सभी सेगमेंट में हमारा उद्देश्य हमेशा निवेशकों के लिए सार्थक अवसरों की पहचान करना रहा है।÷ सिंघानिया ने जोर दिया कि एसआईएफ ढांचा विभिन्न निवेश रणनीतियों को अपनाने में लचीलापन देता है, जिससे कंपनी अपनी निवेश सोच पर कायम रहते हुए निवेशकों की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकेगी और विभिन्न बाजार चक्रों में अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगी।

अंत्योदय : विकसित भारत की मानवीय आधारशिला

ललित गर्ग

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे।

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक रैंकिंग से तय नहीं होती। उसकी सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महापुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

'अंत्योदय' दो शब्दों से बना है-'अंत्य' अर्थात सबसे अंतिम और 'उदय' अर्थात उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में 'समावेशी मानव विकास' को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ ह्यसहायता से सशक्तिकरणह्न होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिले। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिले। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिले। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्यार्पण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राष्ट्रसेवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा। उनका अंत्योदय दर्शन आने वाली पीढ़ियों को यह प्रश्न पूछने की प्रेरणा देता है कि हमारे विकास का अंतिम लाभार्थी कौन है और क्या वह वास्तव में विकास की मुख्यधारा में आ पाया है?

2047 का विकसित भारत केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बनेगा। इसके लिए शासन, समाज, उद्योग, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों-सभी की भागीदारी आवश्यक होगी। गांवों में स्थानीय उद्यमिता बढ़ानी होगी, युवाओं को कौशल देना होगा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी, स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा और सरकारी योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और नई तकनीकें इस पहुंच को तेज कर सकती हैं, 2026 में नीति आयोग की डीपीआई-2047 रूपरेखा ने भी डिजिटल अवसंरचना को समावेशी और उत्पादकता-आधारित विकास से जोड़ा है। अंत्योदय का सबसे बड़ा संदेश यही है कि राष्ट्र की प्रगति को ऊपर से नीचे नहीं, नीचे से ऊपर भी देखना होगा। जब अंतिम गांव आगे बढ़ेगा, भारत आगे बढ़ेगा। जब अंतिम परिवार आत्मनिर्भर होगा, भारत मजबूत होगा। जब अंतिम बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाएगा, भारत का भविष्य मजबूत होगा। जब अंतिम श्रमिक को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी, भारत की विकास यात्रा अधिक मानवीय होगी।

अंत्योदय दिवस इसलिए केवल 25 सितंबर का एक स्मृति-दिवस नहीं होना चाहिए। इसे राष्ट्र के विकास की नैतिक कसौटी बनाने की आवश्यकता है। दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को युगों तक जीवित रखने वाला सबसे प्रभावी स्मारक कोई भवन या प्रतिमा नहीं, बल्कि ऐसा भारत होगा जिसमें अंतिम व्यक्ति स्वयं को व्यवस्था से बाहर नहीं, बल्कि राष्ट्र की मुख्यधारा का सम्मानित भागीदार महसूस करे। विकसित भारत की ऊंचाई उसकी आर्थिक शक्ति से दिखाई देगी, लेकिन उसकी वास्तविक महानता इस बात से पहचानी जाएगी कि उसकी विकास-यात्रा कितनी दूर तक और कितने लोगों तक पहुंची है। अंत्योदय उसी यात्रा का मानवीय आधार है। 2047 का भारत यदि समृद्ध, सशक्त, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बनना चाहता है, तो विकास की हर मंजिल पर उसे एक बार पीछे मुड़कर उस अंतिम व्यक्ति को देखना होगा-क्योंकि जिस दिन अंतिम व्यक्ति का उदय होगा, उसी दिन भारत के उदय की पूर्णता होगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

खुद दवा लेने का रोग

विकसित व पश्चिमी देशों में गंभीर रोगों और सर्जरी तक में कम से कम दवा देने की नीति का सख्ती से पालन किया जाता है। इसके उलट हमारे देश में खांसी-जुकाम व सामान्य बुखार में भी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स का जमकर इस्तेमाल किया जाता है। हम मेडिकल स्टोरों से दवा खरीद लाते हैं और खुद ही चिकित्सक बन जाते हैं। यही वजह है कि एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल के कारण तमाम रोगियों पर ये दवाइयां कालांतर असर नहीं करती हैं। जो एक गंभीर चिकित्सीय खतरों की ओर इशारा करती है। ऐसे में दर्द कम करने वाली दवाओं यानी पेनकिलर्स और एंटीबायोटिक्स के अंधाधुंध इस्तेमाल को रोकने के लिये सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की हालिया सलाह, पब्लिक हेल्थ संकट की गंभीरता को ही दशार्ती है। यह विडंबना ही है कि जिन दवाओं का इस्तेमाल बेहद जरूरी होने तथा डॉक्टर की सलाह पर होना चाहिए, उन्हें हम अक्सर बचाव के तौर पर या मामूली संक्रमण के लिये भी लेने लगते हैं। दरअसल, हमारे शरीर का जैविक सुरक्षातंत्र खासा मजबूत होता है, जो मामूली संक्रमण व बीमारियों से खुद ही निबट सकता है। लेकिन उसकी प्रक्रिया कुदरती तौर पर धीमी होती है। यह बेहद चिंता की बात है कि एंटीबायोटिक्स के जरूरत से ज्यादा और गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति ने देश को ग्लोबल एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस संकट के केंद्र में ला खड़ा किया है। इस संकट की एक बड़ी वजह यह भी है कि इन दवाओं के दुरुपयोग को लेकर आम लोगों की जानकारी बेहद कम है। जिसका लाभ आधी-अधूरी डिग्रियों वाले नीम-हकीम उठाते हैं और जल्दी ठीक करने का दावा करके मरीजों से कमाई करते हैं। लोग इस बात से वाकिफ नहीं होते कि इन दवाओं के बुरे असर यानी दवा के विपरीत रिएक्शन से किडनी आदि की दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर अधिक दवाइयां लेने का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

दरअसल, बिना चिकित्सक के परामर्श के दवाइयों की सहज उपलब्धता तथा लोगों में बढ़ती सेल्फ-मेडिकेशन की प्रवृत्ति ने भी इस संकट को बढ़ाया है। इस संकट का एक पहलू यह भी है कि कुछ चिकित्सकों में भी जरूरत से ज्यादा दवाइयां लिखने और ज्यादा पैसे वसूलने की प्रवृत्ति पायी जाती है। ऐसी गलत प्रथाओं ने मेडिकल सिस्टम के प्रति लोगों में अविश्वास भी पैदा किया है। वहीं गरीबी के चलते पैसे की तंगी, सांस्कृतिक मान्यताओं और केमिस्टों के अनौपचारिक डॉक्टर के तौर पर बेरोकटोक काम करने से भी इस समस्या को बढ़ावा मिला है। अकसर यह महसूस किया जाता है कि देश की पूरी हेल्थकेयर श्रृंखला में पेशागत आचार-संहिता की नितांत कमी है। वहीं दूसरी ओर नियामक संस्थाओं की सख्त निगरानी पूरी तरह नदारद नजर आती है। सही मायने में प्रभावी बदलावों के लिये प्रोटोकॉल में कई स्तरों पर सुधार की जरूरत होगी। जिसमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टिशनर्स का व्यवहार नैतिक और जिम्मेदार होना है। निश्चय ही आज के समय में यह बेहद गंभीर चुनौती है क्योंकि इस वर्ग में अंधा मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति लगातार अनियंत्रित होती नजर आ रही है। जिसके चलते कमजोर वर्ग से आने वाले मरीज खुद ही बीमारी का अंदाजा लगाने और डॉक्टर की सलाह के बिना इलाज करने की दिशा में बढ़ जाते हैं। जब तक रोग बेहद गंभीर स्थिति में न पहुंच जाए, तब तक मरीज डॉक्टर के पास जाने से बचने की कोशिश करते हैं। वास्तव में किसी रोगी के उपचार के लिये लिखी गई दवाइयों की सख्ती से जांच करने की जरूरत है। लेकिन सिर्फ फामेर्सी में सीसीटीवी कैमरे लगाने से काम नहीं चलेगा। वैसे यह भी हकीकत है कि इस बाबत सख्त गाइडलाइंस जारी करने पर, इससे बचाव के चक्कर में दवाइयों की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। वक्त की मांग है कि नागरिकों को सेल्फ-मेडिकेशन और एंटीबायोटिक्स रेजिस्टेंस के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिये देशव्यापी अभियान चलाया जाए। हालांकि, रातों-रात ढांचागत कमियां दूर न होंगी और आदतें बदलने में समय लगेगा। लेकिन हेल्थकेयर व फार्मास्युटिकल सेक्टर को भी मुनाफे के बजाय मरीजों के हितों को प्राथमिकता देनी होगी।

सूक्ति

अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही तो कला है।
– मैथिलीशरण गुप्त

देशभक्त जननी की सच्ची संतान हैं।
– जयशंकर प्रसाद

टीएमसी के 20 बागी सांसद, तारीख पर तारीख का खेल?

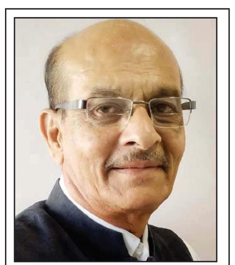

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों की अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपेक्षा जताई है, जल्द से जल्द इस मामले में स्पीकर फैसला करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कोई समय सीमा तय नहीं की। यह जरूर कहा, सुप्रीम कोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को निर्देश नहीं दे सकती है। जल्द से जल्द मामला निपटाने की याद जरूर दिला सकती है। ऐसी याद दिलाने का कोई असर नहीं होता है। जब भय ही नहीं होगा, तो इस तरह के निर्देश का कभी पालन भी नहीं होगा। टीएमसी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा ?कि नोटिस के बावजूद भी सांसदों ने कोई जवाब नहीं दिया। सलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कहा, लोकसभा अध्यक्ष नोटिस जारी कर चुके हैं। वहीं बाकी सांसदों ?कि ओर से पेश वकीलों ने कहा, वह चार सप्ताह के अंदर नोटिस का जवाब दाखिल कर देंगे। कुल मिलाकर तारीख पर तारीख का यह खेल कोई नई बात नहीं है। दल-बदल कानून के अंतर्गत दल बदलने वाले सांसदों और विधायकों की अयोग्यता को लेकर महाराष्ट्र से जो खेल शुरू हुआ था, सारे देश ने उसका हश्र देख लिया है। महाराष्ट्र के मामले में भी इसी तरह से तारीख पर तारीख का खेल चला था। विधानसभा अध्यक्ष ने कई महीनों तक फाइल को अपने पास दबा के रखा था। इसी बीच चुनाव आयोग भी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। चुनाव आयोग, सुप्रीमकोर्ट और विधानसभा/लोकसभा अध्यक्ष के बीच में इसी तरह का खेल कई बार पहले भी खेला जा चुका है। समय निकलने के बाद इस तरह की याचिकाओं का कोई मतलब नहीं रह जाता है। यह फैसला इसी तरह का हुआ, जब आदमी मर गया, तब उसके मामले में फैसला आया। उसके मरने के कारण फाइल बंद कर दी गई? लेकिन उसे समय पर न्याय नहीं मिला। महाराष्ट्र की लंबित दल-बदल याचिकाओं पर कानूनी बहस सुप्रीम कोर्ट में चल रही है। यह धारणा बनती चली जा रही है। दलबदल जैसे संवेदनशील मामले में हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट विवाद और दबाव से बचने के लिए तारीख पर तारीख का खेल खेलते हैं। विशेष रूप से उन मामलों में जहां लाभान्वित पक्ष भाजपा हो। तेलंगाना में एक विधायक के दलबदल मामले में तेलंगाना हाईकोर्ट ने फटाफट फैसला सुना दिया है। विधायक की सदस्यता निरस्त कर दी है। वहीं पिछले 4 महीने से टीएमसी के सांसद अभिषेक बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष के यहां जो याचिका दायर कर कार्यवाही की मांग की थी। मानसून सत्र भी निकल गया। लोकसभा अध्यक्ष के यहां से तारीख पर तारीख का खेल खेला जा रहा है। इससे व्यथित होकर टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। सुप्रीम कोर्ट ने भी तारीख पर तारीख का खेल खेलना शुरू कर दिया है। फैसला कब होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। सॉलिसिटर जनरल भी इस मामले में सरकार की ओर से खड़े होकर बागी सांसदों और विधायकों की मदद कर रहे हैं। दल-बदल कानून को लेकर पिछले 4 वर्षों में जिस तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जाने के बाद भी जब कोई निर्णय प्राप्त नहीं होता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो गया, दलबदलू वहां विधायक और मंत्री बने रहे। दोबारा चुनाव लड़ लिया। फैसला अभी तक नहीं आया। रही सही कसर चुनाव आयोग ने पूरी कर दी। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शिवसेना का चुनाव चिन्ह सीज करके नया चुनाव चिन्ह दे दिया। कुछ इसी तरह की कार्यवाही चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में की है। जिसके कारण देश में संवैधानिक संस्थाओं को लेकर जो विश्वास आमजनों के मन में था, वह विश्वास खत्म होता जा रहा है। अब यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका सहित अन्य संवैधानिक संस्था जिसमें चुनाव आयोग भी शामिल है। सब सत्तारुड दल भाजपा की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, या तो मामले को टालते हैं या ऐसा निर्णय देते हैं, जिससे क्षेत्रीय पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की राकपा के साथ यही हुआ। अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के साथ यही सब हो रहा है। आम आदमी और राजनीतिक दल इस खेल को अच्छे तरीके से समझने लगे हैं। जिसके कारण सड़कों पर आकर विरोध करना और संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ जिस तरह का वातावरण बन रहा है, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कहीं से भी ठीक नहीं है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को सभी संवैधानिक संस्थाओं और सभी सरकारों के कार्यों की समीक्षा का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट संविधान के अनुसार यदि समय पर सुनवाई नहीं करती हैं या समय पर निर्णय नहीं करती हैं। जबकि उन्हें समीक्षा करने के बाद आदेश देने का पूर्ण अधिकार है। पिछले कुछ वर्षों से संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जिस तरह से तारीख पर तारीख का खेल खेला जा रहा है। अंतिम फैसला करने के स्थान पर अंतरिम आदेश देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। इसका फायदा त्वरित रूप से सत्तारूढ़ पार्टी को मिलता है। पीड़ित पक्ष इंतजार करता रह जाता है। संवैधानिक संस्थाओं की यह ट्रिक साँप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे। इस हालत को देखते हुए अब लोगों के सब्र का बांध टूटने लगा है। हाल ही में केंद्रीय चुनाव आयोग में जो विद्रोह देखने को मिल रहा है, वह इसी का परिणाम है। यदि समय रहते न्याय नहीं होगा, तो देश में अराजकता की स्थिति निर्मित होगी। लोकतंत्र कमजोर होगा। संवैधानिक संस्थाओं को अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही को समझना होगा। सुप्रीम कोर्ट जब अपने आपको असमर्थ और कमजोर मानने लगेगी, ऐसी स्थिति में अराजकता की स्थिति ही उत्पन्न होगी। संविधान ने न्याय पालिका को सर्वोच्च स्थान दिया है। उसकी समीक्षा के दायरे में सभी हैं।

जलवायु बदली, जल नीति कब?

कुमार कृष्णन

भारत में पानी का संकट केवल पानी की कमी का संकट नहीं है। यह पानी के असमान वितरण, बदलते वर्षा-चक्र, गिरते भूजल, बढ़ती मांग और नदियों को देखने की हमारी दृष्टि का भी संकट है। एक ही देश में कहीं बाढ़ जीवन और आजीविका बहा ले जाती है तो कहीं लोग पीने और सिंचाई के पानी के लिए तरसते हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि पानी कितना है, बल्कि यह भी है कि हम उसके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में नौवें इंडिया इंटरनेशनल वाटर वीक-2026 के उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने जल को जीवन और सभ्यताओं का आधार बताया। 22 से 26 सितंबर तक चल रहे इस आयोजन की थीम ह्यजलवायु-अनुकूल जल प्रबंधनह्न है। थीम जितनी सामयिक है, उससे बड़ा सवाल भी उतना ही सीधा है–जब जलवायु बदल चुकी है तो हमारी जल नीति कब बदलेगी?

उपराष्ट्रपति ने भारत की जल-विषमता की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि दुनिया की कुल भूमि का लगभग 2.4 प्रतिशत भारत में है, जबकि दुनिया की करीब 18 प्रतिशत आबादी यहां रहती है और मीठे पानी के वैश्विक संसाधनों में भारत की हिस्सेदारी लगभग चार प्रतिशत है। यह आंकड़ा केवल संकट की तस्वीर नहीं दिखाता, बल्कि उस भविष्य की ओर संकेत करता है जिसमें पानी के इस्तेमाल का मौजूदा तरीका ज्यादा समय तक नहीं चल सकता।

आबादी बढ़ेगी, शहर फैलेंगे, उद्योग बढ़ेंगे और कृषि की पानी की जरूरत बनी रहेगी। ऐसे में पानी को केवल उपलब्ध संसाधन मानकर उसका अधिकाधिक दोहन करना भविष्य के संकट को आमंत्रित करना है। उपराष्ट्रपति ने तमिलनाडु में अपने बचपन के दिनों की पानी की कमी को याद करते हुए पानी बचाने को मानवता के लिए आवश्यक बताया। अब यह चिंता किसी एक क्षेत्र की नहीं रह गई है।

जलवायु परिवर्तन ने वर्षा की प्रकृति, उसकी तीव्रता और वितरण को अधिक अनिश्चित बनाया है। कहीं कुछ घंटों में इतनी बारिश होती है कि शहर डूब जाते हैं और खेत तबाह हो जाते हैं, तो कहीं लंबे समय तक बारिश नहीं होती। फिर वही इलाका गर्मियों में पानी के संकट से जूझता है। बाढ़ और सूखा इसलिए दो अलग-अलग समस्याएं नहीं हैं। वे एक ही जलचक्र के दो छोर हैं।

पानी को जब उसकी प्राकृतिक गति में जगह नहीं मिलती तो अधिक बारिश बाढ़ बन जाती है। वर्षा का पानी जमीन में नहीं उतरता तो कुछ महीनों बाद वही क्षेत्र भूजल संकट से घिर सकता है। यही वह बिंदु है जहां जल प्रबंधन की पारंपरिक सोच बदलने की जरूरत है। उपराष्ट्रपति ने दो दशक से अधिक पहले तमिलनाडु में लगभग 19 हजार किलोमीटर की रथयात्रा का उल्लेख किया, जिसका एक उद्देश्य नदी जोड़ने, जल संरक्षण और जल प्रबंधन के प्रति जागरूकता पैदा करना था। नदियों को आपस में जोड़ने की परियोजनाओं पर देश में लंबे समय से बहस होती रही है। इस बहस को केवल समर्थन या विरोध के नारों तक सीमित करने के बजाय वैज्ञानिक कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

नदी केवल पानी की धारा नहीं है। उसका अपना प्रवाह, गाद, जैव-विविधता, भूजल से संबंध और किनारे रहने वाले समुदायों का जीवन होता है। इसलिए किसी भी नदी जोड़ परियोजना का मूल्यांकन पूरे नदी-बेसिन, पर्यावरणीय प्रवाह, गाद की गति और स्थानीय समाज पर उसके प्रभाव को ध्यान में रखकर होना चाहिए।

भारत की पारंपरिक जल प्रणालियां इस संदर्भ में महत्वपूर्ण संकेत देती हैं। तालाब, कुएं, आहर-पाइन, जोहड़ और बावड़ियां केवल पानी जमा करने की संरचनाएं नहीं थीं। वे स्थानीय जल अनुशासन का हिस्सा थीं। वर्षा कहां रुकेगी, खेत तक पानी कैसे पहुंचेगा और भूजल कैसे भरेगा–इन सवालों के स्थानीय उत्तर समाज ने अपने अनुभव से विकसित किए थे।

लेकिन परंपरा का अर्थ अतीत में लौटना नहीं है। पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ना होगा। स्थानीय अनुभव को जल-विज्ञान, उपग्रह आंकड़ों, भूजल अध्ययन और मौसम संबंधी पूवार्नुमानों से जोड़कर ही भविष्य की टिकाऊ जल व्यवस्था बनाई जा सकती है।

उपराष्ट्रपति ने नदी-बेसिन प्रबंधन, भूजल पुनर्भरण, वर्षाजल संचयन और बेहतर सिंचाई को एकीकृत रणनीति का हिस्सा बनाने की बात कही है। यह जल नीति के लिए जरूरी दिशा है। नदी किसी राज्य की सीमा देखकर अपना रास्ता नहीं बदलती। भूजल भी प्रशासनिक सीमा के आधार पर अपना व्यवहार नहीं करता। इसलिए जल सुरक्षा के लिए राज्यों के बीच सहयोग जरूरी है।

जल बंटवारे का प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि किस राज्य को कितना पानी मिलेगा। यह भी देखना होगा कि नदी और उसके पारिस्थितिकी तंत्र के लिए कितना पानी बचा रहेगा। नदी से जितना पानी लिया जा सकता है, उतना ले लेना और नदी को उसकी जरूरत के मुताबिक पानी देना एक बात नहीं है। पर्यावरणीय प्रवाह नदी की जीवन-रेखा है। मछलियों, डॉल्फिन, जलीय वनस्पतियों, नदी किनारे की जैव-विविधता और नदी पर निर्भर समुदायों का जीवन इसी प्रवाह से जुड़ा है।

इसी संदर्भ में जलाशयों की तलछट का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। जल सप्ताह के अवसर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग आधारित एकीकृत जलाशय तलछट प्रबंधन की शुरूआत की गई है। तकनीक जल प्रबंधन को अधिक सटीक और पूवार्नुमान आधारित बनाने में मदद कर सकती है। लेकिन गाद को केवल निकालकर बाहर कर देना समाधान नहीं है।

गाद नदी की प्राकृतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। उसका स्त्रोत, प्रवाह, जमाव और आगे का परिवहन समझे बिना केवल निकासी करने से समस्या दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जल प्रवाह और तलछट का आकलन कर सकती है, लेकिन नदी से जुड़े समुदायों के अनुभव का विकल्प नहीं हो सकती। तकनीक को निर्णय लेने का सहायक बनाना होगा, निर्णय का अकेला आधार नहीं।

कृषि जल उपयोग का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यहां जल दक्षता बढ़ाना जरूरी है। सिंचाई की बेहतर तकनीक, वर्षाजल का उपयोग और भूजल पर दबाव कम करना जल सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। लेकिन किसान से केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि वह कम पानी वाली फसल उगाए। फसल का बाजार, कीमत, खरीद व्यवस्था और किसान की आय भी जल नीति का हिस्सा हैं। पानी बचाने की पूरी कीमत यदि किसान ही चुकाएगा तो जल संरक्षण सामाजिक न्याय से दूर हो जाएगा।

शहरों में भी तस्वीर तेजी से बदल रही है। जल की मांग बढ़ रही है, लेकिन वर्षाजल को जमीन में उतारने की जगह कम होती जा रही है। प्राकृतिक जलधाराओं, तालाबों और भूजल पुनर्भरण क्षेत्रों पर बढ़ता दबाव वर्षा के पानी को जमीन में जाने से रोकता है। तेज बारिश में जलभराव और गर्मियों में पानी की कमी–दोनों एक ही शहरी नियोजन की कमजोरी का परिणाम हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

शरीर में चलेगी खाने योग्य बैटरी, काम के बाद खुद घुल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। वैज्ञानिकों ने ऐसी बैटरी विकसित की है, जो शरीर के अंदर कुछ समय तक छोटे मेडिकल उपकरणों को बिजली देने के बाद धीरे-धीरे खुद ही खत्म हो जाएगी। इससे बैटरी निकालने के लिए सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका शुरुआती परीक्षण सूअरों पर सफल रहा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से जुड़े जियोवानी ट्रैवर्सो और उनकी टीम ने इसे विकसित किया है। शोध नेचर केमिकल इंजीनियरिंग में प्रकाशित हुआ है। बैटरी में मैग्नीशियम और मोलिब्डेनम ट्राइऑक्साइड का इस्तेमाल किया गया है। 73% अमेरिकियों को एआई से बड़े नुकसान का डर अमेरिका में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर लोगों की चिंता बढ़ रही है। 73% अमेरिकियों का मानना है कि एआई बनाने वाली कंपनियां इससे होने वाले गंभीर नुकसान को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रही हैं। रॉयटर्स-इप्सोस के सर्वेक्षण में 39% लोगों ने एआई को समाज के लिए नकारात्मक बताया, जो अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। सर्वेक्षण में 55% लोगों ने एआई के विकास की रफ्तार धीमी करने को सही बताया, जबकि 13% ने इसे गलत कहा। वहीं 73% लोगों ने कहा कि दुनिया में एआई की दौड़ में आगे रहने से ज्यादा जरूरी इसका सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल सुनिश्चित करना है।

क्रैश फॉर कैश घोटाले में भारतीय मूल के पूर्व ब्रिटिश पुलिस अधिकारी को जेल

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में भारतीय मूल के एक पूर्व पुलिस अधिकारी को क्रैश फॉर कैश घोटाले में भूमिका के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद चार साल और पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। इस घोटाले में चोट लगने के झूठे दावे करके पैसे ऐंठे जाते थे। 42 साल का कुलदीप सिंह मेट्रोपॉलिटन पुलिस में अधिकारी था। तब वह एक ऐसे गिरोह में शामिल हुआ जो गाड़ियों की पूर्वनिर्धारित टक्कर करवाता था और बीमा कंपनियों से मुआवजे के लिए झूठे दावे करता था। कुलदीप ने इस साल की शुरुआत में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। उसे पांच साल के लिए कंपनी डायरेक्टर बनने से भी रोक दिया गया।

स्कूल गोलीबारी मामला: ओपनएआई और सैम ऑल्टमैन पर मुकदमा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दिग्गज कंपनी ओपनएआई और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन के खिलाफ अमेरिकी संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कंपनी फरवरी माह में देश के सबसे भीषण स्कूल गोलीबारी कांडों में से एक को अंजाम देने वाली 18 वर्षीय हमलावर की हिंसक चैटजीपीटी गतिविधियों के बारे में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सचेत करने में पूरी तरह विफल रही। सैन फ्रांसिस्को स्थित फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर मुकदमे के अनुसार, ओपनएआई की ह्यूमन रिव्यू टीम द्वारा चिन्हित किए जाने के बावजूद कंपनी ने हमलावर की संदेहास्पद चैट के बारे में सुरक्षा अधिकारियों को कोई सूचना नहीं दी।

श्रीलंका में ईस्टर के मौके पर किए थे बम धमाके: कोर्ट ने 15 आरोपियों को दी 220 साल की सजा, पांच साल चला केस

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के 2019 ईस्टर संडे बम धमाकों के मामले में करीब पांच साल चली सुनवाई के बाद अदालत ने 24 आरोपियों में से 15 को दोषी ठहराया और प्रत्येक को 220 साल के कठोर कारावास की सजा दी। नौ आरोपियों को बरी किया गया। मामले में 2,309 अभियोजन गवाहों ने गवाही दी। हमलों के बाद आतंकवादी साजिश के साथ-साथ सुरक्षा तंत्र की नाकामी को लेकर तत्कालीन राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व पर भी गंभीर सवाल उठे थे। कोलंबो परमानेंट हाई कोर्ट ट्रायल-एट-बार की तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। 21 अप्रैल 2019 को श्रीलंका में सिलसिलेवार आत्मघाती धमाकों ने पूरे देश को हिला दिया था। स्थानीय इस्लामिक चरमपंथी संगठन नेशनल तौहीद जमात से जुड़े नौ आत्मघाती हमलावरों ने तीन कैथोलिक चर्चों और तीन लग्जरी होटलों को निशाना बनाया था। इन हमलों में करीब 270 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें 11 भारतीय भी शामिल थे। 500 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। संगठन के ढ्ढस्ढ्ढस् से जुड़े होने की बात सामने आई थी। कोलंबो परमानेंट हाई कोर्ट ट्रायल-एट-बार ने 15 दोषियों को 220-220 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना को दिल्ली में मिला हाईएस्ट शुगर रिकवरी का नेशनल अवॉर्ड

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने क्षेत्रवासियों, किसानों एवं कारखाना कर्मचारियों को दी बधाई

कवर्धा। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए हाईएस्ट शुगर रिकवरी इन अदर एरिया का नेशनल एफिशिएंसी अवॉर्ड प्राप्त किया है। छत्तीसगढ़ के लिए यह विशेष गौरव का अवसर है कि राज्य में पहली बार किसी सहकारी शक्कर कारखाने को इस श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ में नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन द्वारा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए भव्य नेशनल एफिशिएंसी अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथियों के रूप में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर सहित विभिन्न राज्यों के सहकारिता मंत्री उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन देश के सहकारी शक्कर कारखानों का राष्ट्रीय संगठन है, जिसमें विभिन्न राज्यों के स्टेट फेडरेशन तथा 260 से अधिक सहकारी शक्कर कारखाने सदस्य हैं। फेडरेशन सहकारी शक्कर कारखानों एवं उनसे जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषयों पर कार्य करता है। नीतिगत एवं तकनीकी विषयों पर भारत सरकार को सुझाव देने के साथ ही सहकारी शक्कर कारखानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना भी इसके प्रमुख कार्यों में शामिल है। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने किसानों की समृद्धि में शक्कर कारखानों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए शक्कर कारखानों के सह-उत्पादों के अधिकतम उपयोग और उनके वैल्यू एडिशन पर विशेष जोर दिया।

लगातार दो वर्षों के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान

समारोह में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा को वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए हाईएस्ट शुगर रिकवरी इन अदर एरिया का नेशनल अवॉर्ड केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। कारखाने की ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार आयुक्त सहकारिता, छत्तीसगढ़ श्री रमेश शर्मा (ढ्ढस्), सहकारिता विभाग के ओएसडी श्री युगल किशोर, कारखाने के प्रबंध संचालक, महाप्रबंधक एवं इंजीनियर द्वारा संयुक्त

रूप से ग्रहण किया गया। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने हर्ष व्यक्त करते हुए इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए क्षेत्रवासियों, कारखाने से जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा स्थापना के समय से ही क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कारखाना गन्ना उत्पादक किसानों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गन्ना विकास, उन्नत कृषि तकनीक, प्रशिक्षण एवं किसान कल्याण की विभिन्न गतिविधियों का संचालन भी कर रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में विगत दो वर्षों की प्रमुख उपलब्धियां

1. लगभग 5 हजार नए गन्ना किसानों को कारखाने की सदस्यता

गन्ना उत्पादक किसानों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए कई वर्षों बाद कारखाने में गन्ना आपूर्ति करने वाले लगभग 5 हजार नए गन्ना उत्पादक किसानों को शेयर प्रदान कर कारखाने की सदस्यता दी गई। इससे बड़ी संख्या में नए किसान सीधे कारखाने की सहकारी व्यवस्था से जुड़े हैं।

2. शेयरधारक किसानों को रियायती दर पर शक्कर

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना द्वारा शेयरधारक किसानों को रियायती दर पर शक्कर उपलब्ध कराने का यह लगातार तीसरा वर्ष है। योजना के अंतर्गत शेयरधारक किसानों को 30 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर से 50 किलोग्राम शक्कर उपलब्ध कराई जाती है।

3. जैविक खाद के लिए रियायती दर पर प्रेसमड

कारखाने से जुड़े शेयरधारक गन्ना किसानों को जैविक खाद के रूप में उपयोग के लिए प्रेसमड भी रियायती दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। किसानों को 1,000 रुपये प्रति ट्रैक्टर की रियायती दर पर प्रेसमड दिया जाता है।

4. गन्ना किसानों के लिए शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण

गन्ना किसानों को आधुनिक एवं उन्नत गन्ना उत्पादन तकनीकों से परिचित कराने के लिए कारखाना समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। किसानों को उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं गुजरात जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में अध्ययन एवं प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है। इसके अंतर्गत किसानों को गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे तथा कृषि विज्ञान केंद्र, बारामती जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में गन्ने की उन्नत खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण दिलाया जाता है। इसके अतिरिक्त देश के विभिन्न हिस्सों से गन्ना उत्पादन एवं अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों को सेमिनार तथा क्षेत्रीय अध्ययन के लिए आमंत्रित किया जाता है।

5. उन्नत प्रजाति के गन्ना बीज एवं पौध का रियायती दर पर वितरण

क्षेत्र में गन्ने की उत्पादकता एवं गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से कारखाना गन्ना विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। इसके अंतर्गत वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे सहित महाराष्ट्र के प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्रों से उन्नत प्रजाति के गन्ना बीज एवं पौध मंगाकर किसानों को रियायती दर पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस वर्ष कारखाने के प्रयास से लगभग 1,000 एकड़ क्षेत्र में नई एवं उन्नत प्रजातियों के गन्ने का रोपण कराया गया है। इसके साथ ही कारखाना परिसर की उपलब्ध अतिरिक्त भूमि में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में डेमोंस्ट्रेशन प्लॉट विकसित किए गए हैं, जहां उन्नत गन्ना प्रजातियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इससे स्थानीय किसान नई प्रजातियों के उत्पादन एवं परिणामों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर उन्हें अपनाने के संबंध में निर्णय ले सकेंगे।

6. कर्मचारी एवं श्रमिक कल्याण की पहल

कारखाने से जुड़े कर्मचारियों एवं श्रमिकों के कल्याण के लिए भी विभिन्न पहल की गई हैं। श्रम विभाग के सहयोग से कारखाना परिसर में मुख्यमंत्री श्रम अन्न योजना के अंतर्गत कैंटीन स्थापित की गई है, जहां श्रमिकों को मात्र 5 रुपये प्रति थाली की दर से गर्म भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त शासन के निर्देशानुसार कर्मचारियों एवं श्रमिकों के स्वास्थ्य की नियमित जांच के लिए समय-समय पर हेल्थ चेकअप कैंप एवं अन्य कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

राष्ट्रीय पुरस्कार से गन्ना उत्पादक किसानों और कर्मचारियों का बढ़ा उत्साह

लगातार दो वर्षों के लिए हाईएस्ट शुगर रिकवरी का राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने से भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना से जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों में उत्साह है।

पाकिस्तान ने 2 हजार पूर्व अफगान सैनिक भर्ती किए

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान में बलूच विद्रोहियों के बढ़ते हमलों से पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बल पर दबाव बढ़ रहा है। इनसे निपटने के लिए पाकिस्तान ने 2,000 पूर्व अफगान सैनिकों और पुलिसकर्मियों भर्ती किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें ज्यादातर वे अफगान सैनिक हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना के साथ तालिबान के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। एक पूर्व अफगान सैनिक के मुताबिक, भर्ती हुए लोगों को हर महीने 40 हजार पाकिस्तानी रुपए, यानी करीब 13,807 भारतीय रुपए मिलते हैं।

बलूचिस्तान में 2 महीने में 172 हमले, 68 सुरक्षाकर्मी मारे गए : बलूचिस्तान में सुरक्षा ऑपरेशन चलाए जाने के बावजूद विद्रोही थानों, सरकारी दफ्तरों और हाईवे को निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान की सुरक्षा और हिंसा से जुड़े मामलों पर रिसर्च करने वाली संस्था क्क्ढ्ढष्टस्स् के मुताबिक, दो महीने में बलूचिस्तान में 172 हमले हुए। अकेले जुलाई में विद्रोही हमलों और सुरक्षा ऑपरेशन के दौरान 62 सुरक्षाकर्मी मारे गए। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नौश्की शहर में विद्रोहियों से नियंत्रण वापस लेने के लिए पाकिस्तानी सेना को हेलिकॉप्टर और ड्रोन का इस्तेमाल करना पड़ा। तालिबान की वापसी के बाद नौकरी गई, आर्थिक तंगी ने भर्ती को मजबूर किया अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद कई पूर्व अफगान सैनिकों की नौकरी और तनख्वाह बंद हो गई। बदले के डर से इनमें से कई पाकिस्तान चले आए। 2021 से 2023 के बीच पूर्व सैनिकों और सुरक्षाकर्मियों की 218 हत्याएं हुईं। ऐसे माहौल में उनके लिए अफगानिस्तान वापस जाना मुश्किल था। पाकिस्तान आने के बाद इन लोगों के पास कोई काम नहीं था। पैसों की दिक्कत बढ़ती गई। ऐसे में जब सुरक्षा बल में नौकरी मिली, तो उन्होंने इसे अपना लिया। पाकिस्तान को इन सैनिकों से क्या फायदा? इन पूर्व अफगान सैनिकों को हथियार चलाने और लड़ाई का पहले से अनुभव है। वे तालिबान के खिलाफ लड़ चुके हैं और सीमावर्ती इलाकों में काम कर चुके हैं। इसलिए उन्हें सुरक्षा से जुड़े काम समझाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। पाकिस्तान के लिए इसका एक फायदा यह भी है कि इन लोगों को पहले से सैन्य ट्रेनिंग मिली हुई है।

न्यूयॉर्क: यूएन मुख्यालय के पास मिला संदिग्ध पैकेट, बम की आशंका, सुरक्षा एजेंसिया अलर्ट; पुलिस ने क्या बताया?

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में मंगलवार को एक संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। यह पैकेट 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के पास मिला था। मामला संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से कुछ ही दूरी का था, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकारों के प्रमुख महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने 42वीं स्ट्रीट से 44वीं स्ट्रीट तक और सेकंड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू के बीच का इलाका बंद कर दिया। लोगों से इस क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान न्यूयॉर्क में मंगलवार को एक संदिग्ध पैकेट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गईं। यह पैकेट 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के पास मिला था। मामला संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय से कुछ ही दूरी का

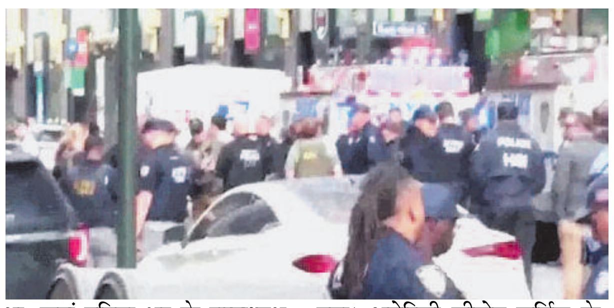

था, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और सरकारों के प्रमुख महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में हिस्सा ले रहे हैं। एहतियात के तौर पर पुलिस ने 42वीं स्ट्रीट से 44वीं स्ट्रीट तक और सेकंड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू के बीच का इलाका बंद कर दिया। लोगों से इस क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई।

जांच के बाद पैकेट को लेकर क्या सामने आया : न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बाद में बताया कि पैकेट की जांच कर ली गई है और उसे संदिग्ध नहीं पाया गया। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता के अनुसार, 22 सितंबर को करीब दोपहर तीन बजे सुरक्षा एजेंसियों और उनके सहयोगी दलों ने 43वीं स्ट्रीट और थर्ड एवेन्यू के आसपास के रास्ते एहतियात के तौर पर बंद किए थे। जांच के बाद साफ हुआ कि इस सामान से आम लोगों को कोई खतरा नहीं था। इसके बाद इलाके को फिर से खोला गया। हालांकि पुलिस ने 43वीं स्ट्रीट के थर्ड एवेन्यू से लेक्सिंगटन एवेन्यू तक के हिस्से को कुछ समय के लिए बंद रखा।

इलाके में मौजूद लोगों ने क्या बताया : घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने इलाके में भारी सुरक्षा व्यवस्था देखी। पास की एक इमारत में काम करने वाले न्यूयॉर्क निवासी ने बताया कि सड़कें बंद होने के साथ कई मोटरकेड भी इलाके से गुजर रहे थे। उसने स्थिति को बेहद तनावपूर्ण बताया और लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि थर्ड एवेन्यू को 42वीं स्ट्रीट के उत्तर में कुछ घंटों के लिए घेर दिया गया था। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे। उसने बताया कि उसे लगा कि कोई सूटकेस या सामान मिला था, जिसकी पुलिस जांच कर रही थी। यह घटना ऐसे समय हुई, जब न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा का 81वां सत्र चल रहा है। उच्चस्तरीय आम बहस 22 से 26 सितंबर और फिर 28 सितंबर को होनी है।

ब्रिटेन के नए पीएम से मिले ट्रंप: दोनों देशों के रिश्तों को बताया बेहतर, चागोस द्वीप समझौते पर भड़के ?

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम से पहली मुलाकात में दोनों देशों के रिश्तों को लेकर सकारात्मक संकेत दिए। ट्रंप ने बर्नहम को कारोबार समझने वाला नेता बताया, लेकिन चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने की ब्रिटेन की योजना पर कड़ी आपत्ति जताई। रणनीतिक रूप से अहम डिएगो गार्सिया को लेकर दोनों देशों के बीच क्या मतभेद हैं? बर्नहम इसे कैसे सुलझाएंगे? आइए, सबकुछ विस्तार से जानते हैं... अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम की न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पहली

आमने-सामने मुलाकात हुई। करीब तय समय से ज्यादा चली इस बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, यूक्रेन, फॉकलैंड द्वीप, ईरान और सुरक्षा समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद ट्रंप ने बर्नहम की तारीफ करते हुए उन्हें कारोबार की समझ रखने वाला नेता बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन के साथ अमेरिका के रिश्ते पिछले प्रधानमंत्री की तुलना में अब बेहतर हैं। बर्नहम ने भी कहा कि दोनों नेताओं के बीच अच्छी समझ बनी है।

चागोस द्वीप समझौते पर ट्रंप ने क्यों जताई आपत्ति : दोनों नेताओं के बीच सबसे बड़ा मतभेद हिंद महासागर में स्थित चागोस द्वीप समूह को लेकर सामने आया। ब्रिटेन ने मॉरीशस को इस द्वीप समूह की संप्रभुता देने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही डिएगो गार्सिया द्वीप पर मौजूद रणनीतिक अमेरिकी-ब्रिटिश सैन्य अड्डे को लंबे समय तक इस्तेमाल करने की व्यवस्था रखी गई है। हालांकि, इस समझौते को लागू करने के लिए जरूरी ब्रिटिश कानून की प्रक्रिया अमेरिकी विरोध के बाद रुक गई है। ट्रंप ने बैठक के बाद इस समझौते को बेहद खराब करार दिया और कहा कि डिएगो गार्सिया सैन्य और रणनीतिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रंप की आपत्ति के बावजूद बर्नहम ने समझौते से पीछे हटने का ऐलान नहीं किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन अमेरिका के साथ मिलकर ऐसा रास्ता निकालने के लिए काम कर रहा है, जिससे डिएगो गार्सिया का सैन्य इस्तेमाल लंबे समय तक जारी रह सके। ब्रिटेन पहले ही मॉरीशस के साथ संधि कर चुका है, लेकिन इसे लागू करने के लिए संसद की मंजूरी अभी बाकी है। बर्नहम ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नविन रामगुलाम से भी बातचीत की है और दोनों पक्षों के विदेश मंत्रियों की संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान बैठक की बात कही गई है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा: कश्मीर पर भाषण दे रहे थे एर्दोगन, उधर फोन पर रील्स देखते नजर आए सीरियाई राष्ट्रपति

न्यूयॉर्क , एजेंसी। एक तरफ न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) का मंच सजा है, जहां दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष और नेता वैश्विक चुनौतियों, युद्ध, शांति और कूटनीति जैसे गंभीर मुद्दों पर अपनी बात रख रहे है। इस बीच महासभा में हर नजर नेताओं के भाषण और अहम बैठकों पर थी। लेकिन इसी दौरान सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शारा का एक अलग ही अंदाज कैमरे में कैद हुआ। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा में गंभीर चर्चा चल रही थी, उस वक्त उनका ध्यान अपने फोन पर नजर आया। वह उस समय फोन पर इंस्टाग्राम रील्स देखते हुए दिखाई दिए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

क्या है पूरा मामला : कुर्दिस्तान 24 की रिपोर्ट के अनुसार, यूएनजीए के एक अनौपचारिक फुटेज में अल-शारा को तब आराम से अपना फोन इस्तेमाल करते, इंस्टाग्राम स्क्रॉल करते और रील्स भेजते हुए देखा गया, जब तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन पोडियम से भाषण दे रहे थे। वहीं, बता दें कि यह दूसरी बार है जब अल-शारा यूएनजीए में शामिल हुए हैं। इससे पहले 2025 में, लगभग 60 वर्षों में यूएनजीए में विश्व नेताओं को संबोधित करने वाले सीरिया के पहले प्रतिनिधि के तौर पर उन्होंने हिस्सा लिया था।

एर्दोगन अपने भाषण में क्या कहा : इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान एर्दोगन ने मंगलवार को कहा, 'दक्षिण एशिया में यह महत्वपूर्ण है कि कश्मीर मुद्दे सहित सभी विवादों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और संबंधित प्रस्तावों के तहत बातचीत के जरिए सुलझाया जाए।' एर्दोगन पिछले कुछ वर्षों से संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से कश्मीर का मुद्दा उठाते रहे हैं। भारत ने उनके ऐसे बयानों पर लगातार आपत्ति जताई है।

2019 में की थी क्या टिप्पणी : एर्दोगन ने 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा हटाए जाने के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर पर टिप्पणी की थी। सितंबर 2019 में 74वें यूएन महासभा के सत्र में उन्होंने कहा था कि 80 लाख लोग लगभग नाकाबंदी में हैं और दुर्भाग्य से कश्मीर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पिछले 72 वर्षों में इस विवाद पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे सका। एर्दोगन की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। भारत ने तुर्किये से दूसरे देशों की संप्रभुता का सम्मान करने और भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी से बचने को कहा था। एर्दोगन ने इसके बाद भी संयुक्त राष्ट्र महासभा के अपने संबोधनों में कश्मीर का जिक्र किया। 2021 में उन्होंने कश्मीर को 74 साल से जारी समस्या बताया था और ऐसा समाधान निकालने की बात कही थी जो हमारे कश्मीरियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करे। भारत ने तब भी उनके बयान पर आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि एर्दोगन की लगातार टिप्पणियां इतिहास और कूटनीति की समझ को नहीं दर्शाती हैं।

अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ने बच्चों के लिए वैश्विक प्रौद्योगिकी और शिक्षा गठबंधन का दायरा बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने बच्चों के लिए 57 देशों तक अपने वैश्विक प्रौद्योगिकी और शिक्षा गठबंधन का दायरा बढ़ाया है। उन्होंने छह बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी की घोषणा की है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के साथ आयोजित एक सभा के दौरान मेलानिया ट्रंप ने 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' के विस्तार की जानकारी दी। उन्होंने ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, पोलैंड, यूक्रेन, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, पनामा और कनाडा समेत कई देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, 'हम सब मिलकर संस्कृतियों, भाषाओं, इतिहास और परंपराओं का एक सुंदर संगम हैं। फिर भी, हम एक शाश्वत सत्य के लिए एकजुट हैं। हमारी दुनिया का भविष्य इस बात से तय होगा कि आज हम अपने बच्चों के लिए क्या करते हैं। '

'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' का उद्देश्य बच्चों की प्रौद्योगिकी और शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना है। साथ ही, उन्हें नए उपकरणों का इस्तेमाल करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल विकसित करने में मदद करना है।

अमेरिका की प्रथम महिला ने कहा कि युवाओं को सशक्त बनाने के लिए केवल प्रौद्योगिकी तक पहुंच ही पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि बच्चों को यह भी

सीखना चाहिए कि नई टेक्नोलॉजी का जिम्मेदारीपूर्वक और प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने कहा, 'हम मानव इतिहास के एक असाधारण दौर में जी रहे हैं। हम एक तकनीकी क्रांति की दहलीज पर एक साथ खड़े हैं। नए निजी क्षेत्र के साझेदार एडोब, अमेजन, गूगल, इंटेल, स्टारलिंक और जूम हैं। इस कार्यक्रम में एप्पल के टिम कुक और पेपाल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एनरिक लोरेस भी उपस्थित थे।

उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वीडियो कॉलिंग, मोबाइल कंप्यूटर, स्वचालित वाहन, आभासी वातावरण और बायोमेट्रिक पहचान को उन प्रौद्योगिकियों के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जो विज्ञान कथाओं से निकलकर रोजमर्रा की जिंदगी में आ चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता पूरे व्यावसायिक क्षेत्र को बदल रही है और मानवता के लिए अब तक उपलब्ध जानकारी के सबसे बड़े भंडार तक पहुंच के दायरे को बढ़ा रही है। लेकिन सिर्फ पहुंच ही सशक्तिकरण नहीं है। हमें अपने बच्चों को टूल्स देने होंगे और उन्हें यह सिखाना होगा कि उन टूल्स का समझदारी से इस्तेमाल कैसे किया जाए।' प्रथम महिला ने 2026 के शेष बचे समय के लिए 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' के चार कार्यक्रमों की भी घोषणा की। वह दिसंबर में फ्लोरिडा के मियामी में गठबंधन के पहले जी20 कार्यक्रम की मेजबानी करेंगी। फिलीपींस की प्रथम महिला लिजा अरानेटा मार्कोस मनीला में आसियान सम्मेलन के दौरान एक कार्यक्रम की मेजबानी करेंगी। पोलैंड की प्रथम महिला मार्टा नवरोका एक यूरोपीय क्षेत्रीय बैठक का आयोजन करेंगी, जबकि सेंट किट्स और नेविस के डियानी प्रिंस-डू कैरेबियन सम्मेलन की मेजबानी करेंगी। उन्होंने जीवनसाथियों और अन्य नेताओं से बच्चों को ज्ञान के नए क्षेत्रों का पता लगाने, सोच-समझकर जोखिम उठाने और सामाजिक प्रगति में योगदान देने में मदद करने का आह्वान किया। मेलानिया ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य शुरू में सरकारों को एक साझा लक्ष्य के लिए एकजुट करना था।

ऐसी 5 बीमारियां, जिनके कारण डिप्रेशन में आ जाती हैं महिलाएं

महिलाएं अक्सर जिन बीमारियों को चुपचाप सहन करती हैं, इनमें मेनरेजिया (असामान्य रूप से ज्यादा दिनों तक अत्यधिक रक्त स्राव वाला मासिक धर्म), गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन से उपजा माइग्रेन और गर्भाशय में ट्यूमर (फाइब्रॉएड) प्रमुख रूप से शामिल हैं। गर्भाशय के ट्यूमर युवतियों या महिलाओं को किसी भी उम्र में हो सकते हैं। गर्भाशय के ट्यूमर निकालने के लिए अनुष्का को पहले मायोमेक्टॉमी नामक सर्जरी की जरूरत थी और बाद में हिस्टेरेक्टॉमी जैसी सर्जरी की।

मायमेक्टॉमी एक ऐसी सर्जरी है, जिसमें गर्भाशय के ट्यूमर को ऑपरेशन के जरिए निकाला जाता है। हिस्टेरेक्टॉमी एक ऐसा ऑपरेशन है, जिसमें महिला के यूट्रस या गर्भाशय को निकाल दिया जाता है। इस कारण से उनमें भविष्य में मां बनने की संभावना खत्म हो जाती है।

मेनरेजिया

लड़कियों या महिलाओं का जब मासिक धर्म सात या इससे ज्यादा दिन का होता है और जब अक्सर बहुत ज्यादा खून जाता है तो इस हालत को मेनरेजिया कहते हैं। स्त्रियों को मेनरेजिया रोग होने के कई कारण हैं, जिनमें एंडोमेट्रियोसिस, एडेनेमायोसिस और यूट्राइन फाएब्रॉइड शामिल हैं।

एंडोमेट्रियोसिस

एंडोमेट्रियोसिस दर्दनाक विकार है, जिसमें सामान्य रूप से किसी स्त्री के गर्भाशय के अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय के बाहर बढ़ती है और वे गर्भाशय नलियों (फैलोपियन ट्यूब), अंडाशय (ओवरीज) और शरीर के अन्य अंगों पर विकसित होने लगती हैं। डॉक्टर अब तक यह नहीं जानते कि ऐसा क्यों होता है? भारत की 2.5 करोड़ महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। अंडाशय वह अंग है जहां पर औरत को मां बना सकने वाले अंडे बनते हैं। अंडे वह, जो स्पर्म (शुक्राणु) के साथ मिलकर बच्चा बना सकें।

एडेनोमायोसिस

इसमें गर्भाशय की सबसे अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय की भीतरी दीवार (मायोमेट्रियम) के साथ मिल जाती हैं, जिस कारण से पीरियड्स ज्यादा लंबे और तकलीफदेह हो जाते हैं।

यूट्राइन फाएब्रॉइड

गर्भाशय में पनपने वाले ट्यूमर को यूट्राइन फाएब्रॉइड कहते हैं। गर्भाशय फाएब्रॉइड, गर्भाशय में मांसपेशियों के ऊतकों से गैर-कैंसरजन्य वृद्धि है। कुछ महिलाओं के शरीर में गर्भाशय फाइब्रॉएड क्यों बनते हैं, इसका सटीक कारण मालूम नहीं है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि शरीर में फाएब्रॉइड पनपने की वजह आनुवांशिक या हार्मोनल असंतुलन हो सकती है। डॉक्टर अक्सर मेनरेजिया और गर्भाशय फाएब्रॉइड दोनों को मैनेज करने के लिए जन्म रोकने वाली दवा-गोलियां देते हैं। इन गोलियों में मौजूद एस्ट्रोजन हार्मोन कुछ महिलाओं को तेज सरदर्द और माइग्रेन दे सकता है। अनुष्का शंकर को भी महीने में तीन से चार बार माइग्रेन होता था।

फाएब्रॉइड और मायोमेक्टोमी

गर्भाशय में मौजूद ट्यूमर को निकालने के लिए जो सर्जिकल प्रोसिजर या ऑपरेशन किए जाते हैं, उन्हें मायोमेक्टॉमी कहते हैं। इस ऑपरेशन के दौरान गर्भाशय को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। अपने ट्वीट में, अनुष्का ने कहा कि 26 साल की उम्र में उनकी एक सफल मायोमेक्टोमी हुई थी। इस ऑपरेशन के बाद उसके दो बेटे पैदा हुए।

ऐसा बहुत कम है, जो हम फाएब्रॉइड के बारे में निश्चित तौर पर कह सकते हैं। पहली बात यो यह है कि शरीर में फाएब्रॉइड कहीं भी दिखाई दे सकते हैं। ये गर्भाशय की बाहरी सतह पर, इसकी दीवार के भीतर, या यह एक छोटे से तंतु के जरिए गर्भाशय की दीवार से जुड़ा होते हैं। फाइब्रॉइड धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं या वे कई वर्षों तक छोटे रह सकते हैं और फिर अचानक बढ़ सकते हैं। फाएब्रॉइड की मौजूदगी के लक्षण भी अलग-अलग पेशेंट्स के लिए काफी अलग-अलग हो सकते हैं- बेहद तकलीफदेह पीरियड्स से लेकर रक्त की कमी वाली बीमारी एनीमिया, पीठ के निचले हिस्से में दर्द या तकलीफदेह संभोग जैसी भिन्नताएं देखी जा सकती हैं। हम ऐसी भिन्न स्थितियां बनने के कारणों के बारे में भी कुछ निश्चित कहने की स्थिति में नहीं हैं।

हिस्टेरेक्टॉमी और डिप्रेशन

अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में अनुष्का ने लिखा कि हिस्टेरेक्टॉमी के विचार ने उन्हें शॉर्ट-टर्म डिप्रेशन यानी अल्पकालिक अवसाद की हालत में भेज दिया। इस खबर से मेरे मन में कई किस्म के डर थे। जैसे, अपने स्त्रीत्व को लेकर भय, भविष्य में और बच्चे पैदा करने की मेरी संभावित इच्छा, सर्जरी में मरने का डर, मेरे बच्चों को बिना मां के छोड़ने का भय, मेरी सेक्स लाइफ में बदलाव और असर का भय... और भी बहुत कुछ। शोध आधारित एक अनुमान के अनुसार, हिस्टेरेक्टॉमी के दौरान वैश्विक मृत्यु दर एक प्रतिशत है। आंत्र, मूत्राशय या मूत्रवाहिनी को नुकसान, रक्तस्राव, डिम्बग्रंथि विफलता और संक्रमण जैसी जटिलताओं की आशंका भी बनी रहती है। इस संबंध में प्रजनन संबंधी बीमारियों का सामना कर रही महिलाओं का उनके निदान के बारे में उदास महसूस करना आम है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में ही हिस्टेरेक्टोमी को लेकर ऐसी धारणा है। हमें यह समझना होगा कि यह एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जो महिलाओं का जीवन बचा सकती है। महिलाओं पर निश्चित तरीके से रहने और एक निश्चित तरीके से चीजों को देखने के लिए बहुत दबाव है।

रेसिपी

शीर खुरमा

सामग्री

- सेंवई:100 ग्राम
- घी: 1 टेबलस्पून
- दूध: 3 लीटर
- शक्कर: 250 ग्राम
- पिसा हुआ चावल: 10-12 टेबलस्पून
- हरी इलायची के दाने पिसे हुए: 4-5
- 1 कप मिल्क पाउडर
- खारक रातभर पानी में भिगोकर रखे :100 ग्राम
- बादाम बारीक कटे हुए: 50 ग्राम
- किशमिश: 50 ग्राम
- पिस्ता: 50 ग्राम
- नारियल के बारीक कतले: 50 ग्राम
- केवड़ा: 1 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले इलायची पाउडर, चावल के पाउडर और शक्कर को थोड़े से दूध में घोलकर अलग रखे लें। इसके बाद धीमी आंच पर घी गर्म करके उसमें सेंवईयों को सुनहरा भूरा होने तक भूनें। सेंवईयों के भूरा होने पर उसे एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें। अब एक बर्तन में दूध उबाल लें। उबलते दूध में इलायची पाउडर, शक्कर और पिसा हुआ चावल डालकर दूध को मध्यम आंच पर गाढ़ा होने तक उबालें हुए बीच-बीच में चलाते रहें। अब इसमें खारक, बादाम, किशमिश, पिस्ता, नारियल और सेंवई डाल दें। सेंवई के नर्म होने तक पकाएं। सेंवईयों के पकने पर उसे आंच से उताकर उसमें केवड़ा की कुछ बूंदे डालकर ड्रायफ्रूट्स से सजाकर मेहमानों को सर्व करें।

बूंदी के लड्डू

सामग्री

- दरदरा पिसा हुआ बेसन: 3 कटोरी
- चीनी: 2 कटोरी
- इलायची पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- केसर: 5-6 लच्छे
- मीठा पीला रंग: चुटकी भर
- दूध: पाव कप
- तलने के लिए देसी घी

विधि

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले बेसन को छानकर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें। अब एक बर्तन में पानी और चीनी डालकर उसकी एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसलकर डाल दें। थोड़ी देर बाद इसमें पिसी इलायची मिला दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की चलनी की सहायता से सारे घोल की धीरे-धीरे करके बूंदी बनाते जाएं। अब इस बूंदी को चाशनी में डाल दें। जब बूंदी पूरी तरह चाशनी पी लें, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगाकर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डूओं से भोग लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2597

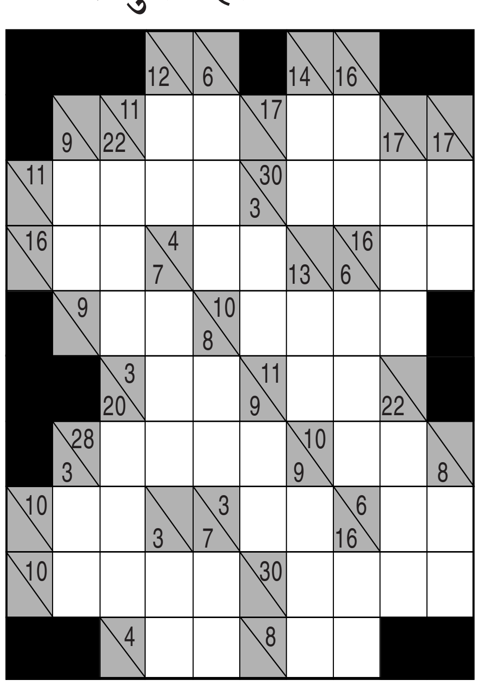

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

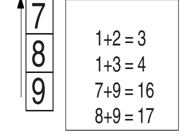

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2596 का हल

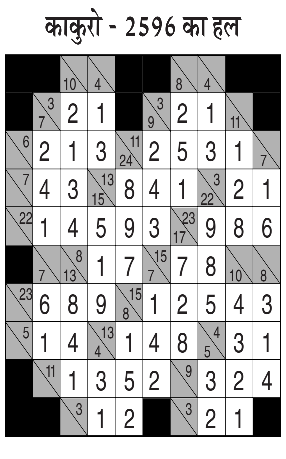

लॉफिंग ज़ोन

जज (शराबी से)- 'एक ही बैठक में तुम पूरी दो बोतल शराब पी गए. ऐसी भी क्या मजबूरी थी?'

शराबी (जज से)- 'मेरे सामने और कोई रास्ता नहीं था. दोनो बोतलों के ढक्कन गुम हो गए थे.'

☺ ☺ ☺

चुनाव का मौसम चल रहा था. लोग जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे. अचानक थोड़ी देर में वही लोग मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे. इस परिवर्तन ने पत्रकार का ध्यान खीचा. उसने नारा लगाने वाले एक व्यक्ति से पूछा- भाई साहब अभी तो आप लोग सब जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे अब मुर्दाबाद के नारे क्यों लगाने लगे.

व्यक्ति (पत्रकार से)- साहब जी उन्होंने जिन्दाबाद चिल्लाने के लिए सिर्फ पंद्रह मिनट के लिए पैसे दिये थे और अब सोलह मिनट हो गये हैं.

☺ ☺ ☺

मच्छरों की मनमानी से परेशान होकर एक महिला कैमिस्ट की दुकान पर गयी और बोली, 'आजकल मच्छर बहुत हो गये है, मच्छरों के काटने से मेरे बच्चे बहुत परेशान हैं, कोई दवाई दे दीजिए.' कैमिस्ट ने तेल की छोटी शीशी दे दी.

महिला ने तुरंत पूछा, 'यह बच्चों को लगानी है या मच्छरों को.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2597

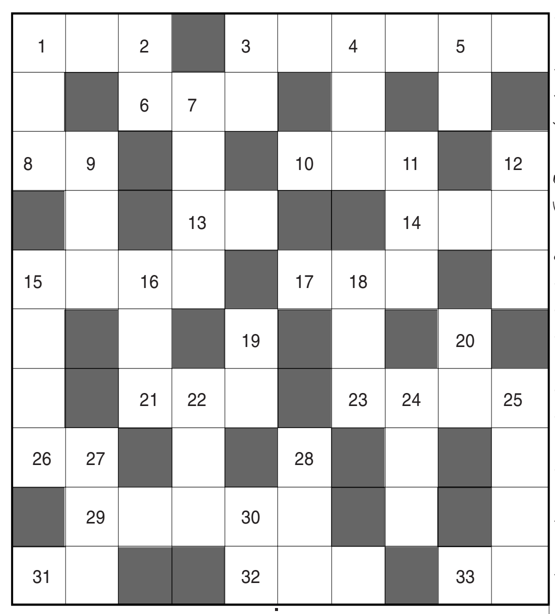

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2596

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	शा		
ल	व	स्टो	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	रा	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रो	श
	मो			सु	र		रा		बू
आ	शी	र्वा	द		ग	द	र		
र्मी			स	न	म			यु	वा

सूडोकु -2597

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2596 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 2597

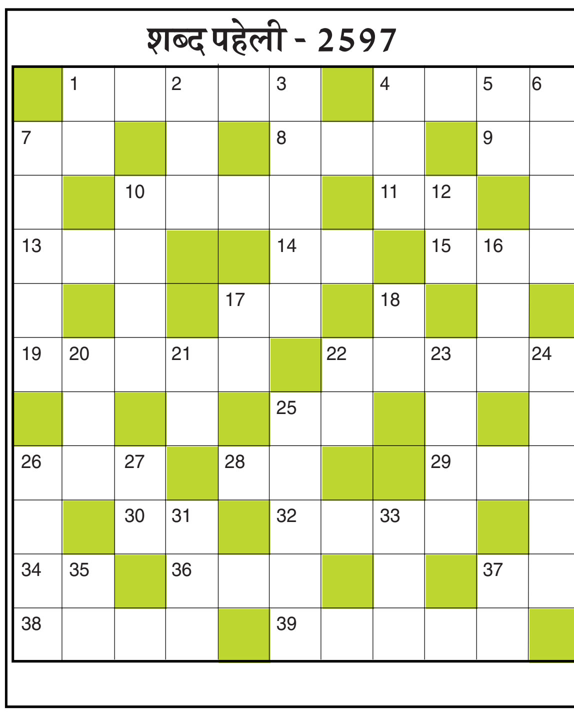

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -2596 का हल

आ	स		म	न		रा	ख		फां	श
म	न	न		शा	न		र	न		क
	म	क	र		त	न		र	म	
का		ल	ह	जा		भ	ला		द	म
या	क		ना	ति	न		वा	द		र्ज
	र	वा		य	म	ज		म	जा	
न		दा	स		क	त	रा		र	मा
व	न		ही	ना		न	ज	र		ला
	ल	त		ज	रा		न	म	न	
का		न	शा		त	र		ल	क	वा
ल	क्ष्य		क	र्ज		थ	ल		ल	त

मप्र के ओरछा में भगवान रामराजा सरकार ने किया जलविहार, पुलिस ने दी सलामी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की ऐतिहासिक पर्यटन नगरी ओरछा में बरसों पुरानी परम्परा के अनुसार भाद्रपद शुक्ल द्वादशी के अवसर पर श्री रामराजा सरकार ने बेतवा नदी में जलविहार किया। इस दौरान शहर के गणेश पंडालों से भी गणेश प्रतिमाओं को विमानों में रखकर नदी किनारे लाया गया। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका रामराजा सरकार की छोटी प्रतिमा को शाम करीब 7 बजे मंदिर से विमान में विराजित कर गाजे-बाजे, शंख की ध्वनि और जयकारों के साथ बेतवा नदी के लिए रवाना किया गया। मंदिर से विमान निकलने से पहले तहसीलदार जगदीश रंधवा और थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह गुर्जर की मौजूदगी में पुलिस के जवानों ने भगवान को सलामी दी। इसके बाद भव्य शोभायात्रा शहर के मुख्य रास्तों से होती हुई बेतवा तट पहुंची। बेतवा किनारे मंदिर के आचार्य वीरेंद्र विदुआ ने विधि-विधान से पूजा कराई और रामराजा सरकार की प्रतिमा को पवित्र जल से स्नान कराया गया। इस पावन मौके पर कलेक्टर और मंदिर प्रबंधक जमुना भिड़े और सीईओ रोहन सक्सेना भी मौजूद रहे और पूजा-अर्चना कर अ ाशीर्वाद लिया।

हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है सिंहस्थः मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ : 2028 विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी आध्यात्मिक चेतना, भारतीय संस्कृति और वैश्विक आस्था का विराट पर्व है। इसके भव्य और दिव्य आयोजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के साथ पूरी क्षमता के साथ तैयार होना होगा। यह हम सबका दायित्व है कि सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास में भारत स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों एवं गाइड्स के साथ सिंहस्थ सेवा कार्य 2028 के संदर्भ में आयोजित एक विशेष संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में भीड़ नियंत्रण सहित कई प्रकार की व्यवस्थाएं संभालने वाले स्काउट एंड गाइड के मास्टर ट्रेनर, सेवादूतों एवं स्वयं सेवकों के विधिवत् प्रशिक्षण के लिए भोपाल में एक अत्याधुनिक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा।

मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान 22 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात, एआई और ड्रोन से होगी निगरानी

मुंबईः मुंबई में गणपति मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 22 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को मजबूत करने के लिए मुंबई पुलिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ड्रोन तकनीक का भी इस्तेमाल करेगी। मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त (लॉ एंड आर्डर)सत्यनारायण चौधरी और संयुक्त पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा ने यह जानकारी मुंबई में पत्रकार वार्ता में दी है। सत्यनारायण चौधरी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स की कंपनियों के साथ सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की चार कंपनियां तैनात रहेंगी। इसके अलावा क्विक रिस्पॉन्स टीम और बॉम्ब डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड की टीमें भी सुरक्षा में शामिल रहेंगी। मुंबई में पुलिस के आला अधिकारियों के साथ कुल 22 हजार से अधिक पुलिसकर्मी शहर के चप्पे-चप्पे पर तैनात रहकर भगवान गणेश की विदाई बिना किसी परेशानी के हो, यह सुनिश्चित करेंगे। संयुक्त पुलिस आयुक्त मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि एआई की मदद से जुलूस के रूट, ट्रैफिक और भीड़ से जुड़ी जानकारियों पर नजर रखी जाएगी। वहीं, ड्रोन के जरिए भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों की निगरानी की जाएगी।

मप्र में 25 सितंबर से शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा, नितिन गडकरी करेंगे शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरु हो रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 25 सितंबर को भोपाल के बीएचईएल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत सावर्जनिक यात्री बसों के संचालन का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत शुरू होने वाली इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों के संचालन को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की दिशा में परिवहन विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके अंतर्गत सड़कों पर दौड़ने वाली बसों का स्टेयरिंग एडवांस तकनीक से प्रशिक्षित ड्राइवरों के हाथों में होगा। इसके लिए बस चालकों को इलेक्ट्रिक और सीएनजी बसों की तकनीक, संचालन और सुरक्षा मानकों से परिचित कराने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

अमित शाह 30 सितंबर को पंजाब में नशा-मुक्ति यात्रा के समापन समारोह को करेंगे संबोधित

यह अभियान 'नशा-मुक्त पंजाब' की थीम पर आयोजित किया गया है।

एजेंसी

चंडीगढ़ । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 30 सितंबर को पंजाब में चल रहे नशा-मुक्ति अभियान के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। इसी दिन जालंधर में नशा-विरोधी चार यात्राओं का समापन होगा। अमित शाह इस अभियान के समापन कार्यक्रम के तहत जालंधर में एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे। यह अभियान 'नशा-मुक्त पंजाब' की थीम पर आयोजित किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 18 सितंबर को पठानकोट के माधोपुर से यात्राओं की शुरुआत की थी। अभियान के तहत राज्य के अलग-अलग हिस्सों से गुजरने वाली नशा-विरोधी चार यात्राएं 30 सितंबर को जालंधर में एक

साथ मिलेंगी। इन यात्राओं के समापन के बाद अमित शाह इस बड़ी सभा को संबोधित करेंगे।

इस कार्यक्रम को पंजाब में भाजपा की बड़ी लामबंदी के तौर पर देखा जा रहा है। जालंधर में इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। भाजपा नेता व कार्यकर्ता रैली के इंतजाम और राज्य के अलग-अलग हिस्सों से पार्टी समर्थकों को जुटाने के काम में लगे हैं। इस अभियान का मकसद पंजाब में नशे की लत के मुद्दे को उजागर करना और नशा-मुक्त राज्य की जरूरत के बारे में जागरूकता फैलाना रहा है। भाजपा पंजाब में लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए 'नशा-मुक्त पंजाब' अभियान का इस्तेमाल कर रही है।

भाजपा सांसद तरुण चुघ ने गुरुवार को कहा, 'भारतीय जनता पार्टी पंजाब में ड्रग्स के खिलाफ चार यात्राएं निकाल रही है। लोग इन यात्राओं से जुड़ रहे हैं और 'ड्रग्स छोड़ो, पंजाब को ड्रग्स के दानव से मुक्त करो' के अभियान को एक जन-आंदोलन में बदल रहे हैं। '

समापन कार्यक्रम में अमित शाह की मौजूदगी से पंजाब में भाजपा की गतिविधियों को बड़ी राजनीतिक गति मिलने की भी उम्मीद है। गृह मंत्री की जालंधर रैली ऐसे समय में हो रही है जब पार्टी विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में अपनी संगठनात्मक और जन-संपर्क गतिविधियों को तेज कर रही है।

असम के नगांव में स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराई गाड़ी, तीन लोग जिंदा जले, दो की हालत गंभीर

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के नगांव जिले में एक गाड़ी के स्ट्रीट लाइट के खंभे से टकराने के बाद आग लगने से तीन लोगों की जलकर मौत हो गई। इस दुर्घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक स्ट्रीट लाइट पोल से टकराने के बाद जिस वाहन में वे यात्रा कर रहे थे उसमें आग लग गई, जिससे तीन लोगों की जलकर मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा पुरानेगुदाम इलाके के पास केनापट्टी में हुआ। गाड़ी अरुणाचल प्रदेश से गुवाहाटी की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, चालक ने कथित तौर पर वाहन से नियंत्रण खो दिया और सड़क के बीच में लगे एक स्ट्रीटलाइट पोल से टकरा गया। टक्कर के बाद वाहन में आग लग गई और देखते ही देखते वाहन पूरी तरह से जल गया। वाहन में सवार तीन लोग अंदर फंस गए और जलते हुए वाहन से बाहर नहीं निकल सके। गंभीर रूप से झुलसने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी से मृतकों के शव बाहर निकाले और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजे। इस हादसे में विकास कुमार और सोनू कुमार समेत दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले चिकित्सा उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें गुवाहाटी स्थानांतरित कर दिया गया।

'ममता बनर्जी की मांग का समर्थन करता हूं'

ज्ञानेश कुमार को सजा मिलेगी : उदित राज

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता उदित राज ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग समेत कई मुद्दों पर अपनी राय रखी। ममता बनर्जी द्वारा सीईसी ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग के सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा कि वह इसका पूरी तरह समर्थन करते हैं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने जो अपराध किए हैं, वे अक्षम्य हैं। उन्हें समय आने पर सजा मिलेगी।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत बिना वसीयत संपत्ति के बंटवारे के नियमों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नोटिस जारी किए जाने पर उन्होंने कहा कि अभी मामला अदालत के सामने है। याचिका दाखिल हुई है और सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस दिया है। अब दोनों पक्ष अपनी दलीलें रखेंगे और अंतिम फैसला आने के बाद ही इस पर अपनी राय रखी जानी चाहिए। संजय राउत की संसद और सदन में मुद्दे उठाने के साथ-साथ सड़क पर भी आवाज उठाने की टिप्पणी पर कांग्रेस नेता ने सहमति

जताई। उन्होंने कहा कि सड़क खाली रहेगी तो संसद भी कमजोर हो जाएगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किसानों के मुद्दे पर जब लोग सड़क पर आए, तब सरकार ने उनकी बातों पर ध्यान दिया।

प्रधानमंत्री की ओर से केंद्रीय मंत्रियों के साथ दो दिवसीय चिंतन शिविर किए जाने पर उन्होंने कहा कि मंत्रियों के पास निर्णय लेने की पर्याप्त ताकत नहीं है और महत्वपूर्ण फैसले प्रधानमंत्री कार्यालय तथा अधिकारियों के स्तर पर होते हैं। मंत्रियों को गाड़ी, स्टाफ और आवास तो दिए गए हैं, लेकिन फैसले लेने की शक्ति नहीं है। उन्होंने इस चिंतन शिविर को नौटंकी बताया। रायबरेली से अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा शुरू होने के सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यात्रा कहीं से भी शुरू की जा सकती है। देश में सामाजिक न्याय की सबसे ज्यादा जरूरत है और बहुजन समाज को कांग्रेस का समर्थन है। उन्होंने अखिलेश यादव की यात्रा की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन में सुरक्षा को देखते हुए ऑफलाइन क्लास को ऑनलाइन किए जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यह समस्या का समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि डर के कारण लड़कियों को घर में नहीं बैठाया जा सकता। सरकार और गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था दुरुस्त की जाए। एसआईआर को लेकर चुनाव आयुक्तों के बीच कथित असहमति पर उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा है कि कुछ लोगों का जमीर जागा है। उन्होंने चुनाव आयोग पर लोकतंत्र और संविधान को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में करीब आधे मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। उन्होंने इसे विपक्षी मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया बताया। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट में ईडी की याचिका का विरोध किए जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि उनका विरोध सही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हाईकोर्ट किसी दबाव में आए बिना निष्पक्ष फैसला करेगा।

चोला बदलकर जनता को ठग रहे अखिलेश, 2027 में नहीं गलेगी दाल : भाजपा

एजेंसी

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा और उत्तर प्रदेश में पोस्टर को लेकर सियासत तेज हो गई है। रायबरेली में 'सपा' नेताओं ने रथ यात्रा से पहले जगह-जगह पोस्टर और होर्डिंग लगाए हैं, जिसमें अखिलेश यादव को भगवान राम और कृष्ण के रूप में दिखाया गया है। इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री अनिल राजभर ने निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'सपा को उत्तर प्रदेश की जनता को स्पष्ट करना चाहिए कि वे पीडीए के तौर पर किसे बता रहे हैं। आज तक समाजवादी पार्टी पीडीए को परिभाषित नहीं कर पाई है। जहां तक हम समझ रहे हैं, वे चोला बदलकर जनता को ठगने जा रहे हैं। हालांकि जनता उनको बहुत अच्छी तरीके से जानती और पहचानती है। 2027 के विधानसभा चुनाव में उनकी दाल नहीं गलने वाली है।' सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पीडीए रथ यात्रा पर मंत्री अनिल राजभर ने कहा, 'इसका कोई महत्व नहीं है। वे बस समय बिता रहे हैं। चुनाव

नजदीक हैं, इसलिए उन्हें कुछ तो करना ही है। उन्हें पता है कि समाजवादी पार्टी का क्या हश्र होने वाला है लेकिन वे बस समय काटने के लिए ऐसा कर रहे हैं। ' भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने अखिलेश यादव के पोस्टरों पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'जिन लोगों ने प्रभु श्रीराम के अस्तित्व पर सवाल उठाए, आज उनके पोस्टर लगाकर राम के अवतार बताए जा रहे हैं, मैं समझता हूं कि इससे भी शर्मनाक बात किसी भी राजनीतिक दल के लिए नहीं हो सकती। अखिलेश यादव की तुलना राम और हनुमान से करना बिल्कुल गलत है। ' भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक वाजपेयी ने भी रायबरेली में पीडीए यात्रा से पहले अखिलेश यादव को भगवान कृष्ण, भगवान राम और हनुमान का आशीर्वाद लेते हुए दिखाने वाले पोस्टरों पर प्रतिक्रिया दी। अशोक वाजपेयी ने कहा, 'जिस तरीके से पीडीए अपना रंग बदल रहा है, ठीक वैसे ही वे अपने रंग बदल रहे हैं। पोस्टर लगाने वाली बात सिर्फ दिखावा है। यूपी की जनता सब जानती है।

जमशेदपुर में भीषण सड़क हादसा, मंत्री दीपिका पांडेय की बेटी समेत 4 की मौत

एजेंसी

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी तृषा सिंह भी शामिल हैं। बताया गया है कि तृषा अपने तीन दोस्तों के साथ कार से कहीं जा रही थीं। इसी दौरान सोनारी थाना क्षेत्र में यह दर्दनाक हादसा हो गया।

हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गई। राहत और बचाव दल ने गैस कटर की मदद से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

ब्रेकडाउन के बाद सड़क पर खड़ा था ट्रेलर

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे पर एक ट्रेलर ब्रेकडाउन होने के बाद खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रही कार अनियंत्रित होकर सीधे ट्रेलर के अंदर जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तृषा सिंह के अलावा उनके तीन दोस्त शामिल बताए गए हैं। तृषा एलएलआरआई की छात्रा थीं। हादसे के समय वह अपने दोस्तों के साथ कार में यात्रा कर रही थीं। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। गैस कटर से कार को काटकर शव बाहर निकाले गए। हादसे की परिस्थितियों को लेकर पुलिस की ओर से जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जताया दुख

हादसे की जानकारी सामने आने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी और अन्य मृतकों के निधन को बेहद दुखद बताते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतान को खोने का दुख किसी भी माता-पिता के लिए असहनीय होता है। उन्होंने दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति और परिजनों को इस कठिन समय को सहने की शक्ति मिलने की कामना की।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि संतान को खोने का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

हिंदू राष्ट्र के संकल्प को लेकर 11 अक्टूबर से रथ यात्रा निकालेंगे धीरेंद्र शास्त्री

पांच जिलों में तय करेंगे 500 किमी का सफर

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने एक बार फिर ऐलान किया कि वह भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के अपने संकल्प को लेकर नवरात्रि में रथ यात्रा निकालेंगे। प्रस्तावित यात्रा 11 अक्टूबर से शुरू होगी और मध्य प्रदेश के पांच जिलों में करीब 500 किलोमीटर का सफर तय करेगी। ग्रेटर नोएडा में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस अभियान का संदेश 'जात-पात मुक्त, राष्ट्रवाद युक्त' होगा। उन्होंने इसे भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के अपने संकल्प से जोड़ा। धीरेंद्र शास्त्री के मुताबिक, रथ यात्रा सागर, पन्ना, टीकमगढ़, दमोह और छतरपुर जिलों से होकर गुजरेगी। उन्होंने पांच दिनों में पांच जिलों में करीब 500 किलोमीटर की यात्रा

करने की बात कही है। उपलब्ध रिपोर्टों में भी इन्हीं पांच जिलों से यात्रा गुजरने की जानकारी दी गई है।

उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय यात्रा के दौरान चार जगहों पर रात्रि विश्राम किया जाएगा। इन स्थानों पर हनुमान चालीसा का पाठ, हवन और अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शास्त्री के मुताबिक, यात्रा के दौरान लोगों को 'हिंदू राष्ट्र' के लिए शपथ भी दिलाई जाएगी।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि यात्रा के दौरान करीब हर 20 किलोमीटर पर सभा करने की योजना है। इन सभाओं के माध्यम से लोगों को यात्रा के उद्देश्य और उनके संकल्प से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार यात्रा पैदल नहीं, बल्कि रथ से होगी। इससे पहले वह दिल्ली से वृंदावन तक पदयात्रा कर चुके हैं। इसके अलावा बागेश्वर धाम से ओरछा तक भी उनकी पदयात्रा निकाली जा चुकी है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस अभियान की पहली रथ यात्रा बागेश्वर धाम क्षेत्र से निकाली जाएगी। यात्रा में देश के विभिन्न हिस्सों से साधु-संतों के शामिल होने की भी संभावना है।धीरेन्द्र शास्त्री की इस यात्रा को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी शुरू हो गई हैं। विपक्ष के कई नेताओं ने इस यात्रा को 'हिन्दू राष्ट्र' से जोड़ने पर आपत्ति जताई है।

कर्नाटक विधानसभा सत्र सूखे पर चर्चा के लिए बढ़ाया गया

नए अभाविप पदाधिकारियों ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि राज्य में बिगड़ती सूखे की स्थिति पर विस्तृत चर्चा के लिए विधानसभा सत्र एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। विधान सौधा में मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि 200 से अधिक तालुकों में भीषण सूखे की स्थिति है और हालात गंभीर हो गए हैं। शिवकुमार ने कहा कि राज्य में सूखे की तीव्रता बढ़ गई है। 200 से अधिक तालुक भीषण सूखे से प्रभावित हैं और स्थिति गंभीर है। इसलिए, सूखे पर चर्चा के लिए विधानसभा सत्र एक दिन के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि विधायक और जन प्रतिनिधि सूखे की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री और उपमुख्यमंत्री कार्यवाही के दौरान विधायकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और सुझावों का आधिकारिक रूप से

जवाब देंगे। दिल्ली में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने के प्रस्ताव पर शिवकुमार ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस कदम पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि सूखे से राहत और केंद्र से सहायता पर चर्चा करने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली भेजने का निर्णय लिया गया है। सभी दलों के नेताओं ने इस पर सहमति जताई है।इस बीच, शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनावों में सभी चार सीटों पर जीत हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि हमें विधानसभा चुनावों में सभी चार सीटों पर जीत का पूरा भरोसा है। हमने एक साल पहले ही अच्छे उम्मीदवारों का चयन कर लिया था। पार्टी और सरकार मिलकर काम करेंगे।

चुनावों को लेकर मंत्रियों और पार्टी विधायकों के साथ बैठक के बाद शिवकुमार ने कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) कार्यालय के पास मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि विधानसभा की चार सीटों के लिए चुनाव की घोषणा हो चुकी है और विधानसभा सत्र जारी होने के कारण उन्होंने विधायकों से मुलाकात कर चुनावों पर चर्चा की और मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री और विधायक जिम्मेदारी लेंगे और चुनावों के लिए काम करेंगे। दिल्ली की अपनी प्रस्तावित यात्रा के बारे में शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मिलने का समय मांगा है। उन्होंने कहा कि मैंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बैठक के लिए समय मांगा है।

ग्रेनाइट कारोबारी वीरमणि के खिलाफ पॉक्सो केस को बंद करने के मामले में तीन अधिकारियों को समन

एजेंसी

चेन्नई । ग्रेनाइट कारोबारी वीरमणि के पॉक्सो केस को बंद करने के मामले में सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) की ओर से तीन पुलिस अधिकारियों को समन भेजा गया है। इन अधिकारियों ने ग्रेनाइट्स के बिजनेसमैन आर. वीरमणि के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण के मामले की शुरुआती जांच की थी। सीसीबी की ओर से इन तीन पुलिस अधिकारियों से उस फैसले के बारे में सफाई मांगी गई है, जिसके तहत पिछले वर्ष अक्टूबर में शिकायत दर्ज होने के बाद मामले को बंद कर दिया गया था। एंटी-वाइस यूनिट में काम करने वाली असिस्टेंट कमिश्नर यास्मीन और इंस्पेक्टर महेश कुमार और राजलक्ष्मी को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। जांच करने वाले अधिकारी यह देखेंगे कि शिकायत का आकलन कैसे किया गया, क्या सबूत इकट्ठा किए गए और पिछली टीम ने केस बंद करने की रिपोर्ट क्यों सौंपी? वीरमणि को नाबालिगों के यौन शोषण के आरोपों में 'बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण' (पॉक्सो) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया और पुझल जेल में रखा गया था। पुलिस ने शांति और उनके पति महेंद्र सिम्हन को भी इस आरोप में गिरफ्तार किया कि उसने इस शोषण में मदद की थी। वीरमणि के पूर्व सहयोगी गणेशन को गिरफ्तार किया गया है। यह समन उस जांच का अगला चरण है जिसे पुलिस की शुरुआती जांच की न्यायिक समीक्षा के बाद फिर से शुरू किया गया था।

वीरमणि के खिलाफ अक्टूबर 2025 में शिकायत दर्ज की गई थी, लेकिन बाद में पुलिस ने मामले को बंद करने की कोशिश की। अदालत ने उस निष्कर्ष को मानने से इनकार कर दिया और नए सिरे से जांच के निर्देश दिए। दोबारा हुई जांच के बाद गिरफ्तारियां हुईं और अब जांच का रुख उन अधिकारियों के कामकाज की ओर मुड़ गया है, जिन्होंने मूल शिकायत पर कार्रवाई की थी।जांच अधिकारी वीरमणि के लंबे समय के व्यवहार से जुड़े आरोपों की भी जांच कर रहे हैं। यह दावा कि शोषण 2003 में शुरू हुआ और लगभग 23 वर्षों तक चला, अभी भी जांच के दायरे में है; अदालत ने इसकी अवधि और विवरण की पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने सार्वजनिक रूप से यह नहीं बताया है कि इन दावों में कितने कथित पीड़ित या घटनाएं शामिल हैं। अधिकारियों से पूछताछ से यह स्पष्ट हो सकता है कि क्या जांचकर्ताओं ने अहम सबूतों को नजरअंदाज किया।

मुक्केबाज परवीन पदक पक्का करने से एक जीत दूर, क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

नागोया। भारतीय मुक्केबाजों के लिए एशियन गेम्स का पांचवां दिन मिलाजुला रहा। परवीन ने महिला 65 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का करने के मजबूत कदम बढ़ाए, वहीं साक्षी और सुमित को अपने-अपने बाउट में हार का सामना करना पड़ा। परवीन को तजाकिस्तान की मलिका नोजिमोवा से वॉकओवर मिला जिससे वह अगले दौर में पहुंच गईं। परवीन पदक पक्का करने से एक कदम दूर हैं। मुक्केबाजी में सेमीफाइनल में पहुंचने पर पदक पक्का हो जाता है।

भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी महिलाओं के 51 किलो वर्ग में कजाखस्तान की अलुआ बाल्कीबेकोवा से प्री क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गईं। हरियाणा की 26 वर्ष की साक्षी ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन यहां वह लय कायम नहीं रख सकीं। पहले दौर के बाद कजाखस्तान की मुक्केबाज 3-2 से आगे थी। दूसरे दौर में साक्षी ने आक्रामकता दिखाई लेकिन बाल्कीबेकोवा ने 3-2 से फिर बढ़त बनाई। आखिरी दौर में साक्षी वापसी करने में नाकाम रही।

चोट के कारण बाहर हुए सुमित

इससे पहले सुमित पुरुषों के 70 किलो प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इराक के अल सारे अली के खिलाफ चोट के कारण बाहर हो गए। हरियाणा के 23 वर्ष के सुमित पहले दो दौर में आगे थे, लेकिन तीसरे दौर में एक मुक्के से बचने के प्रयास में उन्हें घुटने में चोट लगी और वह गिर गए। इसके बाद वह आगे खेल नहीं सके और रैफरी ने मुकाबला रोककर विरोधी को विजेता घोषित कर दिया। सुमित ने पहले मुकाबले में थाईलैंड के बुंजोंग सिनसिरी को 5-0 से हराया था।

रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए कब तक खेलेंगे! भविष्य पर दिया बड़ा बयान

लिस्बन। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर स्थिति साफ कर दी है। 41 वर्षीय स्टार फुटबॉलर ने कहा कि जब तक राष्ट्रीय टीम को उनकी जरूरत है, वह खेलते रहेंगे। हालांकि, जिस दिन उन्हें लगेगा कि वह टीम के लिए योगदान नहीं दे पा रहे हैं या टीम उन्हें नहीं चाहती, वह सबसे पहले खुद टीम छोड़ देंगे।

रोनाल्डो ने जुलाई में फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 में पुर्तगाल के स्पेन से बाहर होने के बाद अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य की पुष्टि नहीं की थी। हालांकि, नए मुख्य कोच जॉर्ज जीसस की पहली पुर्तगाल टीम में उन्हें शामिल किए जाने से साफ हो गया कि वह अभी राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध हैं।

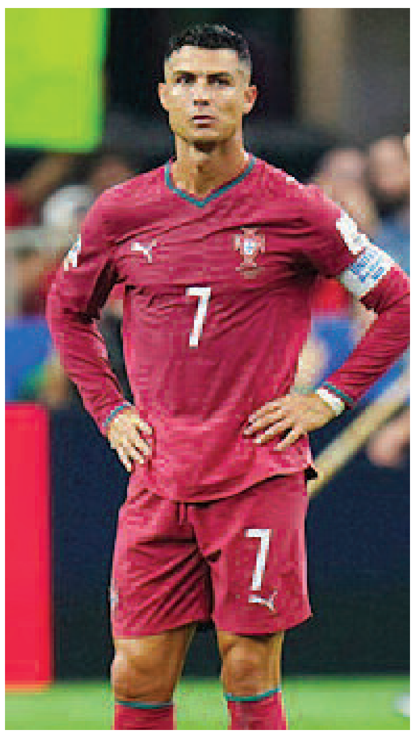

'जब नहीं चाहेंगे, सबसे पहले मैं चला जाऊंगा'

वेल्स के खिलाफ मुकाबले से पहले रोनाल्डो ने अपने भविष्य को लेकर कहा, 'जब भी वे कहेंगे कि वे मुझे राष्ट्रीय टीम में नहीं चाहते, मैं सबसे पहले जाने वाला व्यक्ति बनूंगा। जब मुझे लगेगा कि मैं टीम में कुछ नहीं जोड़ रहा हूं या माहौल खराब कर रहा हूं, तो मैं सबसे पहले चला जाऊंगा। मैं अपना सूटकेस उठाऊंगा और चला जाऊंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'पुर्तगाल के लोग मुझ पर भरोसा करते हैं। इसी वजह से मैं अभी यहां हूं। सिर्फ आंकड़ों को देखिए, मुझे यकीन है कि आप कुछ गणना कर सकते हैं। मैं अभी भी अच्छा कर रहा हूं। जिस दिन उन्हें मुझ पर भरोसा नहीं रहेगा, कोई समस्या नहीं है, मैं चला जाऊंगा। मैं हमेशा इस महासंघ का नंबर एक प्रशंसक रहूंगा।'

विश्व कप के बाद संन्यास पर किया था विचार

रोनाल्डो ने माना कि विश्व कप से बाहर होने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से हटने के बारे में विचार किया था। हालांकि, पुर्तगाल के राष्ट्रपति पेड्रो प्रोएंका और कोच जॉर्ज जीसस के साथ बातचीत के बाद उन्होंने खेलना जारी रखने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा किया था। बेशक, मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। मैं सोचने वाला इंसान हूं, आपको सोचना पड़ता है। इसी वजह से आप मुझे अब यहां देख रहे हैं। इसका मतलब है कि मैं जारी रखूंगा।' रोनाल्डो ने यह भी कहा कि वह सिर्फ गोल करने के लिए नहीं, बल्कि युवा खिलाड़ियों की मदद करके भी टीम में योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम को वह हासिल करने में मदद कर सकता हूं जो वह चाहती है। मुझे लगता है कि मैं राष्ट्रीय टीम को अपना समर्थन दे सकता हूं, सिर्फ गोल के जरिए नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी।'

भारतीय हॉकी टीम की द. कोरिया पर सबसे बड़ी जीत

आइची नागोया। पुरुष हॉकी में पूल-ए के मैच में भारतीय हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 8-2 से हरा दिया। भारत ने कोरिया पर हाफटाइम तक 5-0 की बढ़त बना ली थी। भारत के लिए शिलानंद लाकरा ने चौथे मिनट, सुखजीत सिंह ने नौवें मिनट में गोल दागे। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दाग भारत को 3-0 से आगे कर दिया। इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने गोल दागा। फिर दिलप्रीत सिंह ने 26वें मिनट में गोल दाग भारत को 5-0 से आगे कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो और गोल दागे, जबकि कोरिया की ओर से भी पहला गोल हुआ। भारत की ओर से दिलप्रीत ने 32वें मिनट में अपना दूसरा गोल और अभिषेक ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा। दक्षिण कोरिया की ओर से एकमात्र गोल किम जैहो ने 42वें मिनट में किया। तीसरे क्वार्टर तक भारत 7-1 से आगे थे।फिर चौथे क्वार्टर में दक्षिण कोरिया की ओर से किम योंगबोक ने 52वें मिनट में गोल दाग स्कोर 7-2 कर दिया। वहीं, रजिंदर सिंह ने 60वें मिनट में गोल दागा और स्कोर 8-2 कर दिया। आखिर तक यही स्कोरलाइन रहा और भारत ने जीत हासिल की। अब पूल स्टेज में ही भारत का सामना जापान से होगा। भारत की नजरें एशियन गेम्स में गोल्ड जीतकर 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के डायरेक्ट क्वालिफिकेशन हासिल करने पर हैं।

कराटे में 100 खिलाड़ियों ने दिखाया दम, 10 ने जीते पदक

हाथरस। हाथरस के मेला श्रीदाऊजी महाराज के उपलक्ष्य में वर्ल्ड बुडो शोटोयू कराटे महासंघ के बैनर तले सातवीं श्री दाऊजी ओपन कराटे कप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता कुंवर रत्नेश रत्न ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन लाते हैं। जो खिलाड़ी जीते हैं, उन्हें बधाई और जो हारे हैं, वे निराश न होकर और अधिक मेहनत करें। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अनुराग अग्निहोत्री एडवोकेट और उप जिला क्रीड़ा अधिकारी काशी नरेश यादव उपस्थित रहे। संचालन पूर्व डीजीसी क्रिमिनल एडवोकेट वतन सिंह ने किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. रामबाबू हरित रहे।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामवीर सिंह भैयाजी, जिला पंचायत सदस्य प्रभा सिंह, अश्वनी सिंह, एडवोकेट रतन सिंह और महासंघ के अध्यक्ष व मुख्य प्रशिक्षक शिहान एमएस सामुराई ने संयुक्त रूप से विजयी प्रतिभागियों को पदक पहनाकर पुरस्कृत किया। अतिथियों को भी स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में हाथरस के विनायक इंटरनेशनल स्कूल, बीएलएस इंटरनेशनल स्कूल, कन्या गुरुकुल महाविद्यालय, सेठ हरचरनदास कन्या इंटर कॉलेज, अलीगढ़ के आरसीएमडी इंटरनेशनल स्कूल के अलावा आगरा, मथुरा, टूंडला और अलीगढ़ के विभिन्न विद्यालयों के 100 बालक-बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। इस दौरान रेफरी पैनल के चीफ नितिन सोलंकी, विजेंद्र माहौर, रूबी कुमारी, जज हिमेश डेविड, विशाल ठकराल, सुबह सिंह और दीपक राज व सलमान आदि मौजूद रहे।

स्क्वाश के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगी अनाहत और तन्वी, चार भारतीयों को भी मिली जीत

नागोया अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, अभय सिंह और वीर चोटरानी ने एशियन गेम्स की स्क्वाश स्पर्धा के एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार की जोड़ी मिश्रित युगल के अंतिम आठ में पहुंची। जूनियर विश्व चैंपियन और पदक की दावेदार अनाहत ने महिला एकल में सिंगापुर की वाई इयिन औ येओंग को महज 19 मिनट में 3-0 (11-4, 11-5, 11-7) से हराकर अभियान की शुरुआत की।

सेमीफाइनल में पहुंचने पर तय नहीं होगा पदक

इसके बाद तन्वी ने भी सिंगापुर की वाई यान औ येओंग को 39 मिनट में 3-1 (5-11, 11-4, 11-5, 13-11) से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इन नतीजों के साथ महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में अनाहत और तन्वी के बीच मुकाबला तय हो गया है। पिछले एशियन गेम्स के विपरीत इस बार स्क्वाश की एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ियों का पदक पक्का नहीं होगा। कांस्य पदक के लिए सेमीफाइनल में हारने वाले दोनों खिलाड़ियों के बीच तीसरे-चौथे स्थान का मुकाबला खेला जाएगा।

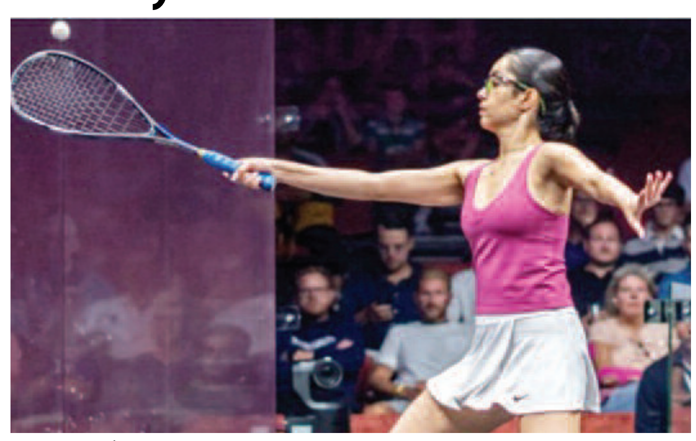

अभय सिंह का दमदार प्रदर्शन

पुरुष एकल में अभय सिंह ने दमदार प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका के रविंदु लक्सिरी को 25 मिनट में 3-0 (11-5, 11-6, 11-0) से शिकस्त दी। क्वार्टर फाइनल में अभय का सामना मेजबान जापान के रयोउनोसुके से होगा। चोटरानी को मलयेशिया के संजय जीवा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। उन्होंने एक घंटे नौ मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9, 8-11, 11-6, 15-17, 11-6) से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में उनकी भिड़ंत पाकिस्तान के इरफान मुहम्मद से होगी।

इससे पहले दिन में अनुभवी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने हमवतन सूरज चंद और शमीना रियाज को सीधे गेम में हराकर मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी भारतीय जोड़ी ने ऑल-इंडियन मुकाबले में 11-7, 11-10 से जीत दर्ज की। भारतीय जोड़ी अब शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमीका अरिबाडो की जोड़ी से भिड़ेगी।

आज ही के दिन भारत बना था विश्व विजेता

2007 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को दी थी मात, जानें उस मैच का रोमांच

नई दिल्ली। 24 सितंबर 2007 का दिन, दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग का वांडरर्स स्टेडियम एक ऐतिहासिक मैच का गवाह बना। टी20 विश्व कप इतिहास का पहला फाइनल और आमने-सामने थे क्रिकेट की दुनिया के दो घोर विरोधी भारत और पाकिस्तान। इस मैच के विजेता को सिर्फ विश्व चैंपियन नहीं बनना था, बल्कि टी20 क्रिकेट के पहले विश्व चैंपियन के रूप में अपना नाम इतिहास में दर्ज कराना था। यह इतिहास रचा महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई वाली भारतीय टीम ने। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर पहले टी20 विश्व कप की चैंपियन होने का गौरव हासिल किया था। भारत का पाकिस्तान को हराना कोई नई बात नहीं है। भारत से हारना पाकिस्तान की आदत में शुमार हो चुका है। लेकिन, 19 साल पहले मिली यह जीत भारतीय क्रिकेट इतिहास के चंद सबसे यादगार लम्हों में से एक है। युवा कप्तान धोनी के साथ युवा खिलाड़ियों से भरी टीम ने खिताबी जीत के बाद जब तिरंगा लहराया तो करोड़ों भारतीय क्रिकेट फैंस का सीना गर्व से चौड़ा हो गया।यह वह समय था, जब टी20 क्रिकेट धीरे-धीरे अपने पांव जमा रहा था। भारतीय टीम को इस प्रारूप की कमजोर टीम माना जा रहा था और चैंपियन बनने की संभावना न के बराबर जताई जा रही थी, लेकिन धोनी की कप्तानी वाली टीम ने युवा जोश के साथ होश दिखाया और खिताबी जीत हासिल की। इस जीत ने टी20 क्रिकेट और उसके रोमांच को शीर्ष स्तर पर पहुंचा दिया था।

गंभीर की यादगार पारी

मैच की बात करें तो भारतीय टीम के कप्तान धोनी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। टीम इंडिया के लिए पारी की शुरुआत गौतम गंभीर और युसूफ पठान ने की थी। पठान आठ गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए। गंभीर टिके रहे और 54 गेंदों पर 2 छक्के और 8 चौकों की मदद से 75 रनों की यादगार पारी खेलकर टीम का स्कोर पांच विकेट पर 157 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। छठे नंबर पर आकर रोहित शर्मा ने भी 16 गेंदों पर 30 रनों की बेहद अहम पारी खेली थी।158 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी पाकिस्तानी टीम 19.3 ओवर में 152 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम ने पांच रन से जीत हासिल कर पहला टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया के लिए आर. पी. सिंह और इरफान पठान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट लिए थे। जोगिंदर शर्मा ने दो और एस. श्रीसंत ने 1 विकेट लिया था। मैच अंत तक रोमांचक बना रहा था और इसका फैसला आखिरी ओवर में जाकर हुआ। भारतीय टीम को जीत के लिए एक विकेट चाहिए था और पाकिस्तान को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे। पाकिस्तान का स्कोर नौ विकेट पर 145 रन था। भारतीय टीम की जीत की राह का रोड़ा मिस्बाह उल हक थे, जो पाकिस्तान को जीत के करीब लाए थे।

रोहित मेरी सोच जानते हैं, मैं उनकी सोच जानता हूं

रोहित के साथ रिश्ते पर गंभीर ने तोड़ी चुप्पीः अनबन की खबरों पर पहली बार दिया बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि रोहित के साथ उनका रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं रहा है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को जानते हैं और साथ खेलने के कारण एक-दूसरे की सोच को भी अच्छी तरह समझते हैं। गंभीर और रोहित एक बार फिर भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में साथ नजर आएंगे। भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत रविवार को तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले से करेगा।

गंभीर ने कहा कि रोहित के साथ उनका जुड़ाव उस समय से है, जब वह खुद टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा, 'रोहित और मेरा रिश्ता सिर्फ कप्तान और कोच का नहीं था। जब रोहित टीम में आए थे, तब मैं एक वरिष्ठ खिलाड़ी था। इसलिए रोहित और मेरा रिश्ता उसी समय से है। रोहित मुझे तब से जानते हैं। इसलिए जब आप साथ खेल चुके होते हैं तो चीजें बहुत आसान हो जाती हैं। वह मेरी सोच जानते हैं और मैं उनकी सोच जानता हूं।'

गंभीर ने कहा कि कप्तान और कोच की सोच अलग हो सकती है, लेकिन अंतिम फैसला टीम के हित में होना सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'कल मेरी सोच कुछ और हो सकती है, कप्तान की सोच कुछ और हो सकती है, लेकिन आखिर में अगर जो फैसला लिया जाए वह टीम के हित में है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।'

चार कप्तानों के साथ काम करने का अनुभव

जुलाई 2024 में भारतीय टीम के मुख्य कोच का पद संभालने के बाद गंभीर ने चार कप्तानों के साथ काम किया है। इनमें रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल शामिल हैं। गंभीर ने चारों के रवैये की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने टीम को खुद से ऊपर रखा।

उन्होंने कहा, 'मैंने चार कप्तानों के साथ काम किया है- रोहित, सूर्या, अब शुभमन और श्रेयस। जिन भी कप्तानों के साथ मैंने काम किया, सभी का पहला इरादा हमेशा टीम को प्राथमिकता देना रहा। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसे चार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, जिन्होंने हमेशा खुद से पहले टीम को रखा।'

श्रेयस और शुभमन की भी तारीफ

गंभीर ने कहा कि विचारधारा, सोच और खेल को देखने का नजरिया अलग हो सकता है, लेकिन इरादा सही होना जरूरी है। उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ अपने पुराने संबंध का भी जिक्र किया। गंभीर ने बताया कि वह श्रेयस के साथ केकेआर में काम कर चुके हैं और 2018 में दिल्ली की कप्तानी उन्हें सौंपते समय भी उनकी नेतृत्व क्षमता देखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने श्रेयस के साथ केकेआर में काम किया है। उससे पहले, जब 2018 में मैंने दिल्ली के लिए श्रेयस को कप्तानी सौंपी थी, तो मुझे लगा था कि उनमें लीडरशिप के गुण हैं। अब, मुझे उनके साथ फिर से काम करने का मौका मिला है। शुभमन अभी युवा हैं।' शुभमन गिल को लेकर गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी संभालना उनके लिए बड़ी चुनौती था। उन्होंने कहा, 'अगर आपको इंग्लैंड के दौरे पर पांच टेस्ट मैचों में कप्तानी दी जाती है और किसी को गहरे पानी में धकेल दिया जाता है तो या तो आप बहुत अच्छी तरह तैरकर बाहर निकलेंगे या डूब जाएंगे।'

शोभिता धुलिपाला स्टारर 'वेट्टुवम' की दुनिया आई सामने

साउथ सिनेमा मच अवेटेड फिल्म 'वेट्टुवम' का टीजर या यूं कहें कि 'वेट्टुवम' की दुनिया को समझाने के लिए मेकर्स ने एक वीडियो जारी किया है। इस फिल्म की कहानी पंकज त्रिपाठी सुना रहे हैं और शुरुआत भी उनकी ही झलक के साथ की गई है। वीडियो की शुरुआत में कुछ ऐसी झलकियां हैं जो आपको पुराने दौर में लेकर जाती है। पंकज त्रिपाठी की आवाज में इस फिल्म का ताना-बाना बुना गया है। इस फिल्म में दर्शक अलग-अलग गुटों के बीच जमीन पर अपना दबदबा कायम करने की लड़ाई देख सकते हैं। इन लड़ाइयों को पुराने समय के भारत की पारंपरिक युद्ध तकनीकों के आधार पर तैयार किया गया है और इसी वजह से पूरी कास्ट ने अलग-अलग तरह की मार्शल आर्ट्स में महारत हासिल करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है!

सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के ऐलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं, ऐसे में खबर सामने आने के साथ ही लोगों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने मिल रहा है। मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक आज फिल्म की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है। बता दें कि यह कुछ ऐसा है जिसे कभी किसी ने नहीं देखा है। फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे। इसके साथ ही यह बात भी साफ हो गयी है कि फिल्म डायरेक्टर हार बार की तरह इस बार भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं।

वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं

मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें 'वेट्टुवम' की दुनिया को देखा जा सकता है। कई भाषाें में शेयर किए गए वीडियो में जहां हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किच्चा सुदीप और मलयालम में सौबिन शाहिर की आवाज सुनाने मिल रही है। बता दें कि वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बता करते हुए उनपर रोशनी दाल रहे हैं। फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजों पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं। यह चीजे आखिरकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं। बताया गया है कि यह बार-बार आने वाली आपदाएं इंसानों के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं।

एक्टर्स की भी दमदार झलक देखने मिल रही है मेकर्स द्वारा शेयर किये गए दिलचस्प फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, इसी लड़ाई को फिल्म में 'वेत्तुवम' का नाम दिया गया है। इस फिल्म के जरिए मल्लखंब को अलग नजरिये से दिखाया गया है।

तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज़ के लिए तैयार

इस फिल्म को पा. रंजीत न सिर्फ डायरेक्ट कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम, और कन्नड़ में एक पैन-इंडिया रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्म को एस. साई देवानंद, एस. साई वेंकटेश्वरन, और पा. रंजीत द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म को 'लर्न एंड टीच प्रोडक्शन' और 'नीलम प्रोडक्शंस' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जो दिसंबर 2026 में रिलीज के लिए तैयार है।

पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ वापसी कर रहे हैं

इसके साथ ही फिल्म के म्यूजिक को उसकी कहानी के हिसाब से जी. वी. प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साजिश की एक और परत जोड़ता है। कहना होगा की म्यूजिक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनोखी आभा बनाता है। बात करें पा. रंजीत की तो उन्हें सुपरहिट फिल्म्स जैसे 'कबाली', 'काला', 'सरपट्टा परमबराई', और 'थंगलान' को डायरेक्ट करने के लिए जाना है। जैसे की पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ वापसी कर रहे हैं, ऐसे में इसे बड़े पैमाने पर बनाये जाने की उम्मीद है।

हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनी विजय सेतुपति की 'महाराजा'

विजय सेतुपति की 'महाराजा' रचने जा रही इतिहास, हॉलीवुड में रीमेक होने वाली पहली तमिल फिल्म बनीफिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर इस खबर की आधिकारिक पुष्टि करते हुए इसे तमिल सिनेमा का 'ऐतिहासिक मील का पत्थर' बताया है। जून 2024 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई विजय सेतुपति और अनुराग कश्यप स्टारर 'महाराजा' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ ग्लोबल मार्केट में भी जबरदस्त प्रदर्शन किया था। फिल्म की सफलता का असली टर्निंग पॉइंट चीन में इसकी रिलीज साबित हुआ। चीन में इस सस्पेंस थ्रिलर ने रिकॉर्ड तोड़ते हुए 91 करोड़ रुपए से अधिक का बिजनेस किया। फिल्म निर्माता सुधन सुंदरम के अनुसार, चीन में फिल्म की इस अप्रत्याशित सफलता के बाद ही एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने हॉलीवुड रीमेक राइट्स के लिए निर्माताओं से संपर्क किया।

पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर यह अफवाहें जोर पकड़ रही थीं कि 'इंटरस्टेलर' और 'डलास बायर्स क्लब' फेम ऑस्कर विजेता अभिनेता मैथ्यू मैक्कोनाघे इस रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। जब निर्माता सुधन सुंदरम से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह सच है कि हॉलीवुड रीमेक के लिए किसी 'ए-लिस्ट' स्टार को साइन किया जा रहा है और प्रोजेक्ट पर काम अगले साल शुरू होगा। हो सकता है मैथ्यू उन एक्टर्स में शामिल हों जिनसे एजेंसी बातचीत कर रही है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि कास्टिंग एजेंसी की तरफ से ही की जाएगी।

निथिलन स्वामीनाथन द्वारा निर्देशित और 'द रूट', 'थिंक स्टूडियोज' व 'पैशन स्टूडियोज' द्वारा निर्मित यह एक 'नियो-नोइर' क्राइम थ्रिलर फिल्म है। कहानी एक साधारण नाई (विजय सेतुपति) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस स्टेशन में अपनी चोरी हुई डस्टबिन जिसका नाम उसने 'लक्ष्मी' रखा है, की शिकायत दर्ज कराने पहुंचता है।

फिल्म 'तुम मेरे हो' में गुरमीत चौधरी संग रोमांस करेंगी ईशा मालवीय

'बिग बॉस 17' फेम ईशा मालवीय जल्द फिल्म 'तुम मेरे हो' के साथ बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। गुरुवार को मेकर्स ने उनकी इस हिंदी फिल्म के कई पोस्टर जारी किए। खास बात ये है कि इस मूवी में वह टीवी के पॉपुलर अभिनेता गुरमीत चौधरी के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए दिखाई देंगी। गुरमीत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर फिल्म के पोस्टर शेयर किए हैं, जिसमें देखने को मिला कि दोनों रोमांस में खोए हुए नजर आ रहे हैं। पहले पोस्टर में दोनों लिपलॉक करते नजर आए और आगे के पोस्टर में भी दोनों का रोमांटिक अंदाज देखने को मिला।

कब रिलीज होगी फिल्म

इन पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'तुम मेरे हो' की दुनिया में डुबकी लगाओ। फिल्म 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। क्योंकि कई बार, प्यार में पड़ना आसान होता है, लेकिन इसके बाद जो होता है, वो कहानी है।' बता दें कि गुरमीत चौधरी ही ईशा को बॉलीवुड में लॉन्च कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष पांडा ने किया है और यह रेवा क्रिएटिव हाउस और देबगुरु फिल्म्स के बैनर तले बनाई गई है। वहीं, फिल्म को आरती एस और देबिना बनर्जी ने प्रोड्यूस किया है।

तरण आदर्श के मुताबिक, मूवी में लव स्टोरी के साथ-साथ एडवेंचर और एक्शन भी देखने को मिलेगा। ऐसे में अब ये देखना काफी दिलचस्प होगा कि ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी की केमिस्ट्री लोगों को पसंद आती है या नहीं। ईशा मालवीय और गुरमीत चौधरी 'लाफ्टर शेफ्स 3' में साथ काम कर चुके हैं। ईशा इससे पहले पंजाबी फिल्म 'इश्कां दे लेखे' में नजर आ चुकीं हैं। अभिनेत्री ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'उडारियां' से की थी।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आएंगे अमित साध

मुंबई प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स ने अपनी आगामी थ्रिलर फिल्म 'प्रताप' का दमदार फर्स्ट लुक जारी करने के साथ-साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। अमित साध अभिनीत यह फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में अमित साध एक प्रभावशाली पुलिस अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं। हाथ में बंदूक थामे उनका सख्त और तीखा अंदाज तुरंत ध्यान आकर्षित कर रहा है। इसी के साथ पोस्टर में दिखाई गई टूटी हुई दुनिया संघर्ष, खतरे और रहस्य से भरी कहानी की ओर इशारा करती है, जहां चीजें वैसी नहीं हैं जैसी पहली नजर में दिखाई देती हैं। पोस्टर पर लिखा दमदार टैगलाइन 'इस बार निशाना बाहर नहीं, भीतर है।' फिल्म के रहस्य और रोमांच को और बढ़ा रहा है। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित 'प्रताप' एक सम्मानित एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की कहानी है, जिसकी जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल जाती है जब उसे उसी कानून का सामना करना पड़ता है, जिसकी रक्षा और पालन वह वर्षों से करता आया है।

यह दिलचस्प कहानी कर्तव्य, वफादारी और कानून तथा उसे लागू करने वालों के बीच के संघर्ष को एक रोमांचक थ्रिलर के रूप में प्रस्तुत करती है। अमित साध के साथ फिल्म में ईशा देओल, तिग्मांशु धूलिया, मिलिंद गुणाजी और सीमा बिस्वास जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फर्स्ट लुक पोस्टर में फिल्म के प्रमुख किरदारों को टूटे हुए कांच की आकर्षक विजुअल शैली के जरिए दिखाया गया है, जो फिल्म की जटिल और रहस्यमयी दुनिया की झलक तो देता है, लेकिन कहानी के कई राज अभी भी छिपाकर रखता है। अपने दिलचस्प कथानक, दमदार कलाकारों की टोली और प्रभावशाली फर्स्ट लुक के साथ 'प्रताप' एक ऐसी रोमांचक थ्रिलर बनने का संकेत देती है, जहां जो व्यक्ति कभी अपने लक्ष्य का पीछा करता था, अब शायद खुद ही निशाना बन गया है।

मनीष शर्मा की अगली फिल्म में लीड रोल निभा सकती हैं सारा अर्जुन

फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में आईं एक्ट्रेस सारा अर्जुन को लेकर एक नई खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'सारा अब निर्देशक मनीष शर्मा की अगली फिल्म में लीड रोल निभा सकती हैं। इस फिल्म में उनके साथ अंबरीश वर्मा नजर आ सकते हैं। अंबरीश वर्मा को वेब सीरीज 'सपने वर्सेज एवरीवन' में उनके काम के लिए जाना जाता है। सारा ने अपनी पुरानी टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी से अलग होकर यशराज फिल्म्स की टैलेंट मैनेजमेंट से हाथ मिलाया है। वाईआरएफ टैलेंट के साथ पहले से कई युवा कलाकार जुड़े हुए हैं। इनमें अहान पांडे, अनीत पड्डा और शरवरी जैसे नाम शामिल हैं। सारा के इस कंपनी से जुड़ने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 'धुरंधर' के बाद उनके करियर में नई परियोजनाओं को लेकर चर्चा तेज है।

सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में नजर आएंगी परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा सीरीज 'शकः ट्रस्ट नो वन' में नजर आएंगी। इसमें परिणीति के साथ ताहिर राज भसीन भी नजर आएंगे। इस सीरीज को लेकर परिणीति ने बातचीत की।

आपके द्वारा एक मां का किरदार निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

इस तरह की कहानी में इमोशन बहुत जरूरी है, लेकिन आप सिर्फ इमोशन के भरोसे नहीं चल सकते। किरदार के भीतर लगातार बेचैनी है। वह कुछ जानना चाहती है, कुछ ढूंढना चाहती है। मुझे लगता है कि इस किरदार की सबसे बड़ी खूबी यही है कि वह सिर्फ एक पीड़ित व्यक्ति नहीं है।

क्या महिला किरदारों की मजबूत और अलग-अलग परतें इस कहानी को और खास बनाती हैं?

जरूर। मुझे लगता है कि इस स्क्रिप्ट की सबसे खूबसूरत चीज इसकी महिला किरदारों की लेयरिंग है। वे सिर्फ कहानी को आगे बढ़ाने के लिए मौजूद नहीं हैं। एक अच्छे थ्रिलर की खूबी यही होती है कि आप हर किरदार के बारे में और जानना चाहते हैं।

क्या आपको लगता है कि पिता की भूमिका को भी मां जितनी अहमियत मिलनी चाहिए?

मेरे लिए इसका जवाब बिल्कुल स्पष्ट है-पेरेंटिंग 50-50 होनी चाहिए, अगर परिस्थितियां इसकी इजाजत देती हैं। बच्चे को दोनों माता-पिता का समय और प्यार मिलना चाहिए। लेकिन मैं यह भी मानती हूं कि हर परिवार की परिस्थिति अलग होती है। किसी परिवार में पिता ज्यादा काम कर रहे हो सकते हैं और मां बच्चे के साथ ज्यादा समय बिता रही हो सकती है। किसी दूसरे परिवार में इसका उल्टा हो सकता है।

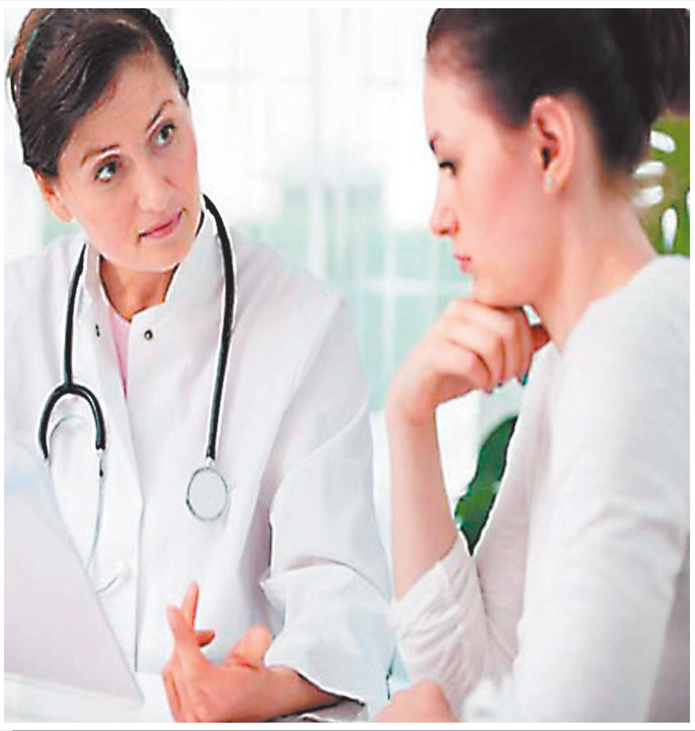

थायराइड

भी हो सकता है थकान का कारण

क्या आपके साथ भी ऐसे होता है कि आप सारा दिन काम करते करते इतना थक जाती है कि आप अपना मनपंसद टी.वी शो भी अच्छी तरह से नहीं देख पाती और घर में हमेशा थका-थका महसूस करती है। घर पर सीढियां चढ़ने के वक्त,कोई भी काम करने के वक्त या बैड से उठने के वक्त भी ऐसा महसूस होना कि जितनी नींद हमने ली है वो अभी भी पर्याप्त नहीं है। स्वस्थ ऊर्जा का निर्माण स्वास्थ्यवर्द्धक पाचन प्रणाली से शुरू होता है विटामिन बी की कमी से भी थकान महसूस होती है। हल्की थकान तथा गंभीर थकान में से आप खुद को किसका शिकार महसूस करती हैं और वास्तव में आपके साथ गलत क्या हो रहा है ?

- थकावट महसूस होने के कई कारण हो सकते है। जब भी शरीर में थकावट महसूस हो तो थोड़ा इधर-उधर टहल कर आप अपनी थकावट को दूर कर सकती है।जब आप थकी होती हैं तो आपका मैटाबोलिक रेट कम हो जाता है और आप कम कैलोरीज बर्न करती हैं। इसी कारण आपको थकावट महसूस होती है। कसरत करने से भी आप सारा दिन बेहतर महसूस करेंगी और काम करने के बाद भी थकावट कम महसूस होगी।
- हमारे शरीर में थकान महसूस होने के कई कारण हो सकते है। कई बार विटामिन्स की कमी होने पर भी हम कोई भी काम करने के बाद थकावट महसूस करते है। आयरन की कमी होने पर भी थकान महसूस होती है। यदि आपको अपनी त्वचा पीली दिखाई दे, अपनी धड़कन तेज महसूस हो और चिड़चिड़ापन महसूस हो तो आयरन से भरपूर डाइट आपको इस समस्या से निजात पाने में सहायक हो सकती है।
- अपने वातावरण को ताजा बनाए रखें और बोर होने से बचें जब भी आप बोर हो रही हो तो संगीत का लुत्फ उठा सकती है और बोरियत आपके मूड को प्रभावित करती है।
- आपकी थकावट का कारण थायराइड भी हो सकता है। सुबह के समय थकान थायराइड की कमजोर कार्यप्रणाली का चिन्ह हो सकती है। इसलिए थायराइड की जांच अवश्य करवाएं।
- भरपूर नींद न लेने की वजह से भी आप सारा दिन थकान महसूस कर सकती है।शरीर के लिए भरपूर नींद लेना भी बहुत जरूरी होता है। इसलिए रात के समय कम से कम 8 घंटे नींद लेना जरूरी है और दिन के समय बीच में कम से कम 20-30 मिनट की नींद जरूर लें ।
- दिन में भारी भोजन करने की बजाय अपने भोजन में साबुत अनाज, ओट्स, अंकुरित खाद्य तथा बहुत सारी सब्जियां तथा फल शामिल करें।

ताकि दर्द में न बीतें सर्दियां

सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें सर्दियों में जुकाम और खांसी से बचकर रहें

सर्दियों को वैसे तो खाने पीने और घूमने फिरने का मौसम माना जाता है, लेकिन हेल्थ प्रॉब्लम्स भी इस मौसम में परेशान करती हैं। अब जब सर्दियों ने दस्तक दे ही दी है, तो क्यों न इस मौसम की दिक्कतों से बचने के लिए हम पहले से ही करते चलें बचाव के इंतजाम। यहां पर कुछ हेल्थ टिप्स दिये हुए हैं, जिन्हें आप सर्दियों में फिट रहने के लिये इस्तेमाल कर सकती हैं -

सर्दी, जुकाम, खांसी

इस मौसम की कॉमन प्रॉब्लम है सर्दी, जुकाम और खांसी। अगर आपको हर दिन सुबह उठते ही छींक आती है और जुकाम जैसा लगता है, तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं। यह प्रॉब्लम होती है एलर्जी की वजह से और एलर्जी से आप तभी बचकर रह सकती हैं, जब आप हेल्दी डाइट लेंगी।

वायरल के लक्षण हैं

सिर दर्द, आंखों से पानी बहना, बदन टूटा सा लगना वगैरह। इसके इलाज के लिए बैलेंस डायट लेना जरूरी है। विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की सही मात्रा होनी चाहिए। खाने में फल और हरी सब्जियां ज्यादा हों।

क्या करें

अपनी डेली डायट में सेब, मौसमी फल, अंगूर और फिश को शामिल करें। ये प्रॉब्लम्स एलर्जी की वजह से होती हैं और ये फूड आपको एलर्जी से बचाए रखेंगे। इसके अलावा गर्मागर्म ब्लैक टी भी आपको इस प्रॉब्लम से दूर रखने में हेल्प करेगी। अगर आप इस प्रॉब्लम पर गौर नहीं करेंगी, तो आपकी बॉडी की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती चली जाएगी। वैसे, यह प्रॉब्लम उन जगहों पर ज्यादा होती है, जहां ठंडी हवाएं चलती हैं। सर्दी से बचने के लिए चेस्ट को अच्छी तरह से ढककर रखें, गले को लपेट कर और गरम कपड़े पहनें। डॉक्टर की सलाह पर दवाएं लें। नाक बंद हो तो स्टीम लें।एक रिसर्च के मुताबिक, जो महिलाएं हफ्ते में 5 दिन तकरीबन 45 मिनट एक्सरसाइज करती हैं, उन्हें जुकाम कम होता है।

सीताफल

स्वादिष्ट मीठे फल के 10 गुण

सीताफल इतने गुणों से भरपूर है कि शायद ही शरीर का कोई हिस्सा ऐसा हो जिसे यह फायदा न पहुंचाता हो। जानिए सीताफल के 10 गुणों के बारे में...

1. सीताफल में वजन बढ़ाने की क्षमता भरपूर होती है और अगर आप वजन बढ़ाने के सारे जतन करके थक चुके हैं तो तैयार हो जाएं एक नए और मीठे उपाय के लिए। आपको बस सीताफल को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना है और आपका मनचाहा फिगर आप पा सकेंगे बहुत ही जल्दी।
2. सीताफल में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट विटामिन सी बहुत ज्यादा मात्रा में होता है। विटामिन सी में शरीर की रोगों से लड़ने वाली शक्ति यानी इम्युन सिस्टम को बढ़ाने की क्षमता होती है तो हर दिन एक बार सीताफल खाइए और भगाइए दूर बीमारियों को।
3. क्या आप अक्सर कमजोरी महसूस करते हैं? सीताफल आपकी यह परेशानी दूर कर सकता है। सीताफल बहुत ही अच्छा एनर्जी का स्रोत होता है और इसके सेवन से थकावट और मसल्स मतलब मांसपेशियों की कमजोरी आपको बिलकुल भी महसूस नहीं होगी। बस, सीताफल को अपनी डाइट में शामिल कर लीजिए।
4. विटामिन बी कॉम्प्लेक्स से भरा हुआ सीताफल दिमाग को शीतलता देने का भी काम करता है। यह आपको चिड़चिड़ेपन से बचाकर निराशा को दूर रखता है। तो फिर बस, सीताफल अपनाइए और अपनी मानसिक शांति को रखिए अपने साथ हमेशा।
5. सीताफल आपके दांतों के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उत्तम है। इसको नियमित खाकर आप दांतों और मसूड़ों में होने वाले दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।
6. खून की कमी यानी एनीमिया से बचना अब बिलकुल आसान है। सीताफल का हर दिन इस्तेमाल खून की अल्पता को खत्म कर देता है और उल्टियों के प्रभाव को भी कम करता है।
7. सीताफल आंखों की देखने की क्षमता बढ़ाता है, क्योंकि इसमें विटामिन सी और रिबोफ्लेविन काफी ज्यादा होता है। इससे नंबर के चश्मे को आप खुद से बड़ी आसानी से दूर रख सकते हैं।
8. सीताफल में मौजूद मैग्नीशियम शरीर में पानी को संतुलित करता है और इस तरह से जोड़ों में होने वाले अम्ल को हटा देता है। यह अम्ल गठिया रोग का मुख्य कारण होता है और इस तरह से सीताफल गठिया रोग से सुरक्षा करता है।
9. दिल की तंदुरुस्ती अब बिलकुल आसान है। इसमें सोडियम और पोटेशियम संतुलित मात्रा में होते हैं जिससे खून का बहाव यानी ब्लड प्रेशर में अचानक होने वाले बदलाव नियंत्रित हो जाते हैं।
10. दोनों प्रकार की शुगर को संतुलित रखना सीताफल के उपयोग के साथ बहुत ही आसान है। इसमें शरीर में होने वाली शुगर को सोख लेने का गुण होता है और इस तरह से यह शुगर का शरीर में स्तर सामान्य बनाए रखता है।

सीताफल एक लाजवाब, स्वादिष्ट और मीठा फल होने के साथ-साथ अपने में अनगिनत औषधीय गुणों को शामिल किए हुए है। पूरे शरीर को स्वस्थ और बीमारियों से दूर रखने का यह एक बहुत ही आसान उपाय है।

भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान

कई लोग भोजन के साथ या भोजन के बाद चाय का सेवन करने के शौकीन होते है लेकिन भोजन के साथ चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करना नुक्सानदायक साबित हो सकता है।चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से हमारे शरीर को कई रोगों का शिकार होना पड़ सकता है जैसे ब्लड प्रैशर की समस्या, मधुमेह और वजन बढ़ने की समस्या,पेट संबंधी समस्याएं भी पैदा हो सकती है।चाय या कॉफी में अत्यधिक कैफीन होने को कारण यह हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित होती है।कई लोगों का ऐसा मानने है कि भोजन के साथ चाय पीने से भोजन आसानी से पच जाता है लेकिन ऐसा न होकर इसका बुरा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है।आइए जानें भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने के नुक्सान।

- भोजन के साथ चाय या कॉफी पीने से पेट संबंधी समस्याएं जैसे एसीडिटी की समस्या पैदा हो सकती है और पाचन क्रिया पर भी बुरा असर पड़ता है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से मुंह की समस्याएं पैदा हो सकती है ,चाय ज्यादा पीने से गले और मुंह में खुश्की की समस्या पैदा हो सकती है।
- चाय का अत्यधिक सेवन करने से इसमें मौजूद कैफीन हमारे शरीर के लिए नुक्सानदायक साबित हो सकता है ,कैफीन हमारे शरीर में एसिड बना देता है जिसका सीधा असर हमारी किडनी पर पड़ता है।
- चाय या कॉफी पीने से आंतो पर बुरा असर पड़ता है और यह आंतों को भी कमजोर बना देती है।
- भोजन के साथ चाय या कॉफी का सेवन करने से भोजन में मौजूद पौष्टिक पदार्थ हमारे शरीर तक नहीं पहुंच पाते।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से अनिद्रा जैसी बीमारी का भी शिकार होना पड़ सकता है।
- चाय या कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से फेफड़ों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है।

जैतून का तेल रखता है दिल को दुरुस्त

जैतून तेल का नियमित इस्तेमाल दिल को तो दुरुस्त बनाता ही है, दिल संबंधी बीमारियों के जोखिमों को भी घटाता है। ग्लासगो तथा लिस्बन विश्वविद्यालयों और जर्मनी में मोसाइक्यूज डायग्नोस्टिक्स के अध्ययनकर्ताओं ने जैतून के तेल का असर जानने के लिए मिलकर काम किया।अमेरिकी जर्नल क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन में जैतून सहित पौधे में पाए जाने वाले प्राकृतिक अवयव फेनोलिक्स के हृदय पर पड़ने वाले असर को परखा गया। अमेरिका में संघीय औषधि प्रशासन और यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण का मानना है कि मोनोसैचुरेटेड फैटी एसिड के साथ फेनोलिक्स, जैतून के तेल के रक्षात्मक प्रभाव के लिए जिम्मेदार होता है। अध्ययन का पहलू यह रहा कि लक्षित समूहों पर इसका असर देखा गया यानी ऐसे लोग जो हमेशा जैतून का तेल इस्तेमाल नहीं करते हैं। स्वास्थ्य पर तेल पूरकों के असर के अध्ययन के लिए अध्ययन टीम ने नई डायग्नोस्टिक तकनीक को आजमाया। धमनी संबंधी (सीएडी), किडनी संबंधी (सीकेडी) और मधुमेह जैसी बीमारियों के संकेत के लिए पहचानी गई पेपटाइड्स (खंडित प्रोटीन से निर्मित) के रेंज को जानने के लिए पेशाब के नमूने की जांच की गई। परिणाम से पता चला कि दोनों समूहों में बीमारी की सबसे सामान्य किस्म सीएडी के नतीजे में बड़ा बदलाव दिखा।

विटामिन बी1 की कमी ब्रेन को कर देती है फेल

नई खोज से पता चला है कि विटामिन बी1 की कमी से ब्रेन की घातक बीमारी वैनिक इंसेफैलॉपथी हो सकती है। ऐल्कॉहॉल और एड्स के 75-80 पर्सेंट केसों में इस बीमारी के होने की आशंका रहती है। यह ब्रेन की ऐसी बीमारी है, जिसमें समय पर इलाज नहीं होने पर मरीज इंसेफैलॉपथी का शिकार हो जाता है।

मेटाबॉलिक संतुलन बिगड़ने और नशीले पदार्थ का सेवन करने से यह बीमारी होती है। लायोला यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के न्यूरॉलजिस्ट के मुताबिक, वैनिक इंसेफैलॉपथी से पीड़ित में कन्फ्यूजन, भ्रम, कोमा, मांसपेशियों की कमजोरी और दृष्टि दोष जैसी दिक्कतें होती हैं। यही बाद में स्थायी तौर पर ब्रेन डैमेज का कारण बनती हैं और मरीज की मौत भी हो जाती है। साइंस अमेरिकन मेडिसिन जर्नल में इस नई खोज को प्रकाशित किया गया है।